हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

4 मार्च 1980

खण्ड 1, अंक 2

अधिकृत विवरण

विशय–सूची

मंगलवार, 4 मार्च, 1980

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एंव उत्तर	(2)1
तारांकित प्र न संख्या 1417 पर आधे घंटे की चर्चा की मांग	(2)9
तारांकित प्र न एंव उत्तर (पुनरारम्भ)	(2)10
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(2)22
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(2)23
व्यैक्तिक स्पश्टीकरण–	
श्री जयनारायण वर्मा द्वारा	(2)39
ध्यानाकर्शण सूचना–	
डीजल की भारी कमी तथा उसकी त्रुटिपूर्ण एवं अनुचित तक्सीम सम्बन्धी	(2)41

संविधान के अनुच्छेद 368 के अधीन सरकारी प्रस्ताव–	
संविधान (45 वां सं ाोधन) विधेयक 1980 सम्बन्धी	(2)42
औचित्य प्र न–	
राज्यपाल के अभिभाशण में पहली सरकार की उपलब्धियां के वर्णन सम्बन्धी	(2)77
राज्यपाल के अभिभाशण	(2)77
बैठक का समय बढाना	(2)89
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुरारम्भ)	(2)89
अध्यक्ष द्वारा औब्जर्वे ान–	
सदन की बैठकों के समय सम्बन्धी	(2)98

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 4 मार्च, 1980

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ में 14–00 बजे हुई। अध्यक्ष (कर्नल राव राम सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एंव उत्तर

श्री अध्यक्षः साहेबान, अब सवाल होंगे।

Applications for loan under L.I.G. and M.I.G. Housing Schemes.

*** 1412. Chaudhri Har Swarup Bura:** Will the Minister for Finance be please to state district-wise total number of applications pending for the grant of loan under the L.I.G and M.I.G. Housing Schemes together with the action taken thereon so far?

विकास मंत्री (राव राम नारायण): सूचना (स्टेटमैन्ट) सदन के पटल पर रख दी गई है।

स्टेटमैंट

कम तथा मध्य आय वर्ग योजना (लाई/माई) के अधीन कुछ लम्बित प्रार्थना पत्रों का जिलावार विवरण निम्न प्रकार से है:–

क्रम संख्या	जिले का नाम	कम आय वर्ग योजना	मध्य आय वर्ग योजना
1	अम्बाला	79	59
2	कुरूक्षेत्र	182	7
3	सोनीपत	338	56
4	जीन्द	159	30
5	नारनौंल	110	7
6	गुडगांव	531	76
7	हिसार	1619	68
8	भिवानी	456	16
9	सिरसा	48	80
10	फरीदाबाद	113	170
11	रोहतक	209	14

12	करनाल	भून्य	1

इस वित्तीय वर्श के लिये जीवन बीमा निगम के 66.00 लाख रूपये की रा ि ा स्वीकृत की है। यह रा ि ा अगले कुछ दिनों में उपायुक्तों को भेज दी जाएगी।

चौधरी हर स्वरूप बूराः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जो सूचना सदन के पटल पर रखी है उसमें यह लिखा गया है कि 66 लाख रूपया करंट ईयर के लिये एलआईसी से लिया है। क्या मंत्री जी यह समझते है कि जितनी एप्लीके ांज पैंडिग है उनको पूर्णतः मीट आउट के लिये यह रा ि ा काफी है?

राव राम नारायणः स्पीकर साहब, यह रा ि ा काफी नहीं है। ये स्कीमें एलआईसी के लोन से चलाई जाती है पैंडिग एप्लीके ांज के लिये हमें 351 लाख रूपया चाहिए लेकिन इस साल हमें केवल 66 लाख रूपया मिला है। जिसकै कुछेक प्लाके ांज की पूर्ति हो सकेगी।

डा0 मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी बताने की कृपा करेंगे कि ये एप्लीके ांज कब से पैंडिग हैं?

राव राम नारायणः स्पीकर साहब, कुछ एप्लीके ांज 1976–77 से पैंडिग हैं, कुछ 1977–78 से और कुछेक 1978–79 से भी पैंडिग है।

श्री अध्यक्षः क्या 1977 से पहले तक की एप्लीके ांज क्लीयर हो चुकी है?

राव राम नारायणः जी हां। केवल 1977 के बाद की एप्लीके ांज पैंडिग है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि इस 66 लाख रूपए की रा ि ा को बढाने के लिए क्या सरकार कोई स्टैप्स लेगी?

राव राम नारायणः स्पीकर साहब, हमने तो मांग पूरी रखी थी लेकिन एलआईसी से सिर्फ इतनी ही स्वीकृत की गई है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी बतलायेंगे कि कितनी एप्लीके ांज लोन के लिए पैंडिग है उन सब को पैसा देकर डिस्पोज आफ कर दिया जाएगा?

राव राम नारायणः स्पीकर साहब, एप्लीके ांज डिस्पोज आफ करने का क्राइटेरिया फर्स्ट कम फर्स्ट सर्वड है।

श्रीमति सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहती हूं कि जो एप्लीके ांज पैंडिग है उनको डिस्पोज आफ करने का क्राइटेरिया केवल फर्स्ट कम फर्स्ट सर्वड है या और कोई भी आधार है?

राव राम नारायणः अध्यक्ष महोदय, क्राइटेरिया तो फर्स्ट कम फर्स्ट सर्वड का ही है। जो लो–इनकम ग्रुप है उसके लिये 20

परसन्ट रिजर्वे ान है। भाड्यूल्ड कास्ट्स और भाड्यूल्ड ट्राइब्ज के लिए 10 परसैंट हैं और 10 परसैंट एक्स–सर्विस मैन के लिए रिजर्वे ान है। स्वर्ग जाति के लिये रिजर्वे ान नहीं है।

चौधरी सतबीर सिंह मलिकः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी बतायेंगे कि 66 लाख रूपया जो एल.आई.सी. से लिया है वह किस इंट्रस्ट पर लिया गया है?

राव राम नारायणः यह रा ि ा एल.आई.सी. से 8 परसैन्ट इंट्रस्ट पर ली है और सरकार इस पर साढे तीन परसैन्ट इंट्रस्ट लगाती है। अगर कोई ठीक समय पर इनस्टालमैंट अदा कर देता है तो उसको सरकार की तरफ से अढाई परसैन्ट रीबेट दिया जाता है। (थम्पिंग)

चौधरी राम लाल वधवाः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जो लोन की डिस्ट्रब्यू ान की जाती है उसका क्या प्रोसीजर है?

श्री अध्यक्षः वधवा साहब, अभी मंत्री जी ने बताया था कि फर्स्ट कम फर्स्ट सर्वड है।?

श्री जय नारायण वर्माः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने फरमाया कि भाड्यूल्ड कास्ट्स और एक्स सर्विसमैंन के लिये रिजर्वे ान हैं तो मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि क्या पिछडे वर्ग के लिए भी रिजर्वे ान है अगर है तो कितनी परसैन्ट है?

राव राम नारायणः अध्यक्ष महोदय, जिस वर्ग के लिए रिजर्वे ान है वह मैंने हाउस में बता दी है। उसके अलावा और कोई रिजर्वे ान नहीं है।

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, जिस तरह से एक्स सर्विसमैन और हरिजनों के लिए रिजर्वे ान रखी हुई है उसी बेस को देखते हुए जो पिछडा वर्ग है उसका भी सरकार पूरा ध्यान रखेगी और पिछडे वर्ग को भी रिजर्वे ान देने की हम पूरी कोि ा ा करैंगे।

श्री फतेह चन्द विजः अध्यक्ष महोदय, अगर मंत्री जी के नोटिस में लाया जाए कि 1977–78 की एप्लीके ांज पैंडिग है और वे एप्लीके ांज 1977–78 में ही दी गई हैं तो क्या उन्हें लोन देने का आर्डर करेंगे या कि उन एप्लीके ांज को कैंसिल कर दिया गया हैं?

राव राम नारायणः अध्यक्ष महोदय, यदि कोई स्पैसीफिक चीज हमारे नोटिस में लाई जाएगी तो उस पर जरूर एक ान लिया जाएगा।

डा0 मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने फरमाया कि इस वित्तीय वर्श में इन्हें एल.आई.सी. से 66 लाख रूपए मिले है। जिस प्रकार के टाईम में इन्हें यह रा ि ा मिली है वह सरकार इनके मुआफिक नहीं थी। अब जो केन्द्र में बहुत भरी मात्रा में दलबदल करने के प चात् इनके मुआफिक सरकार बन गई है।

क्या अब ये केंद्र सरकर से ज्यादा लोन लेने में कामयाब हो सकेंगे? (ाोर)

Mr. Spearker: This question has no relevancy.

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जो सरकार हमारे मुआफिक नहीं थी वह इनके भी मुआफिक नहीं थी। हम भारत सरकार से ज्याद से ज्यादा पैसा लेने की कोि ा ा करेंगे और जितनी भी पैंडिग एप्लीके ांज है उनको मैरिट के आधार पर जल्दी ही निपटाने की कोि ा ा करेंगे।

चौधरी हर स्वरूप बूराः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने फरमाया कि कुछ कैटेगरीज के लिए कोटा रिजर्वड है। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि कहीं ऐसी बात तो नहीं है कि रिजर्वड कोटे के लिए एप्लीके ान्ज ही न आई हों?

राव राम नारायणः स्पीकर साहब, ऐसी कोई बात नहीं है कि एप्लीके ांज न आई हों बल्कि एप्लीके ांज से ज्यादा आ रही है।

Pay Commission Report

1417. Shri Preet Singh Chaudhri Ude Singh Dalal Chaudhri Jagjit Singh Pohloo: Will the Minister for Finance be pleased to state-

a. whether the Pay Commission appointed by the Government has since submitted its Report to the Government; if so, a copy thereof be placed on the Table of the House;

b. whether the Government has accepted the recommendations of the Commission in toto; if not, the details of the recommendations rejected by the Government and the reasons therefore;

c. whether the Government proposes to appoint a Committee to remove the anomalies or discrepancies in the pay scales; if any: if so, the time by which it is likely to be appointed;

d. the total expenditure likely to be incurred by the Government in the implementation of the above said recommendations of the Pay Commission; and

e. whether the Commission has recommended uniform pay scales, special pays and selection grade posts for each category of employees in all the departments of State Government; if not, the reasons therefore?

Finance Minister (Lala Balwant Rai Tayal):

a. Yes. A copy each of the two reports submitted by the Chairman and Member of the Pay Commission is @@placed on the Table of the House.

b. The State Government has constituted a committee under the Chairmanship of Chief Secretary to examine the recommendations of the Pay Commission contained in the two reports. On the recommendations made

by this committee, the pay scales of common categories of employees, including police personnel, serving in different departments as also the pay scales of employees in Prisons Department and Archaeology Department have been revised. The new rates of TA/DA & City Compensatory Allowance have also been announced. The recommendations of the Commission about other categories of employees and grant of other benefits are under consideration.

c. Government may consider appointment of a Committee to remove the anomalies or discrepancies in the pay scales, after decision is taken on all the pay scales.

d. The total expenditure on the implementation of the recommendations of the Pay Commission is roughly estimated to be of the order of Rs. 15 crores per annum. Till a decision has been taken on all the recommendations of the Commission, it would not be possible to make more precise estimates of the expenditure.

e. While suggesting different pay scales for each category of employees, the Commission kept in view the minimum educational qualifications and the promotion prospects for them in different department. Uniformity in pay scales, special pay and selection grades has been maintained, wherever possible.

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब, विधान सभा सैक्रिटेरिएड के स्टाफ का राज्य के दूसरे स्टाफ के मुकाबले में बडा ऊंचा दर्जा है क्योंकि सियासत का कंट्रोल यही से होता है लेकिन विधान सभा सचिवालय के कर्मचारियों की पे में और

सेक्रिटेरिएड के कर्मचारियों की पे में बडा डिफरैन्स है। क्या मंत्री जी इस बात का वि वास दिलायेंगे कि इस डिफरैन्स को खत्म किया जाएगा?

श्री अध्यक्षः आमतौर पर विधान सभा सचिवालय के बारे में चूंकि सवाल असैम्बली में पूछा नहीं जाता इसलिए मैड्म सवाल को अलाऊ नही करता।

डा0 मंगल जैनः इसीलिये तो ये घाटे में रह जाते हैं।

चौधरी उदय सिंह दलालः इसके बारे में कुछ सोच विचार तो होना चाहिए।

श्री अध्यक्षः इसकी जिम्मेवारी आप मेरे ऊपर छोडे। मैं गवनमैंट से जो भी कमी हैं उसको पूरा करवाने की कोि ा ा करूंगा।

चौधरी उदय सिंह दलालः रिपोर्ट फाईनल होने से पहले आप इस सम्बन्ध में अव य कुछ करने की कृपा करें।

चौधरी राम लाल वधवाः यह सारे हाउस का अनुरोध है कि आप गवर्नमैंट से बात करके इस डिफरैन्स को समाप्त करवाने की कृपा करे।

श्री हीरा नन्द आर्यः मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि चीफ सैक्रेटरी की अध्यक्षता में जो मेटी बनी है यह कब तक विचार पूरा कर लेगी?

लाला बलवन्त राय तायलः बहुत जल्दी।

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, पहले तो गवर्नमैंट ने वेतन आयोग बैठाया उसके ऊपर लाखों रूपया खर्च किया। वेतन आयोग ने अपनी रिपोर्ट तैयार की लेकिन इसके बावजूद भी ये कहते हैं कि वेतन आयोग की रिपोर्ट की जांच के लिए गवर्नमैंट ने एक समीति गठित की है।

श्री अध्यक्षः आप सवाल पूछें।

चौधरी गंगा रामः मैं सवाल ही पूछ रहा हूं। इसका मतलब यह हुआ कि गवर्नमैंट ने वेतन आयोग पर वि वास नहीं किया। क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि यह समिति कब तक अपनी रिपोर्ट दे देगी और क्या वेतन आयोग की सारी सिफर ों मानी जाएगी?

मुख्यमंत्री चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात क्लीयर कर देता हूं कि यह कमेटी पे कमी ान की रिपोर्ट की जांच पडताल करने के लिए नहीं है बल्कि पे कमी ान की रिपोर्ट को लागू करने के लिए है। चीफ सैक्रेटरी की अध्यक्षता में यह जो कमेटी बनी है यह सारी बातों को देखेगी ताकि इस रिपोर्ट की जल्दी से जल्दी इम्पलीमैंन्टे ान भ्रारू हो जाए और किसी के साथ बेइन्साफी न हो।

श्री भले रामः मंत्री महोदय ने अभी बताया कि इस रिपोर्ट को इम्पलीमैंट करने के लिए 15 करोड रूपया खर्च होगा।

क्या मिनिस्टर साहब यह बतायेंगे कि इस खर्च को पूरा करने के लिए गांव के लोगों पर टैक्स लगाया जाएगा।

श्री अध्यक्षः यह कोई सवाल नहीं है। (विघ्न) यह तो सीधी सी बात है कि अगर 15 करोड रूपया फालतू खर्च होगा तो उसे कहीं न कहीं से रेज करना पडेगा। इस मौके पर यह पूछना कि यह गांव से रेज होगा या भाहर से रेज होगा कोई सवाल नहीं है।

श्री सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि चीफ सैक्रेटरी की अध्यक्षता में जिस कमेटी का गठन किया गया है उसके आख्त्यिार में क्या बात है? क्या वह पे कमी ान की रिपोर्ट में कुछ तबदीली करेगी या उसे उसी रूप में ऐकसैप्ट करेगी, रिजैक्ट करेगी या इम्पलीमैंट करेगी?

श्री अध्यक्षः मुख्यमंत्री जी ने अभी अभी इस बात को स्पश्ट किय था कि यह कमेटी सिर्फ इम्पलीमैंटे ान के लिए बनाई गई है। (विघ्न)

Shri Surrender Singh: But it must be made very much clear whether the report has been accepted in toto or not?

लाला बलवन्त राय तायलः स्पीकर साहब, ऐसा है कि जो पे कमी ान सरकार ने बनाया है उसके दो मैम्बर थे, एक चेयरमैन और एक सेक्रेटरी। उन दोनों की रिपोर्ट अलग अलग

आई है। इसलिए यह कमेटी बनानी पडी। यह कमेटी दोनों रिपोर्टस पर विचार करके अपनी रिपोर्ट देगी और जो ऐम्पलाइज के फायदे की बात होगी उसको हम करेगें।

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब अभी भी नहीं आया है।

लाला बलवन्त राय तायलः अध्यक्ष महोदय, मैंने अभी बताया कि दोनों मैम्बर्ज की रिपोर्ट चूंकि अलग अलग है इसलिए यह कमेटी बनानी पडी। यह कमेटी दोनों रिपोर्ट्स पर विचार करेगी ताकि ऐम्पलाइज के फायदे की बात हम कर सकें।

कामरेड भांकर लालः स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि सचिवालय और हरियाणा राज्य के दूसरे औफिसिज के कर्मचारियों के वेतन में जो फर्क है क्या वह कमेटी की रिपोर्ट से दूर होगा? इसके अलावा मैं यह भी जानना चाहता हूं कि क्या हरियाणा सरकार अपने कर्मचारियों को पडौसी राज्य पंजाब और दिल्ली के बराबर पे स्केल्ज देगी या उनमें कुछ फर्क होगा?

(इस प्र न का उत्तर नहीं दिया गया।)

चौधरी राम लाल वधवाः अध्यक्ष महोदय, यह बडा महत्वपूर्ण प्र न है इसका जवाब तो आना चाहिए। (विघ्न)

श्री बलदेव तायलः अध्यक्ष महोदय, अभी मुंख्यमंत्री जी ने बताया कि कमेटी का गठन पे कमी ान की रिपोर्ट को इम्पलीमैन्टे ान के लिए किया गया है। लेकिन वित्तमंत्री जी ने अभी बताया कि ऐसी बात नहीं है बल्कि कमेटी का गठन तो दोंनो रिपोर्टस को सिंकोनाइज करने के लिए किया गया है तो क्या मुख्यमंत्री जी या वित्तमंत्री जी इस पोजी ान को क्लैरिफाई करने की कृपा करेंगे कि दोनों में से किसका वक्तव्य ठीक है?

लाला बलवन्त राय तायलः दोनों का वक्तव्य ठीक है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात को क्लीयर कर देता हूं। अध्यक्ष महादेय, पे कमी ान की जो रिपोर्ट आई उसको स्टडी करने के लिए यह देखने के लिए कि आया किसी महकमें के कर्मचारियों के साथ कोई बेइन्साफी तो नहीं हो गई, इसलिए इस कमेटी का गठन किया गया है। हमने कुछ महकमों के कर्मचारियों को, जिन्हें पे–कमी ान से कम पे स्केलू रिकोमैन्ड किए थे, ज्यादा पे स्केल दिए है। यह कमेटी पूरी तरह से जांच पडताल करेगी ताकि किसी कर्मचारी के दिल और दिमाग में यह बात न आए कि उसके साथ भेदभाव बरता गया है। पूरा इन्साफ देने के लिए यह कमेटी बनाई गई है। कमेटी यह देख रही है कि कौन से महकमे में कौन से कर्मचारी को कितनी तनख्वाह मिनी चाहिए। कमेटी गवर्नमैंट उसे स्वीकार करके लागू करवा रही है। बहुत से महकमों में कमेटी की रिपोर्ट को लागू करवा दिया गया है।

Shri Baldev Tayal: Mr. Speaker, Sir, I do not think that my question has been answered fully.

Mr.Speaker: I think that the question has been answered. The Chief Minister has said that the committee which has been constituted will both synchronise the reports and implement them.

Shri Baldev Tayal: Sir, I seek your indulgence for a moment to put my point and then you can decide whether my question has been answered or not.

The Finance Minister has stated that there was a two memebers commission and the reports of both the members are different.

श्री अध्यक्षः बलदेव जी, आपके सवाल को सब समझ गए है और इसका जवाब आ भी गया है कि कमेटी रिपोट्स को सिन्क्रोनाईज भी करेगी और इम्पलीमैंट भी करेगी।

Shri Baldev Tayal: That is what you say, Sir and not the Chief Minister.

Mr. Speaker: That is what I understand.

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य बलदेव जी ने अभी कहा कि उनके सवाल का जवाब नहीं आया। मैं फिर उन्हें बता देना चाहता हूं कि यह कमेटी दोनों बातें करेगी। अगर पे–कमी ान की रिपोर्ट को कंसिडर करके कमेटी यह कहेगी कि फलां महकमें मे कर्मचारियों की पे ज्यादा होनी

चाहिए तो सरकार कमेटी की उस रिपोर्ट पर अव य ही विचार करेगी।

श्री मूल चन्द जैनः मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या इन कर्मचारियों में वर्कचार्जड इम्पलाईज भी भाामिल हैं अगर नहीं है तो इसका क्या कारण हैं?

लाला बलवन्त राय तायलः इसके लिए फै ा नोटिस चाहिए। आप नोटिस दे दें, मैं जवाब दे दूंगा।

श्री अध्यक्षः लौजिकली तो पे–कमी ान की रिपोर्ट रैगूलर इम्पलाईज पर ही लागू होती है।

चौधरी भजन लालः पे–कमी ान की रिपोर्ट परमानेंट कर्मचारियों पर ही लागू होती है। एडहाक और वर्कचार्ज कर्मचारियों पर लागू नहीं होगी। जब एडहोक इम्पलाईज रैगूलर हो जायेंगे तो उन पर भी लागू हो जायेगी।

चौधरी हुक्म सिंहः स्पीकर साहब, दस पन्द्रह हजार वर्कचार्ज्ड मुलाजिम हैं उन पर यह रिपोर्ट लागू नहीं होगी तो बडा भारी अन्याय होगा (विघ्नौ)

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, यह रिपोर्ट उन पर भी लागू होनी चाहिए वे तो 35 हजार के करीब है। (विघ्न)

चौधरी संत कंवरः अभी मुख्यमंत्री महोदय ने हाउस में बताया कि एक कमेटी बनायी गयी है और वह कमेटी इस बात को

देखेगी कि किसी वर्ग के इम्पलाईज के साथ कोई भेद–भाव तो नहीं हुआ है? क्या सरकार की जानकारी में यह बात है कि अभी पिछले दिनों मंत्रियों चीफ पार्लियामैंट सैक्रेटरी की तनखाहें बढाने का फैसला हुआ है लेकिन इन वर्कचार्ज इम्पलाईज के साथ क्यों भेदभाव बरता जा रहा है?

श्री अध्यक्षः मेन सवाल ने इस सवाल का कोई सम्बन्ध नहीं है।

तारांकित प्र न संख्या 1417 पर आधे घण्टे की चर्चा की मांग

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, यह बडा ही इम्पोर्टैट मामला है। इससवाल पर और सप्लीमैंटरी पूछने के लिए टाईम दिया जाये। मुख्यमंत्री जी ने जो बात कही है वह टर्म्ज आफ रैफरेन्स के अगेंस्ट है इसलिए इससवाल पर आधे घण्टे की डिस्क ान की इजाजत दी जाये। आल कैटेगरीज आफ इम्पलाईज पे–कमी ान की टर्म्ज आफ रैफरेन्स में इन्कलूडिड है।

आवाजें : इस पर आधे घन्टे की डिस्क ान होनी चाहिए।

चौधरी भजन लालः सरकार को अधिकार है कि किसी भी कैटेगरी की तनखाह किसी भी समय बढा सकती है?

(चौधरी राम लाल वधवा तथा कुछ अन्य सदस्यों की ओर से आधे घंटे की डिस्क ान की मांग)

श्री अध्यक्षः अगर हाउस की यह ओपीनियन है कि इस सवाल पर फरदर डिस्क ान हो तो if a notice is given by a member supported by two othe members, then I will allow half an hour discussion.

तारांकित प्र न एवं उत्तर (पुनराम्भ)

Pensionary benefits to the Provincialised Doctors

***1417. Chaudhri Peer Chand:** Will the Chief Minister be pleased to state-

a. whether the services of qualified doctors in the service of Local Bodies were provincialised in Punjab in the year 1952;

b. if so, the names of the doctors alongwith their length of service whose services were provincialised in the area now comprising Haryana;

c. whether the doctors mentioned in part(b) above opted for Haryana and served the Haryana State after their services were provincialised;

d. whether it is a fact that the Director, Health Service recommended their cases for pension including those who were over 30 years of age at the time of provincialised of their services if so, action if any, taken thereon;

e. whether the Government gave such pensionary benefits to the provincialised teachers including those who were over 30 years of age at the time of provincialised of their services; and

f. if the reply of part(e) above be in the affirmative, whether the Government proposes to extend the same pensionary benefits to the provincialised doctors; if not, the reasons therefore?

मुख्यमंत्री चौधरी भजन लालः

क. जी हां।

ख तथा ग. अपेक्षित सूचना एकत्रित करने में निहित समय तथा परिश्रम प्राप्त होने वाले परिणामों के समानुपात नहीं होगा। फिर भी यदि किसी वि ोश केस के सम्बन्ध में सूचना की आव यकता हो तो नया नोटिस दिए जाने पर उपलब्ध करने के प्रयत्न किए जाएंगे।

घ. जी हां। सरकार द्वारा निदे ाक, स्वास्थ्य सेवाएं की सिफार ों स्वीकार की आ चुकी है।

ड. जी हां।

च. प्रान्तीकृत डाक्टरों को पैन ान सम्बन्धी लाभों की सुविधा प्रदान की जा चुकी है।

चौधरी पीर चन्दः अभी मुख्यमंत्री महोदय ने बतलाया है कि लोकल बाडीज के डाक्टर्ज की सर्विसिज प्रोविि ायलाइज कर चुके है। मैं उनसे जानना चाहता हूं कि किस डेट से उनको पैन ान दी गयी है?

चौधरी भजन लालः जिस दिन से उनका राश्ट्रीयकरण किया गया है उसी दिन से पैन ान लागू की गई है।

Provincialised of Local Body Schools

***1417. Shri Kanwal Singh:** Will the Minister for Local Government be pleased to state-

a. the number of clerks taken over from the Local Body Schools on their provincialised on 1-10-57;

b. the number of State cadre clerks working in Government Schools as on 30-9-57;

c. whether ratio of promotion between the provincialised and State cadre clerks as Incharge Clerks and Head Clerks was fixed; if so, the details thereof; and

d. if reply to part(c) above be in the affirmative, whether the said ratio has been changed; if so, since when together with the details thereof?

Local Government Minister (Chaudhri Khurshid Ahmed):

a. It is diffcult to give the number of clerks takenover from Local Body Schools on their provincialsation on1-10-57, as this period relates to erstwhile Punjab and no information to this effect is available. However, the number of provincialised clerks allocated to Haryana on 1-11-66 was 104.

b. It is not possible to give the number of clerks belonging to State cadre working in Govt. Schools as on 30-9-57, as the period relates to erstwhile Punjab State and no information to this effect is available. However, the number of State cadre clerks allocated to Haryana on 1-11-66 was 607.

c. Yes, the ratio between provincialised and State cadre clerks for promotion purposes was fixed at 1:10 in 1972.

d. This ratio was changed to 1:5 in 1974 in order to provide more chances of promotion to provincialised clerical staff.

श्री नारायण वर्मा: अध्यक्ष महोदय, सवाल का जवाब हिन्दी में आना चाहिए था।

श्री अध्यक्ष: मेम्बर साहेबान, जहां तक लैंग्वेज का सवात है यह कई दफा हाउस में आ चुका है। कानून के अनुसार हाउस की कार्यवाही तीन भाशाओं में हो सकती है। वह भाशाएं हैं हिन्दी, पंजाबी और अंग्रेजी। इसके अतिरिक्त मैं सभी साहेबान से रिक्वैस्ट कर चुका हूं कि जहां तक मुनासिब हो हिन्दी या पंजाबी में बोलने का परिश्रम करें। अगर कोई सदस्य अंग्रेजी में बोलना चाहता है तो कानून के अनुसार मैं उसको रोक नहीं सकता।

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, प्रोविंशियलाइज्ड काडर बिल्कुल डेमिनिशिंग काडर है उनका संख्या अब बहुत थोडी रह गयी है। उनको तरक्की में पूरा हक नहीं मिल रहा है। क्या मंत्री महोदय सरकार द्वारा किये गये निर्णय पर पुनः विचार करेंगे ताकि उनको भी प्रोमोशन का अवसर मिल सके?

श्री अध्यक्ष: जब आप मिनिस्टर होते थो तो उस समय आपने क्यों नहीं अवसर दिया? (हंसी)

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, जो मैंने आर्डर किये है उनको ये लागू कर दें तो इककी बडी कृपा होगी।

चौधरी खुर ीद अहमदः अगर कोई इनके टाईम का पुराना केस पैंडिग है तो उसको दिखवा लेंगे।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, आपने यह बात वाजह फरमायी कि सदन की तीन भाशायें है हिन्दी, पंजाबी और अंग्रेजी।

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, मैं आपसे रिक्वेस्ट करूंगा कि इस प्वायंट को फिर से न उठाये क्योंकि मैं अपनी रूलिंग दे चुका हूं।

डा0 मंगल सैनः मैं आपकी रूलिंग के बारे में कुछ नहीं कहा रहा। मैं तो आपसे रिक्वेस्ट कर रहा हूं कि आप सदन में मैम्बरान को निर्दे ा दे सकते है कि वे हिन्दी में बोलें।

कामरेड भांकर लालः अध्यक्ष महोदय, हमारा प्रान्त हिन्दी भाशी प्रान्त है। इसलिए असैंबली के अन्दर हिन्दी भाशा बोलनी चाहिए न कि अंग्रेजी। इस के अलावा इस प्रदे ा में उर्दू तथा पंजाबी भी बोली जाती है। इसलिए हाउस में अगर उर्दू पंजाबी या हिन्दी में न बोला जाये तो बहुत बडा गुनाह इस प्रान्त के साथ होगा और हिन्दी में न बोलना इस प्रदे ा की संस्कृति के खिलाफ है। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जब मेरी तरफ से रूलिंग आ चुकी है तो उस पर कतई डिस्क ान अलाऊ नहीं करूंगा। I would also request the hon'ble Members not to cast aspersions on each other.

श्री कवंल सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बाया है कि 1–10–1957 से पहले का कोई रिकार्ड हमारे पास नहीं है लेकिन 1–11–1966 को री–और्गेनाइजे ान ऐक्ट के तहत जो लोकल बाडी स्कूल्ज के इम्पलाईज हरियाणा में एलोकेट हुए थे उनको सुविधा देने के लिए क्या सरकार कोई उपाय करेगी?

चौधरी खुर ाीद अहमदः 1–11–1966 को हमारे यहां एलोके ान में जितने भी इम्पलाईज आए थे उन सभी के साथ पूरा इंसाफ किया गया है। उससे पहले 1957 में ज्वाएंट पंजाब के समय में कितने भर्ती किए गए थे वह रिकार्ड हमारे पास नहीं है?

श्री कवंल सिंहः गवर्नमैंट के पास हरियाणा से संबंधित रिकार्ड तो होना ही चाहिए।

चौधरी खुर ाीद अहमदः हमने जो रूल्स बनएं है उनके हिसाब से सभी को सुविधाएं दे दी है। ज्वाएंट पंजाब में जो रूल्ज थे उनमें जाने का कोई इरादा नहीं है।

श्री हीरा नन्द आर्य : क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि जब मैं एजुके ान मिनिस्टर था उस समय जो मैंने आदे ा दिए थे क्या वे लागू कर दिए गए हैं?

चौधरी खुर ाीद अहमदः आदे ा मैरिट बेसिज पर लागू किए जाते है न कि परसनल बेसिज पर।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जो कर्मचारी री–आर्गेनाइजे ान के समय हरियाणा में ऐलोकेट हुए है। उनका रिकार्ड आपने खोजनेस की कोि ा ा की है, अगर की है तो क्या उनका रिकार्ड मिल गया है?

चौधरी खुर ीद अहमदः जितने कर्मचारी हमारे पास 1966 में एलेकिट होकर आए हैं, उन सभी का रिकार्ड हमारे पास है। लेकिन कितने ज्वाएंट पंजाब में लिए गये थे उसका रिकार्ड हमारे पास नहीं है।

Shri Baldev Tayal: In reply to part(b) of this question, the Hon'ble Minister has stated that it is not possible to give the number of clerks belonging to State cadre working in Government schools as on 30.09.57 as the period relates to erstwhile Punjab State and no information to this effect is available. I want to know whether the Government has made efforts to collect the information relating to ersthwhile Punjab?

श्री दीपचन्द भाटियाः स्पीकर साहब, जब खुर ीद अहमद साहब अंग्रेजी में बोलते हैं तो अपोजी ान की तरफ से औब्जैक ान होता है लेकिन जब श्री बलदेव तायल अंग्रेजी में बोलते है तो कोई औब्जैक ान नहीं होता कि हिन्दी में बोला जाए।

श्री बलदेव तायलः स्पीकर साहब, मैं हिन्दी में पूछ लेता हूं। क्या मंत्री महोदय यह बताने का कश्ट करेंगे कि जो

इन्फर्मेशन इनके पास ज्वाएंट पंजाब के समय की नहीं हैं उसको कुलैक्ट करने के लिए सरकार ने कोई कोशिश की है?

श्री अध्यक्षः उन्होंने बताया है कि जो 1957 वाला रिकार्ड है वह सरकार के पास नहीं है but the record of the employees who caem to Haryana in 1966, is available with the Government. मिनिस्टर साहब का जवाब बडा क्लीयर है।

Shri Baldev Tayal: He should give a clear reply whether he has got the information or not?

चौधरी उदय सिंह दलालः मैं आपकी मार्फत मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जब पाकिस्तान से आए हुए लोगों का रिकार्ड मंगा कर जमीन एलाट की जा सकती है तो क्या पंजाब से आए हुए कर्मचारियों का रिकार्ड मंगा कर उनको सैटल नहीं किया जा सकता?

श्री अध्यक्षः इस सप्लीमेन्टरी का इस सवाल से कोई संबंध नहीं है।

श्री जय नारायण वर्माः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने बतलाया है कि पंजाब के समय का मामला है लेकिन जो 1966 में हरियाणा में ऐलोकेट होकर आये, क्या यह सुविधायें उन कर्मचारियों को दिए जाने का विचार नहीं है?

चौधरी खुर शीद अहमदः जो शुरू से भर्ती है उनको सारा लाभ मिलता रहा है।

श्री कंवल सिंहः मंत्री महोदय ने पार्ट (ए) के जवाब में बताया है कि 1–11–66 को 104 प्रोविि ायलाइज्ड क्लर्क्स हरयिाणा में ऐलोकेट हुए लेकिन पार्ट (बी) के जवाब में यह कहा गया है कि 1–11–1966 को स्टेट केडर क्लर्क्स 607 हरियाणा में एलोकेट हुए यह फिगर्ज मुझे मिसलीडिंग लगती है।

श्री अध्यक्षः श्री कंवल सिंह जी, यह जो सवाल आप पूछ रहे है इस बारे में यदि कोई डाउट है तो आप मिनिस्टर साहब से पर्सनली मिल कर क्लीयर कर लें।

Amount of grants for Haryana Khadi and Village Industries Board

***1419. Chaudhri Rajinder Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state-

a. the total amount of grants received from Government of India by the Haryana Khadi and Village Industries Board during the years 1978-79 and 1979-80; separately; and

b. whether the amount of the grants was fully utilized by by the said Board during the period as referred to in part(a) above; if not, the reasons therefore?

मुख्यमंत्री चौधरी भजन लालः

क. केन्द्रीय सरकार से हरियाणा खादी तथा ग्रामोदयोग बोर्ड ने वर्श 1978–79 तथा वर्श 1979–80 में कोई अनुदान प्राप्त नहीं किया।

ख. प्र न ही नहीं उठता।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः क्या मुख्यमंत्री महोदय यह बताने का कश्ट करेंगें कि हरियाणा खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड को खादी ग्रामोद्याग कमी ान से कितनी ग्रान्ट मिली है?

चौधरी भजन लालः पिछले साल 16 लाख रूपये दिए थे और इस साल 23 लाख रूपये दिए हैं।

चौधरी संत कंवरः क्या मुख्यमंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार की तरफ से खादी बोर्ड को यह हिदायत जारी की गई है कि भट्टे में जो मजदूर काम करते हैं अगर वे कर्मचारी अपनी कोई सोसायटी बनाकर भट्टा लगाना चाहें तो दूसरे लोगों को लोन देने की बजाए क्या उन कर्मचारियों की सोसायटी को लोन दिया जाए?

श्री अध्यक्षः यह सप्लीमेन्टरी इस सवाल से सम्बन्धित नहीं है। यह सैपरेट सवाल है।

श्री मूल चन्द मंगलाः क्या मुख्यमंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि पिछले साल खादी बोर्ड की ओर से इंडिविजुअल को कितना लोन दिया गया और सोसायटी को कितना लोन दिया गया था?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, पिछले साल खादी बोर्ड ने 1 करोड 51 लाख और 46 हजार रूपया लोन दिया है।

इस लोन में से इंडिविजुअल को भी लोन दिया गया और सोसायटीज को भी लोन दिया गया है।

श्रीमति सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय ने बताया है कि केंद्रीय सरकार की ओर से खादी बोर्ड को कोई अनुदान की रा ि ा नहीं मिली बल्कि खादी कमी ान की ओर से पिछले साल 16 लाख रूपया मिला था और इस साल 23 लाख रूपया मिला है। क्या मुख्यमंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि हरियाणा खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड ने कितनी रा ि ा का प्रयोग किया है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अभी मैंने बताया है कि वर्श 1978–79 में बोर्ड को 16 लाख रूपया मिला था और उसमें से साढे बारह लाख रूपया बोर्ड ने बांटा। इस साल यानि 1979–80 में बोर्ड को 23 लाख रूपया मिला है। इस चालू साल में हम कोि ा ा करेंगे कि जितना रूपया हमें मिला है वह अनुदान की भाक्ल में बांट दें। जो भी पैसा मिलता है वह स्कीमों के आधार पर मिलता है। जितनी भी स्कीम्ज हैं हमारी कोि ा यही होगी कि उन सारी स्कीम्ज को पैसा दे दिया जाए।

श्रीमति सुशमा स्वराजः अध्यक्ष महोदय, मेरे प्र न के आधे हिस्से का जवाब तो आया ही नहीं है (व्यवधान)।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अगर ये चाहती हैं तो मैं वह भी बता देता हूं लेकिन चेयरमैन का असर पडता है।

अध्यक्ष महोदय, अभी तक 23 लाख रूपए में से सिर्फ अढाई लाख रूपया तकसीम किया गया है।

Shri Jai Narain Verma: On a point of personal explanation, Sir.

Mr. Speaker: I will give you time after the question hour.

श्री लहरी सिंह मेहराः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय ने बताया है कि पिछले साल सोलह लाख रूपए में से साढे बारह लाख रूपया बांटा गया। अध्यक्ष महोदय, इस तरह से पिछले साल करीब साढे तीन लाख रूपया लैप्स हो गया। इस साल केवल अढाई लाख रूपया बांटा गया है। क्या मुख्यमंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि बाकी रूपया क्या इस साल भी लैप्स हो जाएगा?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अनुदान लैप्स नहीं होता है वह अगले साल में काउन्ट हो जाता है।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय ने बताया है कि 23 लाख रूपया के अनुदान में से अढाई लाख रूपया बांटा गया है। क्या मुख्यमंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि कहीं ऐसा तो नहीं कि सरकार यह रूपया न बांटना चाहती हो और खादी बोर्ड के चेयरमैन का जबरदस्ती नाम लगाकर बहाना बनाना चाहती हों?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, 23 लाख रूपए में से सिर्फ अढाई लाख रूपए का बांटा जाना कोई अच्छी बात नहीं हैं लेकिन इसमें सरकार बीच में कम आती है। बोर्ड के चेयरमैन की डयूटी है कि वह ज्यादा से ज्यादा अनुदान तकसीम करे लेकिन अनुदान तकसीम नहीं हुआ। हम पूरी कोि ा ा करेंगे इस साल जिसमें 25–26 दिन बाकी रहते हैं 31 मार्च तक ज्यादा से ज्यादा अनुदान बांट दें।

श्री मूल चन्द जैनः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय ने बताया है कि 23 लाख की ग्रांट में से केवल अढाई लाख रूपया बांटा गया है। क्या मुख्यमंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि कम ग्रांट बांटने का कारण कहीं यह तो नहीं कि जब भजन लाल सरकार आई तो उसने पिछली सैक्रेटरी को हटाकर बोर्ड का नया सैक्रेटरी लगा दिया और उस नए सैक्रेटरी ने बोर्ड को फंक ान ने होने दिया? क्या कम ग्रांट बंटने का यही कारण तो नहीं है?

श्री अध्यक्षः इस सप्लीमेन्टरी का इस सवाल से कोई सम्बन्ध नहीं है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, उनको हटाने की नौबत नहीं आती यदि वह ठीक तरह से काम करते तो।

श्री भले रामः क्या मुख्यमंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या उस सैक्रेटरी ने पैसे का मिसयूटिलाइजे ान किया

था और अगर मिसयूटिलाइजे ान नहीं किया था तो उसको क्यों हटाया गया था?

(इस प्र न का उत्तर नहीं दिया गया)

चौधरी पीर चन्दः अध्यक्ष महोदय, ऐसा होता है कि लोन लेने वाले होते हैं अगर चेयरमैन या दफ्तर वालों की उनसे कोई बात नहीं बनती तो लोन नहीं बंटता। क्या मुख्यमंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या इस तरह की कोई बात उनके नोटिस में है?

(इस प्र न का उत्तर नहीं दिया गया)

श्री हीरा नन्द आर्यः क्या मुख्यमंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि बोर्ड की रकम न बांटने का कारण कहीं यह तो नहीं कि जिस प्रकार डिफेक ान कराने के लिए कोई दबाव डाला जाता है उसी प्रकार चेयरमैन पर भी दबाव डाला गया हो कि यह रूपया न बांटा जाये और अब रूपया न बांटने पर उनको बदनाम किया जा रहा हो? (व्यवधान)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, डिफेक ान का अगर कोई हरियाणा में जन्म दाता कहा जाए तो वह श्री आर्य को कहा जा सकता है जिन्होंने एक दिन में छह बार डिफेक्ट किया (व्यवधान)।

श्री हीरा नन्द आर्यः आप तो डिफेक ान के होलसेल डीलर है।

Mr. Speaker: I would request the hon. Members not to cast aspersions on any indivisual (Interruptions).

एक आवाजः स्पीकर साहब, सब को पता होना चाहिए कि पहले यहां पर क्या होता रहा है (व्यवधान)।

श्री अध्यक्षः क्योंकि हाउस में ज्यादातर मैम्बर साहेबान नए हैं इसलिए इसके बारें में क्लानी चलानी पडेगी कि पहले क्या होता रहा है (व्यवधान)।

डा0 मंगल जैनः स्पीकर साहब, आपकी रूलिंग के बाद तो किसी को नहीं बोलना चाहिए और खासतौर पर जो होलसेल का काम करने वाले हैं चाहे वे घी के होलसेल का काम करते हैं... .....(व्यवधान)। आपकी व्यवस्था के ऊपर तो किसी को भी नहीं बोलना चाहिए। आपके हुक्म की हरेक को पालना करनी चाहिए (व्यवधान)।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इन्होंने होलसेल की बात ठीक कही है लेकिन हमने रेल में दवाई नहीं बेची (व्यवधान)।

डा0 मंगल जैनः हाजी मस्तान हम भी कभी नहीं रहे (व्यवधान)।

Mr. Speaker: Order please. देखिये, मैं फिर मैम्बर साहेबान से रिक्वैस्ट करूंगा कि किसी के ऊपर एसप र्सन कास्ट न करें इससे हाउस की भाोभा नहीं बढती है। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 मंगल जैनः स्पीकर साहब, आपने बजा फरमाया है इसलिये चुन्नी बेचने का जिक्र भी यहां परप नहीं करना चाहिये। (ाोर एवं हंसी)

श्री सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इस किस्म की बातें हाउस के अन्दर नहीं होनी चाहिए क्योंकि इनमें अभी और भी डिफेक ान करने वाले बैठे हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 मंगल जैनः स्पीकर साहब, बहुत जल्द ही मेरे दोस्त और इनका बापू इधर आने वाले हैं। (हंसी एवं भाोर)

Mr. Speaker: After this pleasant incident, let us get to the business.

Dr. Mangal Sein: We are happily ready for it.

Mr. Speaker: Chaudhri Rajinder Singh may please put his supplementary.

चौधरी राजेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं चीफ मिनिस्टर महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जो लाखों रूपया डिपार्टमैंट यूज नहीं कर पाया। इस के बारे में कोई जाचं करवाने का सरकार का विचार है और जो लोग इसके लिये दोशी पाए जाएंगे तथा उनको सजा दिलवाने की कृपा करेंगे?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, हम सभी बातों की अच्छी प्रकार से इंक्वायरी करवाएंगे। अगर किसी का कोई फाल्ट हुआ या किसी ने जानबूझ कर इस काम में कोताही दिखाई होगी तो उस आफिसर और कर्मचारी के खिलाफ एक ान लेने की पूरी कोि ा ा करेंगे।

Loans/Subsidies by S.F.D.A./M.F.A.L.

***1422. Shri Shamsher Singh:** Will the Agriculture Minister be pleased to state-

a. the details of the schemes for grant of loans and subsidies initiated by the S.F.D.A./M.F.A.L. in district Jind; and

b. the total amount advanced as loans/subsidies under the above said schemes in Narwana constituency of district Jind during the years 1977-78, 1978-79 and 1979-80?

कृशि मंत्री (सरदार तारा सिंह):

ए. वि ोश निकाय किसानों को अनुमोदित परियाजेनाओं के लिए अनुदान प्रदान करती है।

सीमान्त किसानों तथा भूमिहीन कृशि श्रमिकों को दिये जाने वाले अनुदान दर 33½ प्रति ात जबकि लघु किसानों को दिये जाने वाले अनुदान की दर 25 प्रति ात है। ऋण सहकारिता/व्यापारिक बैंको द्वारा दिया जाता है। जिला जीन्द में

एस.एफ.डी.ए./मफाल द्वारा परियोजनाओं को कार्यान्वित करने हेतु ऋण/अनुदान का ब्यौरा संलग्न सूची में सदन के पटल पर रखा जाता है।

बी. प्र न के इस भाग में पूछी गई सूचना चुनाव–क्षेत्रवार तत्पर उपलब्ध नहीं है क्योंकि ऐसे आंकडे चुनाव क्षेत्रवार एकत्रित नहीं किये जाते।

सूची

एस.एफ.डी.ए. मफाल द्वारा जीन्द जिले में चालू की गई ऋण/अनुदान की स्मीकों का

ब्यौरा

कृशि क्षेत्र

1. उन्नत कृशि यन्त्रों का विवरण

इस स्कीम के अधीन डिस्क हैरो, स्पे पम्प तथा 3, 5. 60, 7.50 क्विन्टल एवं एक टन की क्षमता वाले मैटालिक विन्ज उपलब्ध किये जाते है। यह यन्त्र कृशि विभाग द्वारा तैयार की गई, मास्टर प्लान के अनुसार अनुमोदित फर्मज या कृशि उद्योग निगम द्वारा उपलब्ध कराये जाते है।

2. प्रद ान प्लाटों की परियोजना

इस परियोजना के अधीन लघु/सीमान्त किसानो के ½ एकड क्षेत्र में प्रद र्ान प्लाट लगाये जाते है जिनके लिये भात प्रति ात के आधार पर 200 रूपये प्रति प्लाट की दर से खाद इत्यादि दी जाती है

3. झौटा बुग्गी/ऊंट गाडी/बैलगाडी स्कीम

लघु तथा सीमान्त किसानों और भूमिहीन कृशि श्रमिकों को झौटा बुग्गी/ऊंट गाडी/बैलगाडी निर्धारित अनुदान की दरों पर उपलब्ध करवाई जाती है। इन गाडियों का मूल्य 2000 रूपये से 4000 रूपये प्रति गाडी होता है।

4. नलकूप/झल्लार

निकाल जिला के मीठे पानी के क्षेत्र में नलकूप लगाने के लिए अनुदान की रा ि ा प्रदान करती है। कम गहरे नलकूप लगाने की लागत 8 से 10 हजार रूपये के मध्य है। ऋण 5 एकड तक की भूमि वाले लघु किसानों को पी.एल.एम. बैंकों द्वारा प्रदान किया जाता है। भूमि सीमा एक्ट के अन्तर्गत प्रथम श्रेणी की सिंचाई योग्य भूमिस की सीमा 2.5 एकड निर्धारित है।

निकाल झल्लारों के लिये भी ऋण दिलाती है। झल्लार की कीमत 1500 रूपये से 2000 रूपये तक है। ऋण की रा ि ा पी.एल.एम. बैंक के माध्यम से दी जाती है तथा अनुदान की रा ि ा स्वयं निकाय सहन करती है।

प ाुपालन

1. दुधारू प ाुओं का वितरण

निकाय दुधारू प ाुओं की खरीद पर भी अनुदान देती है। इन प ाुओं की खरीद, कय–समिति जिसमें एक सहायक प ाुपालन चिकित्सक, वित्तीय संस्था का एक प्रतिनिधि तथा एक निकाय का प्रतिनिधि सम्मलित है के द्वारा की जाती है।

2. सुअर पालन

प्रत्येक इच्छुक किसान को 3 गर्भित सुअरियों का यूनिट जिसकी पूर्ण लागत 4200 रूपये है पर अनुदान दिया जाता है।

3. बछडी पालन

किसानों को बछडी पालन के लिये उत्साहित किया जाता है। इस तात्पर्य के लिये 2500 रूपये का ऋण प्रति बछडी की दर से अनुदान पर उपलब्ध किया जाता है। खरीद कय समिति द्वारा की जाती है।

श्री भाम ोर सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपकी मारफत मिनिस्टर साहब से जानना चाहता हूं कि इस चालू वर्श में पूरे जिला जींद के लिये लोन और सबसिडी की कितनी रा ि ा दी गई है?

सरदारा तारा सिंहः स्पीकर साहब, वैसे तो यह सवाल सैपरेट है। आनरेबल मैम्बर मेरे पास त ारीफ ले आएं, मैं इनको ढूंढ कर यह सूचना दे दूंगा।

श्री अध्यक्षः आप मिनिस्टर साहब से मिल कर अपने सवाल के बारे में पूछ लीजियेगा।

श्री गुलजार सिंहः स्पीकर साहब, अभी मिनिस्टर महोदय ने बताया कि किसानों को 25 परसैन्ट और 33 परसेन्ट सबसिडी दी गई है और यह रा ि ा किसानों को बैंको की मारफत दी जाती है लेकिन बैंक वाले किसानों को बहुत परे ाान करते है। क्या मिनिस्टर महोदय के नोटिस में ऐसी बात है अगर है तो क्या ऐसे लोगों के खिलाफ सरकार कोई कडा कदम उठाने का विचार रखती है जो किसानों को परे ाान करते हैं?

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, ऐसा कोई केस अगर सरकार के नोटिस में लाया जाएगा तो ऐसे लोगों के खिलाफ जरूर एक ान लिया जाएगा।

श्री अध्यक्षः ऐसी बातें काफी सामने आ रही है।

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपको व आपके द्वारा हाउस को यह यकीन दिलाना चाहता हूं कि अगर कोई ऐसा केस हमारे सामने आयेगा तो दोशी लोगों के खिलाफ सवीयर एक ान लिया जाएगा।

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब, अभी मिनिस्टर साहब कर रहे थे कि अगर उनके नोटिस में कोई ऐसी बात होगी तो उनके खिलाफ सवीयर एक ान लिया जाएगा। मैं झज्जर की ही एक मिसाल देता हूं। वहां पर किसानों को डीजल इंजन खरीदने के लिये रूपया दिया गया (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभी अभी इसी बारे में मिनिस्टर साहब ने अ योरैंस दिया है कि कोई स्पेसिफिक इन्टांस बताएं तो उनके खिलाफ सवीयर एक ान लिया जाएगा। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब, मैं आपको बताने लग रहा हूं। वहां पर यह हो रहा है कि रसीद तो ज्यादा की लेते है कागजी कार्यवाही हर प्रकार से पूरी कर लेते है लेकिन पैसा किसानों को मिलता ही नहीं है। इंजन खरीदने के लिये दुकानें मुकर्रर कर रखी हैं और वे कहते है कि फलां दुकान से ही इंजन खरीदो। इस तरह के गलत काम हो रहे हैं जिस से किसानों को कई प्रकार की दिक्कतें हो रही है क्या इस प्रकार की धांधली रोकने के लिये सरकार कोई कदम उठाने जा रही है ताकि आगे से किसानों के साथ किसी किस्म की हेरा फेरी न हो?

सहकारिता तथा योजना मंत्री (ठाकुर बीर सिंह): स्पीकर साहब, इस बारे में मैं जरा पोजी ान कलीयर कर देता हूं जैसे जैसे हमारे नोटिस में बातें आती रही .....

चौधरी मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, मैं भी सवाल कर देता हूं कि यह इक्ट्ठा जवाब दे दें तो बेहतर रहेगा।

श्री अध्यक्षः ठीक है।

चौधरी मूल चन्द जैनः अध्यक्ष महोदय, डेढ साल पहले सभी स्टेटों के कॉआपरेटिव आफिसर्ज के साथ, जिसमें भारत सरकार के आदमी भी भाामिल थे एक मीटिंग हुई थी। उस मीटिंग में यह कहा गया था कि इस स्टेट के बस की बात नहीं है। रिजर्व बैंक की तरफ से यह हिदायतें थीं कि किसानों को कै ा नहीं दिया जाएगा बल्कि उनको खास दुकानदारों के नाम चैक्स के द्वारा रा ि ा दी जाएगी और फिर हमारी सरकार की तरफ से, जिसमें चौधरी भजन लाल जी सहकारिता मंत्री थे, रिजर्व बैंक वालों को लिखा गया जिसमें किसानों की सहूलियतों के बारे में कुछ आव यक पग उठाने के लिये कहा गया था। मैं यह पूछना चाहता हूं कि आया रिजर्व बैंक की तरफ से सरकार को कोई जवाब मिला? क्या सरकार की सभी बातों को रिजर्व बैंक ने मान लिया है या नही?

ठाकुर बीर सिंहः स्पीकर साहब, आपने अभी बताया है कि बहुत ज्यादती हो रही है, ऐसे केसिज हमारे नोटिस में आए है। इतना ही नही, लोगों को पुराने इंजन रोगन करवा करके भी दिये गये, इस तरह की काफी इंस्टासिज हमारे नोटिस में आए हैं। हमने आफिसर्ज की मीटिंग इस मसले को हल करने के लिए

बुलाई थी और उस मींटिग में यह फैसला किया गया कि एग्रो इंडस्ट्रीज वाले की अपने लैवल पर मैनुफेकचर्रर से सीधे ही इंजन या मोटर्ज बगैरह लेकर कंज्यूमर्ज को ठीक प्राइसिज पर देंगे। इस प्रकार से हर बात का ध्यान रखा जाएगा कि किसानों को हर चीज जैनुअल मिले। इसके साथ साथ हमने अपनी ब्रांचिज को भी हिदायतें दी है कि किसी को भी इस बात के लिये मजबूर न किया जाए कि आप फलां फलां दुकानों से इंजन खरीदें। इसी सिलसिले में अभी अभी हमने रोहतक में एक मैनेजर के खिलाफ एक ान भी लिया है और उसको सस्पेन्ड भी कर दिया है क्योंकि उसने कुछ लोगों को मजबूर किया था कि आप फलां दुकान से इंजन खरीदो। जो माल किसानों को दिलवाया गया उन इंजनों को हमने चैक करवाया, उनके मार्के नहीं थे और इसी सिलसिले में हम सवीयर एक ान लैने जा रहे हैं। मैं हाउस को यकीन दिलाना चाहता हूं और इस बारे में हम पहले ही निर्णय ले चुके है कि हम किसानों को उनकी इच्छाओं के मुताबिक और स्टैनडर्ड की चीजें मुहैया करेंगे।

Mr. Speaker: I would like to congratulate the Hon'ble Minister for a detailed reply. पर मैं समझता हूं कि जमीदारों को जो फायदा सरकार से होना था वह नहीं हो रहा हैं। किसानों के साथ सचमुच में बडी लूट पाट हो रही है। मुझे उम्मीद है कि मंत्री महोदय अव य ही किसानों की इन दिक्कतों को दूर करवायेंगे।

ठाकुर बीर सिंहः स्पीकर साहब, इस बारे में मैं पहले ही कह चुका हूं कि हम किसानों को उनकी इच्छाओं के मुताबिक और स्टैन्डर्ड की चीजें सही दामों पर मुहैया करवाएंगे। स्पीकर साहब, मैं यहां हाउस में एक बात और भी कहना चाहता हूं। हमने पिछले महीने इसी सिलसिले में हैफेड वालों को और एग्रो इंडस्ट्रीज वालों को भी बुलाया था और यह हिदायतें दी थीं कि किसानों की हर जरूरत को समय पर पूरा किया जाए। अगर वे किसानों की जरूरतों को समय पर पूरा नहीं कर पाएंगे तो हम किसानों की हर जरूरत को पूरा करने की कोि ा ा करेंगे ताकि किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई न होने पाएं।

Mr. Speaker: Hon. Members, Question Hour is ove.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Water Supply Schemes in Tohana Constituency

***1424. Chaudhri Karam Singh:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

a. whether it is a fact that four water supply schemes, namely Samain, Gujuwala, Nagla and Dangra were sanctioned in Tohana constituency;

b. if so, the reasons for not implementing these schemes so far; and

c. the time by which these are likely to be implemented?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी):

क. जी, हां।

ख. योजनाएं कार्यान्वित के विभिन्न स्तरों पर हैं।

ग. इस बारे में कोई निश्चित तिथि नहीं दी जा सकती क्योंकि यह धनराशि की उपलब्धों पर निर्भर होगा।

Places visited By. C.M. and Ministers

***1411. Chaudhri Har Swarup Bura:** Will the Chief Minister be pleased to state-

a. total number of places visited by the Chief Minister, each Minister, Deputy Minister in the State during the period from 31st July, 1979, to date; and

b. the amount of T.A. and D.A. drawn by each Minister and the Chief Minister, separately during the period as referred to in part(a) above?

Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal):

a. The time and labour involved in collecting the information to answer this question will not be commensurate with any possible benefit to be derived therefrom.

b. A statement (Annexure 'A') containing the requisite information is laid on the Table of the House.

ANNEXURE 'A'

Statement showing the total expenditure incurred so far on TA/DA in respect of Chief Minister/Ministers and Deputy Ministers for the period from 31.07.79 to 31.01.80.

Sr. No.	**Name**	**Designation**	**TA/DA (in rupees)**
1	2	3	4
	Sarvshi-	C.M.	8826.00
1.	Bhajan Lal	F.M.	4047.25
2.	Balwant Rai Tayal	I.P.M.	4146.90
3.	Mehar Singh		
4.	Gajraj Nagar	F.S.M.	5536.00
5.	Jagan Nath	T.M.	3519.00
6.	Tara Singh	A.M.	3825.00
7.	Khurshid Ahmed	L.G.M.	3714.75
8.	Bir Singh	C.P.M.	3468.00
9.	Sher Singh	R.M.	2244.00
10.	Ram Pal Singh	P.W.M.	2448.00
11.	Shiv Ram	J.D.M.	3111.00

12.	Ram Narain	D.M.	3766.50
13.	Lal Singh	D.L.M.	2318.75
14.	Sardar Khan	D.H.M.	3060.00
15.	Devinder Sharma	D.I.P.M.	3668.00
16.	Prem Singh	D.A.M.	3060.00
17.	Mangal Sein	Ex. I.M.	5018.00
18.	Rizaq Ram	Ex. I.P.M.	2550.00
19.	Smt. Kamla Devi	Ex. H.M.	3862.75
20.	Agnivesh	Ex. E.M.	
21.	Jai Narain	Ex. D.L.G.M.	2448.00

Digging of Rangoi Drain

***1420. Chaudhri Peer Chand:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the time be which the digging work on Rangoi drain in district Hisar is likely to be started and completed?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी): खुदाई कार्य जल्द की भुरू किया जायेगा। मार्गद र्ी खण्ड 30.6. 80 तक पूर्ण किया जायेगा। जबकि सारा खण्ड 30.6.81 से पहले पूरा हो जाने की सम्भावना है।

Food for Work

***1423. Shri Shamsher Singh:** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state-

a. the total quanity of wheat distributed under the schemes "Food for Work" from the date of its inception upto 31st January, 1980 in the Narwana constituency of district Jind; and

b. the details of the works executed under the schemes "Food for Work" during the period referred to the part(a) above?

विकास मंत्री (राव राम नारायण):

क. 572, 16 मीट्रिक टन

ख. 1. 37 कार्य तालाबों की खुदाई–मत्स्य पालन तथा प ुओं के पानी पीने हेतू।

2. 21 कार्य गलियों में मिट्टी डालने के–कुल लम्बाई 16–3/4 किलोमीटर

3. 9 कार्य लिन्क रोड बनाने के–लम्बाई 7–1/2 किलोमीटर

4. 4 कार्य हरिजन चौपालों में मिटटी भरने

Opening of workshops in each Panchayat/Block Samiti

***1425. Chaudhri Karan Singh:** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state-

a. whether the Government opened workshops in/under each Panchayat/Block Samiti;

b. whether it is also a fact that these workshops were closed later on; and

c. whether th machinery purchased for the workshops is still lying idle; if so, whether the Government intends to sell these machineries to avoid the loss of lakhs of rupees?

विकास मंत्री (राव राम नारायण):

क. पंजाब राज्य के पुनर्गठन के समय कामन फैसीलिटी वर्क ाप केवल 24 ब्लाकों में खोली गई थी न कि सभी 87 खण्डों में।

ख. वर्श 1976 में ऊपर 'क' में से 21 वर्क ापें हरियाणा कृशि उद्योग निगम की स्थानान्तरित कर दी गई थी। बाकी 3 विकास विभाग में चल रही है।

ग. म ीनरी व पुर्जे हरियाणा कृशि उद्योग निगम को स्थानान्तरित कर दियें गये थे। अतः उनको बेचने का प्र न पैदा नही होता।

Criminal and Civil cases

***1436. Shri Hira Nand Arya:** Will the Minister for Transport be pleased to state the total number of civil and criminal cases pending in the High Court and Lower Courts at present?

Transport Minister (Shri Jagan Nath):

A statement containing the requisite information is laid on the table of the House.

STATEMENT

Pendency of cases as on 31-12-1979

	Civil	Criminal
High Court	30569 (Haryana cases are only 10081)	3546 (Haryana cases are only 866)
District/Additional District & Sessions Judges	16455 (in terms of units)	2595½ (in terms of units)
Subordings Judges-cum- Judical Magistrates	39333	38554

Quantum of work done under the Scheme "Food for Work" in District Karnal

***1433. Master Jogi Ram:** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state-

a. the quantum of work done so far by the Gram Panchayat Karhans, block Smalkha, district Karnal under the "Food for Work" Scheme;

b. the quantum of work done in Harijan Basties and the value of the wheat given in lieu thereof;

c. whether the said amount is according to the ratio fixed by the Government; and

d. whether it is also a fact that the aforesaid Gram Panchayat got the work done through the labourers belonging to the weaker sections of the village?

विकास मंत्री (राव राम नारायण):

क. गलियों में मिटटी डलवाई गई है जिस की लम्बाई 1350 मीटर है।

ख. 1. गलियों में मिटटी डलवाई गई जिस की लम्बाई 225 मीटर है।

2. 4800/– रूपये मूल्य की।

ग. इस योजना के अधीन सरकार द्वारा हरिजन बस्तियों में कार्य करवाने के लिए कोई अनुपात नियम नहीं किया गया है।

घ. प्रस्तावित कार्य 115 व्यक्तियों द्वारा करवाया जाता है जिस में से 24 व्यक्ति पिछडे वर्ग, 5 अनुसूचित जातियों व 86 दूसरी जातियों से सम्बन्धित है।

Addition of Buses in the Haryana Roadways

***1449. Chaudhri Jagjit Singh Pohloo:** Will the Minister for Transport be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to add more buses in the existing fleet of buses of Haryana Roadways

during the year 1980-81, if so, the district wise number thereof?

Transport Minister (Shri Jagan Nath):

Yes, the department has planned to add 200 new buses in the fleet of Haryana Roadways for expansion of bus service during the year 1980-81. The depot-wise buses likely to be added are as under_

Depot	No. of new buses to be added during 1980-81
Ambala	15
Chandigarh	20
Karnal	20
Jind	15
Karnal	15
Sonepat	10
Y.Nagar	15
Gurgaon	20
Rohtak	15
Hissar	15
Rewari	15
Bhiwani	15

Sirsa	10
Total	**200**

Wheat brought to Mandies

***1427. Chaudhri Birender Singh:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

a. the total quanity of wheat brought to the Mandies in the State during the years 1978-79 and 1979-80 to date; and

b. whether the Government has approached the Central Government to give remunerative price of wheat crop to the farmers for the year 1979-80; if so, the rate so recommended?

कृशि मंत्री (सरदार तारा सिंह):

क.

1	1978—79	10.02 लाख टन
2	1979—80	14.61 लाख टन
	(31—12—79 तक)	14.61 लाख टन

ख. जी हां। रूपये 145/—प्रति क्विंटल वर्श 1979—80 के लिए।

Regularisation of ad-hoc employees in the State

***1438. Shri Mool Chand Jain:** Will the Chief Minister be pleased to state-

a. whether all the ad-hoc employees in the State have been regularized; if not, the reasons therefore;

b. if reply to part(a) be in the negative the time by which the left-over ad-hoc employees are likely to be regularized; and

c. whether any representation from the employees not so far regularized has been received; if so, a copy thereof be laid on the Table of the House together with the action taken thereon?

Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal):

a. No, Sir. It has been decided that the services of only those ad-hoc Class-III employees (other than the teachers working in the Education Department) are to be regularized who were recruited through the Employment Exchanges and have completed a minium of two years service on the 31st December, 1979; who possessed the prescribed qualifications for the post at the time of ad-hoc appointment and whose work and conduct has been of an overall good category.

The services of all those, ad-hoc maters/mistresses and teachers, who have completed two years service between the period from the 1st April 1973 to the 31st December, 1979 without or with break not exceeding six weeks in a year, are also to be regularized.

b. In view of (a) above, the services of the remaining ad-hoc employees are not to be regularized.

c. Some representations have been received seeking regularization of some or all the remaining ad-hoc employees, which it is not possible to accept in the light of the principles laid down for regularization. It is not in the public interest to disclose the contents of the representations.

Procedure for distribution of essential commodities in the State

***1444. Chaudhri Ram Lal Wadhwa:** Will the Minister for Food and Supplies be pleased to state-

a. the system/procedure adopted for the distribution of Sugar, Coal, Cement, Cloth, Kerosene Oil and Diesel in the State together with the quanity of each commodity fixed for supply per head per month during the years 1977-78, 1978-79 and 1979-80 (to-date) separately; and

b. the total demand for each above said commodity and supply thereof in the State during the period referred to in part(a) above, separately?

ANNEXURE 'A'

SUGAR

a. Monthly allocation of levy sugar quota is made by the Central Government each month to the State on various Sugar Mills and the same is lifted therefrom by the Haryana State Co-operative Supply and Marketing Federation (Hafed) who are functioning as wholesale distributors for levy sugar. This sugar is issued by Hafed to fair price shops on the authority of the District Foof and Supplies Controllers concerned. The distribution of the levy sugar is made to

consumers on the production of distribution cards issued to them at the scale fixed by Government from time to time on the basis of allocation made by the Central Government. The quantity of sugar supplied per head month during the years 1977-78, 1978-79 and 1979-80 is as under:-

1977-78	1978-79	1979-80
4/77 to 9/77=325 gms. 10/77 =350 gms. 11/77 =360 gms. 12/77 to 3/78 =400 gms	4/78 to 8/78=400 gms. (from 16.08.78 control on sugar lifted)	(levy sugar distribution introduced w.e.f. 17.12.79) 400 gms.

b. In view of dual pricing policy of sugar enforced in the Country by the Government of India, the consumers have to meet their additional requirement of sugar from the open market.

Total allotment of sugar for the State during the period	1977-78	1978-79	1979-80	(from 17.12.79 to 29.02.80)
		TONNES		
	52325.6	24708.9 (4/78 to 8/78) control lifted from 9/78	11645.9	

COAL

a. The Minister of Railway, Government of India have enforced since prior to the formation of Haryana a system of supplies of wagons to various parties for movement of coal against the recommendations of the State Government. For this purpose, monthly quota of different kinds of coal is fixed by them for each state. Our quota for slack coal (brick buring coal) was 50 rakes per month which has been reduced to 43 rakes with effect from 1st January 1979 (rake normally comprises of 87 four wheeler wagons or 35 boxes and carries a quantity of 2000 tonnes). The soft coke quota for our State is 1000 wagons per month.

With a view to securing equitable distribution and adequate availability of coal, the State Government introduced the Haryana Coal Control Order, 1977 which provides the licensing of dealers carrying on the business of import, sale and purchase of coal. After the issue of this order only such persons who have obtained licenses thereunder can deal in coal.

The receipt of coal or coke in the State started decling from the later part of the year 1977 and since then it has contained to dwindle as would be seen from the table given below:-

Figures in wagons

	Slack Coal			Soft Coal		
	1977	1978	1979	1977	1978	1979

January	1660	978	145	343	102	16
February	2957	701	140	615	210	15
March	2960	988		742	152	
April	3035	815		222	23	
May	2839	800	75	392	75	26
June	723			93	23	26
July	1223	251		32	53	315
August	1757	489		286	2	127
September	2145	375		389	75	155
October	2004	476		227		
November	1647	352		147	85	21
December	1216	390		254	76	85
Total	24166	6615	360	3742	876	846

Efforts at higher level continue to be made for increased import of coal and its consequent availability in the state.

There is no quantum of issue fixed for distribution of soft coke to consumers in view of erratic receipt of coal. The available supplies and distributed to consumers against ratio crds at rates fixed by the District Magistrates through licensed coal depot holders.

To increase availability of slack coal and soft coke in the state, the Government have authorized the District Food and Suppliers Controllers to recommend names of licensed dealers to the Coal India Ltd. for movement of coal by road also against allocations received from Coal India each month. This has helped in increasing availability of coal to some extent though this operation is quite expensive.

b.

Slack Coal	=41 rakes per month (each rake of 87 four wheeler wagons or 2000 tonnes).
Soft Coke	=1000 wagons per month (each wagon of 23 tonnes).

CEMENT

a. The Government of India makes quarterly allocation fo cemtn to Haryana State. This allocation is further distributed amongst State Government department/government organizations, industries, institutions and for sale to the public. The quota allocated for sale to the public under sale category to each district is distributed amongst the general public against permits issued under the directions of the concerned District Magistrates by his nominees viz Sub-Divisional Office (Civil) District Food and Supplies Controller, Block Development and Panchayat Officer, District Industries Officer or Estate Officer as the case may be.

Cement is not issued to the consumers on per head per month basis but it is issued to such consumers who require it for construction purposes.

b. It is not possible to estimate the total demand of cement in the State. However, the Food and Supplies Department has been requesting the Govt. of India to increase the allocation to 2 lac tones per quarter. Total allocations made by the Govt. of India during each year and the quantity of cement received there against are as under-

(all figures in tones)

Sr. No.	Name of the year	Total quantity allocated by the Govt. of India	Quantity of cement received
1.	1977-78	658850	556796
2.	1978-79	712000	618981
3.	1979-80	631085	383537 (upto December, 1979

CLOTH

A monthly quota of 405 bales (each bale containg 1500 Sq. meters) has been allocated by the Government of India to Haryana State. This quota is being lifted by our State Wholesale nominees i.e. the Haryana State Federation of Consumers Coop. Wholesale Store, Chandigarh (Confed)

through their National Level body i.e. the N.C.C.F. (National Cooperative Consumers Federation) from the textile mills against release orders issued by the Taxtile Commissioner of India. The Confed further supply the cloth to retail depots through 18 wholesale points situated at different places in the State. Presently 2753 retial depots (830 urban and 1923 rural) are functioning in the state. The retail depots distribute the controlled cloth on the basis of distribution cards meant for foodgrains etc. Every car holder is allowed to purchase upto 10 meters per card per quarter without any distinction of income etc.

b. While it is difficult to assess the demand for controlled cloth the State Govt. have bene stressing upon the Govt. of India to allocate about 2000 bales of controlled cloth per month. However, due to limited production of controlled cloth it has not been possible for the Govt. of India to increase the quota of this state. The actual supplies received during the following years are given below:-

1977-78	1978-79	1979-80
4560 bales	6218 bales	3025 bales

KEROSENE OIL

K. Oil is allocated by the Govt. of India adhoc basis every month and no specific quota has been fixed. 173 wholesale authorized licensed dealers are functioning in the State and they draw their supplies from the depots of the oil companies at Ambala and Hisar.Kerosene Oil is being made available to consumers through 1962 retail sub-dealers. While unrestricted supplies were made to the consumbers till the

middle of April 1979 it has been restricted to 5 litres per card per week subsequent to this date. In addition to the retail outlets mentioned above all the fair price shops for distribution of foodgrains etc. are allowed to sell kerosene oil without obtaining a separate license under the Haryana Kerosene Dealers Licensing Order, 1976.

b. The demand for K.Oil has considerably increased due to shortage of soft coke. It varies with seasion and the availability of soft coke. The state Government has been requesting the Govt. of India to allocate about 10,000 K.Liters of K.Oil per month. The actual supplies received during the last three years are as under-

1977-78	73661 K.L.
1977-78	79301 K.L.
1977-78	76122 K.L.

a. Since the supply of H.S.D. was inadequate to meet the increased demand in the State, regulatorymeasures were introduced in Haryana from April 1979 to ensure fair distribution to different Sectors. Priority is given to the Agriculture Sector. Cards for the tractors and Pumping Sets etc. have been prepared in each village and the village as a unit has been attached to the nearest diesel pump for supplies of H.S.D. The trucks are issued permits for the completion of Government works both for running the machinery/implements as also for the Govt. vehicles. The distribution of H.S.D. at the Diesel Outlets is done under the direct supervision of the offcials of the Food and Supplies

Department under the overall control of the District Magistrates.

b. The demand of diesel of various sectors cannot be assessed as it fluctuates from time to time. However, the supplies made during the last two years are given below:-

(Figures in kiloliters)

1978-79	274528
1979-80	284483

The figure of receipt during the 1977-78 are not available.

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Pay scales of D.S.P.

318. Chaudhri Har Swarup Bara: Will the Minister be pleased to state whether the Government has revised the grades of D.S.Ps; if the answer is in the affirmative the date since when these have been revised and; if not, the reasons thereof?

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): नहीं। मामला सरकार के विचाराधीन है।

Creation of new Sub-Divisions, Tehsils and Sub-Tehsils

319. Chaudhri Har Swarup Bara: Will the Minister for Revenue be pleased to state-

a. the district wise names of the Sub-Divisions, Tehsils and Sub-Tehsils created during the year 1979-80 to-date togather with the reasons therefore and whether all these have actually been formed;

b.the particulars of Sub-Divisions, Tehsils and Sub-Tehsils not so far formed together with the reasons thereof; and

c. the criterion adopted for the creation of new Sub-Divisions, Tehsils and Sub-Tehsils as referred to in part(a) above?

राजस्व मंत्री (चौधरी भोर सिंह):

ए. वर्श 1979–80 में जिलावार नवनिर्मित उपमण्डलों, तहसीलों व उप–तहसीलों बारे ब्यौरा निम्न प्रकार है।

नाम जिला	नवनिर्मित उपमण्डल	नवनिर्मित तहसील	नवनिर्मित सब–तहसील
कुरूक्षेत्र	गुहला	पिहोवा	रादौर
जीन्द	सफीदो		
रोहतक		1. महम 2. कौसली	

करनाल		असन्ध	1. इन्द्री 2. नीलोखेडी
अम्बाला			रायपुररानी
सोनीपत			गन्नौर
गुडगांव			पुनहाना
फरीदाबाद		हथीन	होडल
सिरसा			कांलावाली
हिसार।			1. आदमपुर 2. रतिया

ये प्र ाासकीय यूनिट वास्तव में निर्मित हो चुके हैं।

बी. भून्य

सी. इन यूनिटों को बनाते समय अन्य प ाुओं के अतिरिक्त प्र ाासनिक सुविधा, सांस्कृतिक समानता, सहज पहुंच तथा वाणिज्य सुविधाओं को भी विचार में रखा गया था।

Closure of Sub-Minors of Sunder Branch

320. Shri Tek Ram: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

a. whether it is a fact that the Sunder Branch and its sub-minors if so, the reasons therefore?

b. whether it is in the notice of the Government that people have suffered loss due to the closure of Sunder Branch and its sub-minors referred to in part (a) above and if so, the extent thereof; and

c. if reply to part(b) be in the affirmative whether it is under consideration of the Government to compensate the people for the loss referred to above, the extent thereof?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी):

क. सुन्दर सब–ब्रांच और तालु माईनर रोटे ानल प्रोग्राम के अनुसार चलाए जा रहे हैं और बन्द नहीं किए गए। जहां तक सांगा माईनर का सम्बन्ध है यह अपनी पहली बारी के दौरान दिसम्बर, 1979 में और 3 से 9 जनवरी, 1980 तक पानी लेता रहा है। बाद में गांव के जोहडों और तालाबों, दादरी, धिकारा, सांवर ढानी टिकां के पीने के पानी के तालाबों, जो कि दादरी राजबाह पर है को भरने के लिए सांगा माईनर को बन्द किया गया।

ख. सुन्दर सब–ब्रांच और इससे निकलने वाले राजबाह रोटे ान प्रोग्रे। के अनुसार चलते रहे हैं और बन्द नहीं किए गए है। जहां तक सांग माईनर का सम्बन्ध है इसकी स्थिति ऊपर बता दी गई है तथा

ग. सांगा माईनर को इसकी पहली प्राथमिकता में चलाने के लिए पर्याप्त पग उठाए गए है।

Cases of fraud against the Haryana Television Ltd.

323. Dr. Mangal Sein: Will the Chief Minister be pleased to state whether any case of fraud was registered with the police in connection with an alleged fraud committed in the Haryana Television Ltd. if so, the date on which it was registered together with the names of persons involved in the case?

Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal): Yes. A case FIR No. 341 dated 28.09.77 U/S 406/408/409/467/471/477/420 IPC was registered at Police Station, Central Faridabad. In this case accused Sham Sunder Beriwala S/o Sh. Jagan Nath Beriwala R/o 16 Chitranjan Avenue, Calcutta and Ram Gopal Joshi S/o Sh. Mahadev Parshad R/o Fatehpur District Sikar (Rajasthan) now H-7/A Hauz-Khas, Delhi were arrested. Nine Televisions one Car, One Motor Cycle and some ornaments were taken into possession.

322. Shri Mool Chand Jain: Will the Minister be pleased to state-

a. whether an undertrial died in the month of February 1980 in the custody of Sadar Police, Karnal, if so, the name of the undertrial, the offence under which and the date on which he was arrested together with the date of his death;

b. whether relations and friends of the said undertrial met or sent representation to higher authorities that he died of Police torture;

c. whether the post-mortem of his dead body was conducted, if so, the report thereof be laid on the Table of the House; and

d. whether any magisterial or judicial enquiry has been ordered or proposed to be ordered to enquire into the cause of the death, if so, the name of the officer appointed for the purpose and terms of reference thereof?

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल):–

ए. हां, दोशी हरभजन सिंह अरोडा दिनांक 10–2–80 की रात को थाना सदर करनाल की हवालात में मर गया था। उसे दिनांक 8–2–80 को मुकदमा नं0 59 दिनांक 5–2–80 धारा भादस थाना सदर करनाल में बन्दी बनाया गया था। उस को पुलिस हिरासत में रखने का आदे ा न्यायिक न्यायाधी ा द्वारा दिंनाक 9–2–80 को दिया गया था और उस को पुनः दिनांक 11–2–80 को न्यायालय में पे ा किया जाना था। सहकारी चीनी मिल करनाल के जनरल मैनेजर ने उसके विरूद्ध थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया था जिसमें यह आरोप था कि दोशी हरभजन सिंह ने मिल ने गोदाम से 347 बोरी चीनी का गबन किया है। दोशी हरभजन सिंह को तीन अन्य अपराधियों जो अन्य विभिन्न अपराधों में दोशी हैं के साथ पुलिस हवालात में बन्द किया गया था। रात के लगभग 10.15 बजे दोशी हरभजन सिंह हवालात में बने पक्के

पलेटफार्म से जिस पर वह सोया हुआ था गिर गया था। अन्य अपराधी उस समय जाग गये थे उन्होंने भाोर मचाया। इस की सूचना हवालात का सन्तरी तुरन्त मोहर्रिर प्रधान सिपाही को दिया था जिसने हवालात का दरवाजा खोला था। हवालात के पक्के प्लेटफार्म से फ र्ा पर गिरने के कारण दोशी हरभजन सिंह के माथे और नाक पर चोट आई थी। उसको तुरन्त सरकारी जीप में डाल कर सिविल हस्पताल करनाल में ले जाया गया था जहां पर डाक्टर ने उसे मृतक घोशित कर दिया था।

बी. हां, मृतक के सम्बन्धी व दोस्त जिला अधिकारियों से मिले थे और आरोप लगाये थें कि मृतक की मृत्यु पुलिस तसद्दुद के कारण हुई थी और निश्पक्ष पोस्ट मार्टम करने की मांग की थी।

सी. उपायुक्त करनाल ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पोस्ट मार्टम करने के लिए डाक्टरों का एक पैनल नियुक्त करने का आदे ा दिया था। उन्होंने मृतक हरभजन सिंह के सम्बन्धियों को पोस्टमार्टम के समय अपना निजि डाक्टर ले जाने के लिए भी स्वीकृति दी थी। पोस्टमार्टम करते समय सिविल हस्पताल के एक उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी, दो चिकित्सक, एक व्यक्तिगत चिकित्सक श्री एस0के0 चौधरी और मृतक का मामा वहां उपस्थित थे। हवालात के पक्के फ र्ा पर गिरने के कारण मृतक के माथे पर केवल एक चोट के अलावा उसके भारीर पर अन्य कोई चोट नहीं थी। चिकित्सा अधिकारियों की टीम ने राय दी थी कि मृत्यु

की मृत्यु दम घुटने (Asphyxia) से हुई थी लेकिन उन्होंने आंत सम्बन्धी वस्तुएं (Viscera) रासायनिक परीक्षक (Chemical Examiner) मधुबन और मैडिकल कालेज रोहतक को भेज दिया गया था। अन्तिम राय रासायनिक वि ोशज्ञों से रिपोर्ट प्राप्त होने पर दी जाएगी।

डी. उपायुक्त, करनाल न्यायिक जांच करने के लिये आदे ा दिये थे और श्री जगबीर सिंह, एच0सी0एस0 इस की जांच कर रहे है।

Tracers promoted as Draftsmen

326. Shri Lehri Singh Mehra: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

a. the total number of tracers promoted as draftsmen in the Public Health Department during the period from 1st January, 1977 to date together with the criteria adopted therefore; and

b. the total number of draftsmen working in the Public Health Department present together with the number out of them belonging to the Scheduled Castes?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी):

ए. 19. ऐसे अनुरेखकों को जो (प्रारूपकार के पद के लिए) किसी संस्था से सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त डिप्लोमा के

आधार पर योग्य प्रारूपकार है तथा बतौर अनुरेखक तीन वर्श की सेवा रखते हों को प्रारूपकार के पद पर पदोन्नत किया जाता है जब कि ऐसे अनुरेखकों को जो यह योग्यता नहीं रखते परन्तु जिन की सेवा बतौर अनुरेखक 5 वर्श की हो को विभागीय परीक्षा प्राप्त करने के उपरान्त प्रारूपकार के पद पर पदोन्नत किया जाता है।

बी. 81. इन में से 3 प्रारूपकार अनुसूचित जाति के है।

Water Pollution Board

327. Shri Lehri Singh Mehra: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

a. whether the Government is aware of the fact that there are certain industries in the State where different types of chemicals are used and the polluted atmosphere created by these chemicals is harmful for the health of public; and

b. if so, whether it is a fact that considerable loss of life and property has been caused by polluted water and gas coming out of these factories and if the reply be in the affirmative the action, if any, taken or proposed to be taken by the Government in the matter?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी):

क. जी हां।

ख. जी नहीं। भोश प्र न पैदा नहीं होता।

Harijan Kalyan Nigam

328. Shri Lehri Singh Mehra: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state-

a. the amount granted by the Government to the Haryana Harijan Kalyan Nigam being run by the Government during the current financial year;

b. whether this amount is insufficient for the purpose of the welfare of the Harijans for which Harijan Kalyan Nigam has been set up; and

c. whether the Government propose to increase this amount allocated for uplift of the Harijans and to bring it at par with that of the amount allocated to the Punjab Scheduled Castes Land Development and Finance Corporation run by the Punjab Government; if so, the time by which it is likely to be done?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी):

ए. अभी तक राज्य सरकार द्वारा कोई भी रा ि ा रिलीज नहीं की गई। परन्तु चालू वित्त वर्श के दौरान 86.90 लाख रूपये की बजट व्यवस्था की गई है।

बी. नहीं।

सी. नहीं।

Allocation of wax, paper conversion and steel quota

329. Shri Lehri Singh Mehra: Will the Minister for Industries be pleased to state the names of the persons to whom the quota for wax, paper conversion and steel was allotted by the Industries Department since 1st January, 1977 to date and the number of persons out of them belonging to the Scheduled Castes and Backward Classes together with the quantity of the said quota of each item given to each one of them?

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): वांछित सूचना एकत्रित करने में जितना समय और परिश्रम लगेगा उसके मुकाबले में लाभ कम होगा।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

श्री जयनारायण वर्मा द्वारा

Mr. Speaker: Now Shri Jai Narain Verma may please speak for two minutes on personal explanation.

15.00 बजे

श्री जयनारायण वर्मा: स्पीकर साहब, मैं सदन के सामने अपना स्पश्टीकरण देने के लिए खडा हुआ हूं। मुझे यह बात कहते हुए दुख होता है कि सरकार को किसी प्र न का जबाव ठीक ढंग से देना चाहिए, जबाव देते समय किसी व्यक्ति या किसी संस्था के चेयरमैन को बीच में दाखिल नहीं करना चाहिए, यह चीज मेरी

नजर में मुझे ठीक नहीं लगी। मुख्यमंत्री महोदय ने कहा था चेयरमैन को चाहिए था कि पैसा ठीक ढंग से खर्च करते। स्पीकर साहब, मेरे चेयरमैन–काल में बोर्ड को क्या उपलब्धियां हुई है क्या नहीं हुई हैं मैं इस मामले में नहीं जाना चाहता और न ही इस विशय सदन के सामने है। मैं सदन को बताना चाहता हूं कि पिछले वर्श 16 लाख रूपये की रा ि ा हमने खादी कमी ान से खादी बोर्ड को प्राप्त हुई थी। इस रा ि ा में से अधिकां ा रा ि ा हमने उपयोग कर ली थी, थोडा सा पैसा बचता है। इस पैसे के बचने के कारण यह रहा कि सरकार बदल गई। सरकार बदलने का प्रभाव यह हुआ कि जो रूपया कर्मचारियों की मद (एस्टेबलि ामैंट) में मिलता था उसका उपयोग नहीं हो पाया। मुख्यमंत्री महोदय ने इसके बारे में जो कुछ कहा वह पूरी तरह से ठीक नहीं मैं इस कंट्रोवर्सी में नहीं पडना चाहता, केवल मैं इतना ही निवेदन करना चाहता हूं कि खादी बोर्ड को न सिर्फ हरियाणा सरकार से पैसा मिलता है बल्कि भारत सरकार से भी आती है। लेकिन सरकार के बदलने के कारण सारी रा ि ा उपयोग नहीं हो सकी। जैसा कि मुख्यमंत्री महोदय ने कहा कि चेयरमैन को चाहिए था कि अनुदान की रा ि ा का अधिकतम उपयोग करता लेकिन नहीं कर सका। यह सरकार के बदलने के कारण ही हुआ है। स्पीकर साहब, मुझे दुख से कहना पडता है कि जून में पिछली सरकार उलटी, तभी से बोर्ड के काम में दखलान्दाजी भ्ाुरू हुई है। मैं नही चाहता और सदन भी नहीं चाहेगा कि इस प्रकार के बोडर्ज क अध्यक्षों के मामले को लेबर राजनीतिक विशय बनाया

जाए। मुख्यमंत्री की प्रैस स्टेटमैंट का हवाला देते हुए मैं कहना चाहता हूं कि एक परम्परा है कि अपोजि ान के चेयरमैन को अपने पद से हट जाना चाहिए। अगर मुख्यमंत्री महोदय मुझे यह कहते कि आप अपने पद से हट जाओ आप ट्रेजरी बैंचिज में नहीं रहे हो मैं हट जाता। कानूनी तौर पर एक अध्यक्ष तीन साल की अवधि के लिए लगाया जाता है अगर इस अवधि को पूरा नहीं करने देना चाहते थे तो मुख्यमंत्री मुझे कहते मैं अध्यक्ष खादी बोर्ड के पद से स्तीफा दे देता परन्तु यह कहना कि चेयरमैन को चाहिए था कि रा ि ा का अधिकतम उपयोग करते यह ठीक नही। स्पीकर साहब, जून में यह सरकार गिरी। उस वक्त बोर्ड का जो सचिव था वह वापिस ले लिया गया और सितम्बर तक कोई सचिव नहीं दिया। मैं सदन के सामने बताना चाहता हूं कि अनुदानों का जितना भी काम होता है, वह सितम्बर से लेकर मार्च तक यानि इन सात महीनों के अन्दर अन्दर वार्शिक अनुदान का हिसाब किताब किया जाता है। ऐसे समय में सचिव का वापिस लेना ठीक नहीं था।

Mr. Speaker: Verma Sahib, please make your explanation short.

श्री जयनारायण वर्मा: स्पीकर साहब, यह बात स्पश्ट है कि जो पैसा खादी बोर्ड को मिलता है उसको उपयोग करने के लिए खादी बोर्ड के अधिकारी पूरी तरह से सचेश्ट है लेकिन मुख्यमंत्री द्वारा इस मामले को राजनीतिक मामला बनाकर बात

करना ठीक नहीं, ऐसा करने से बोर्ड के कार्य में रूकावट पैदा होती है।

डा0 मंगल सैन: स्पीकर साहब, मेरी सबमि ान है। * *

Mr. Speaker: I do not think, this question is to be raised here. आप मेरे चैम्बर में डिसकस कर लें। I had assured you that all the questions will be dealt with promptly and reply sent to you.

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, डा0 साहब ने**

जो कुछ कहा है यह रिकार्ड पर नहीं आना चाहिए।

Mr. Speaker: This should not be recorded.

डा0 मंगल सैन: मैंने तो इसके बारे में कुछ नहीं कहा। (व्यवधान)। This is unfair (Interruption).

Mr. Speaker: I will not entertain any point regarding the question which has been asked. Please sit down.

स्थानीय भाासन मंत्री (चौधरी खुर ीद अहमद): आन ए प्वाइंट आफ आर्डर। डा0 साहब ने 23 तारीख का जो मामला रैफर किया है, इसके बारे में न कोई काल अटैन्ा ान है और न कोई एडजर्नमैंटमो ान है। कोई मामला बगैर मो ान के अगर यहां पर उठाया जाता है तो वह रिकार्ड नही किया जाना चाहिए। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः यह रिकार्ड नहीं किया गया। (व्यवधान) मैम्बर साहेबान जहां तक जीरो आवर का सवाल है। यह ठीक है जीरो आवर में कोई भी सवाल उठाया जा सकता है। अगर कोई अरजैंट हैपनिंग, इमिजिएट हैपनिंग 24 घंटों में हो गई है तो उसके मैं बगैर नोटिस के एडमिट करने के लिए तैयार हूं लेकिन अगर 10–15 दिन पहले का कोई वाक्या हो और जिसका नोटिस दिया जा सकता था तो वह नोटिस आने के बाद ही एडमिट करूंगा। (व्यवधान)

ध्यानाकर्शण सूचना

डीजल की भारी कमी तथा उसकी त्रुटिपूर्ण एवं अनुचित तकसीम सम्बन्धी

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, चौधरी हरस्वरूप बूरा से राज्यमें डीजल की कमी और उसकी इम्प्रौपर डिस्ट्रिब्यू ान के बारे में काल अटैन ान नोटिस प्राप्त हुआ है। मैं इसको मन्जूर करता हूं। माननीय सदस्य इसको पढ ले।

चौधरी हरस्वरूप बूराः इस महान सदन का ध्यान एक आव यक तथा हाल ही के लोक महत्व के मामले, अर्थात किसानों की मांग की तुलना में डीजल के कोटे की अलाटमैंट की भारी कमी तथा उसकी तकसीम के त्रुटिपूर्ण, खराब तथा अनुचित सिस्टम की ओर दिलाना चाहते है।

यह कमी बहुत हद तक निहित हितों वाले लोगों, अर्थात संग्रहकर्ताओं, लाभ उठाने वालों, चोर बाजारी करने वालों द्वारा पैदा की जा रही है। यह एक प्रकार में बनावटी कमी है।

हम रोजना पैट्रोल पम्पों पर ट्रैक्टरों तथा टीन उठाने वालों की लम्बी लाईने लगी देखते है। यह ग्रामीण तथा भाहरी क्षेत्रों के लिए एक समान कोटा नियत न करने के त्रुटिपूर्ण सिस्टम के कारण है। राज्य सरकार को एक समान कोटा नियत करना चाहिए अर्थात 50 प्रति ात डीजल वास्तव में उसे किसानों के लिए रखना चाहिए तथा उपलब्ध कराना चाहिए क्योंकि आने वाले डेढ या दो महीने रबी फसल के उत्पादन तथा कटाई के लिए नाजुक है।

डीजल अत्यधिक दरों पर बलैक मार्किट में बहुत मात्रा में उपलब्ध है। राज्य सरकार को रबी फसल बचाने के लिए किसानों को पर्याप्त मात्रा में डीजल की सप्लाई सुनि चत करने के लिए पग उठाने चाहिएं। राज्य सरकार को तकसीम के सिस्टम की देखभाल करने के लिए एक तालमेल समिति (कोआर्डिने ान कमेटी) भी जरूर स्थापित करनी चाहिए। वह चाहते है कि सरकार कृपया चालू सै ान में इसका उत्तर दे।

श्री अध्यक्षः खाद्य एवं पूर्ति मंत्री इसका जबाव देना चाहें तो दे सकते है।

Food and Supplies Minister (Chaudhri Gajraj Bahadur Nagar): I will make a statement tomorrow.

Mr. Speaker: All right.

संविधान के अनुच्छेद 368 के अधीन सरकारी प्रस्ताव

संविधान (पैंतालीसवां सं ाोधन) विधेयक, 1980 सम्बन्धी।

श्री अध्यक्ष: अब एक मंत्री महोदय सरकारी रैजोल्यू ान पे ा करेंगे।

Chief Minister (Chaudhri Bhajan Lal): Sir, I beg to move-

That this House ratifies the amendment to the Constitution of India falling within the purview of the proviso to clause (2) of article 368 thereof, proposed to be made by the Constitution (Fortyfifth Amemdment) Bill, 1980 as passed by the two Houses of Parliament.

Mr. Speaker: Motion moved-

That this House ratifies the amendment to the Constitution of India falling within the purview of the proviso to clause (2) of article 368 thereof, proposed to be made by the Constitution (Fortyfifth Amemdment) Bill, 1980 as passed by the two Houses of Parliament

चौधरी राम लाल वधवा (करनाल): स्पीकर साहब, 45वां सं ाोधन विधेयक, 1980 की रैटिफिके ान का प्रस्ताव सदन

में प्रस्तुत किया गया है। वैसे तो इस रेटिफिके ान पर किसी को भी एतराज नहीं होना चाहिए क्योंकि पार्लियामैन्ट में भी यह यूनानीमसली पास हुआ है जिसका कि प्रत्येक पार्टी और प्रत्येक वर्ग सम्मान करता है लेकिन ..... (ाोर)

श्री सुरेन्द्र सिंहः वधवा साहब, लेकिन क्या है?

चौधरी राम लाल वधवा (करनाल): स्पीकर साहब, अगर मेरी लेकिन चौधरी सुरेन्द्र सिंह और पीर चन्द जी को छू जाए तो फिर ठीक है। अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूं कि यह जो 10 साल की अवधि बढाई जा रही है इस दे ा के अनदर यह बडे दुख की बात है कि हरिजन तबके के लिए पहले यह रिजर्वे ान 10 साल के लिए की गई थी फिर 20 साल के लिए की गई, इसके बाद 30 साल के लिए की गई और अब 40 साल के लिए करने जा रहे हैं किन्तु आज भी समाज के अन्दर हरिजनों की व्यवस्था वैसी की वैसी है। वैसे जो आज दे ा के सामने हरिजनों की जो समस्यायें हैं वे खाली रिजर्वे ान से ही पूरी हो सकती है इसीलिए आज हमस ब इस कांस्टीच्यु ानल अमैंडमैंट की रैटीफाई कर रहे हैं। वास्तव में जो कुछ हरिजनों की भलाई के लिए इससे ज्यादा और किसी चीज की आव यकता है। स्पीकर साहब, यह एक ऐसा दे ा है जिसके लिए बापू गांधी ने राम–राज की कल्पना की थी लेकिन हमें पता नहीं लगाता कि राम–राज क्या है और क्या नहीं। इस दे ा का सौभाग्य है कि राम–राज की कल्पना को रामायण लिख कर, किसी ने जन्म दिया तो वह भी एक हरिजन ने दिया। उस

राम–राज की कल्पना को लेकर बापू गांधी ने इस दे ा के अन्दर स्वंतत्रता का युद्ध छेडा। अध्यक्ष महोदय, स्वतंत्रता के बाद भी हमारे सामने एक दूसरी रामायण आई, एक विधान के रूप में। उसको भी अगर इस दे ा के अन्दर प्रस्तुत किया तो वह भी एक हरिजन ने वे थे–डाक्टर अम्बेदकर। अध्यक्ष महोदय, हमें बडे दुख के साथ कहना पडता है कि सरकार चाहे किसी भी पार्टी की रही हो लेकिन आजादी के 30 साल गुजर जाने के बाद भी आज हरिजनों को, पिछडे वर्ग को सही मायनों में वह स्थान नहीं मिल सका जो मिलना चाहिए था। चाहे वह सामाजिक रूप में हो, चाहे आर्थिक रूप में हो और चाहे राजनीतिक रूप में हो। आज भी समाजाका 20 फीसदी वर्ग आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप में पिछडा हुआ है। मैं, वैल्फेयर आफ ि ाड्यल्ड कास्ट्स एण्ड ि ाड्ल्ड ट्राइब्ज कमेटी जो विधान सभा के सदस्यों की कमेटी है, इस साल उसका सदस्य रहा हूं। इस कमेटी में काम करने और दूसरे प्रान्तों में जा कर वहां की स्थिति की जानकारी लेने के बाद मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि आज भी इस दे ा के हरिजनों के गले से अपने समाज के प्रति एक बात निकलती है और वह यह है किः–

तेरी जफओं से है अलख जिन्दगी मेरी

लेकिन तेरे बगैर भी जालिम जिया नहीं जाता।

अध्यक्ष महोदय, हमें चुनावी के दिनों में हरिजन इलाकों में जोन का मौका मिलता है और दूसरे प्रान्तों में भी कमेटी के साथ जाकर जो हालत हरिजनों की देखी, वह पहले जैसी ही है। आज भी यह तबका समाज का अंग नहीं बन सका है क्योंकि आज भी हरिजनों का रहना–सहना, उनके घर, बाकी समाज के वर्ग में अलग कोने में है। आज भी दे ा के अन्दर छूआछूत का दौर–दौरा है। आज भी देहातों में हरिजनों के लिए पानी के कुएं अलग स्थान पर है। यह हमारे लिए कितनी भार्मनाक स्थिति है कि हिन्दू समाज के अन्दर हिन्दू हरिजन को छूआछूत की दृश्टि से देखा जाता है यदि कोई हिन्दू व्यक्ति, ईसाई या मुसलमान धर्म अपना लेता हैं तो उनको उस समाज के अन्दर बडा सम्मान प्राप्त होता है। लेकिन हिन्दू समाज में ऐसा नहीं है। अध्यक्ष महोदय, हमारे दे ा के अन्दर हरिजन को अछूत समझा जाता है। इस समाज की स्थिति को बदलने की आव यकता है। (इस समयी श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) समाज की वर्तमान स्थिति पर मैं यही कहूंगा कि–

तुम्हारी तहजीब अपने हाथों खुदक ाी करेगी,

भााख–ए–नाजक पर जो आ ाीयान बनेगा नापायेदार होगा।

अध्यक्ष महोदय, मुझे वैलफेयर आफ ि ाड्ल्ड कास्ट्स एण्ड ि ाड्ल्ड ट्राईब्ज कमेटी का सदस्य होने के नाते मुख्तलिफ

डिपार्टमैंटों से जानकारी मिली है कि हरिजनों के लिए पदों में जो आरक्षण किया हुआ है वह हरिजनों को पूरा नहीं मिला है। उपाध्यक्ष महोदय, मुझ यह बडे दुख के साथ कहना पडता है कि आज भी उनको, सिवाय क्लास फोर के, बाकी क्लासों की सर्विसिज में आरक्षण का पूरा हिस्सा नहीं दिया जा रहा है। कमेटी की जो रिपोर्ट आती है वह सदन की टेबल पर रख दी जाती है और उसके बाद अलमारियों में बन्द कर दी जाती है। कोई भी सरकार उन रिपोर्टस को उठा करके पढती नहीं है और न ही उन पर किसी प्रकार का कोई अमल होता है। उपाध्यक्ष महोदय, आज हरिजनों को अपने पैरों पर खडा होने के लिए साधन उपलब्ध नहीं है। वे दूसरे वर्ग के नीचे काम करते है। उन्हें क्या मिलता है क्या नहीं मिलता, यह तो उनको ही पता है। जब हम समाचापत्रों को पढ कर उनके हालात को देखते हैं तो हमें उन पर रहम आता है। आज भी उनकी हालत इतनी खराब है कि समाज के अन्दर उनको हीन–भावना से और ऊंच–नीच की भावना से देखा जाता है। हमारे दे ा के अन्दर जाति–पाति ऊंच–नीच की भावना को समाप्त करने के लिए बापू गांधी और दे ा के दूसरे महान व्यक्तियों ने कार्य किए। उपाध्यक्ष महोदय, आज दे ा में जो अत्याचार हो रहे हैं कई बार हम सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि क्या हम किसी सभ्य समाज में रह रहे है? बिहार के वाक्यात हमारे सामने है। मैं किसी राजनीतिक पार्टी की बात नहीं कहना चाहता, और न ही किसी राजनीतिक पार्टी की सरकार की बात कहना चाहता हूं। आज दे ा के अन्दर जो वाक्यात हो रहे है।

उनकी ओर मैं सदन का ध्यान आकर्शित करना चाहता हूं। पिपरा में क्या हुआ है? उससे पहले बिहार के दूसरे देहातों में क्या हुआ, हमें इस बात पर सोचना विचारना होगा।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: आन ए प्वायंट आफ आर्डर। उपाध्यक्ष महोदय, आप इन्हें कहें कि ये हरियाणा का जिक करें बिहार में क्यों पहुंच गए?

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: उपाध्यक्ष महोदय, पोहलू साहब वकी हैं और इनको यह पता होना चाहिए कि रैटिफीके ान कांस्टिच्यू ान की हो रही है जो सारे दे ा पर लागू होता है। (विघ्न)

उपाध्यक्ष महोदय, मैं राजनीति को इसमें घसीटना नहीं चाहता लेकिन बडे दुख के साथ कहना पडता है कि चुनाव के दिन थे। नारायणपुर का वाक्या हुआ है। हमारे दे ा की मौजूदा प्रधानमंत्री दौडती हुई वहां गई, उन्होंने लोगों से बडी सहानुभूति प्रकट की लेकिन पिपरा से उनको जोन की फुर्सत नहीं मिली जबकि ये बडा दम भरते हैं कि हम हरिजन तबके के लिए बडा कार्य कर रहे हैं। (ोम, भोम की आवाजें)

स्वामी आदित्यवे ा: आन ए प्वायंट आफ आर्डर। उपाध्यक्ष महोदय, इस तरह की असंगत बात उन्हें करनी चाहिए कि उत्तरप्रदे ा के नारायणपुर क्षेत्र में जब घटना हुई तब तो प्रधान मंत्री वहां गई लेकिन पिपरा में नहीं गई। इन्हें अखबार पढनी

चाहिए और यह पता होना चाहिए कि पिपरा में प्रधान मंत्री जी के कहे पर गृहमंत्री जी जा कर आए हैं।

चौधरी राम लाल वधवा: स्पीकर साहब, उधर जाने के बाद स्वामी जी की अकल इतना चक खा गई है कि इन्हें प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का फर्क ही पता नहीं लगता। (विघ्न)

Mr. Speaker: Order please.

चौधरी राम लाल वधवा: उपाध्यक्ष महोदय, इस दे ा में ऐसे ऐसे वाक्यात हुए जिनकी कोई तुलना नहीं की जा सकती। बाबू जगजीवन राम ने अब बनारस में श्री सम्पूर्णानन्द जी की मूर्ति का अनावरण किया तो उसके बाद में गंगाजल में धुलवाया गया।

श्री लहरी सिंह मेहरा: उपाध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्र न है। (विघ्न) राजनारायण जी ने तो महात्मा गांधी जी की मूर्ति को भी गंगा जल से धोया। हरिजनों के जो बुजुर्ग थे उनके हकों के जो रक्षक थे उनकी मूर्ति को भी इन्होंने अपवित्र समझ कर गंगा जल से धोया। इनकी पार्टी की तो यह पालिसी है।

Mr. Speaker: This is no point of order.Ch. Ram Lal Ji, you please continue.

चौधरी राम लाल वधवा: उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा में जो वाक्यात हुए मैं उनकी तफसील में नहीं जाना चाहता क्योंकि समय बहुत कम है और दूसरे सदस्यों ने भी बोलना है लेकिन एक

बात जरूर कहूंगा कि उनकी तरफ हरियाणा सरकार को ध्यान देना होगा।

उपाध्यक्ष महोदय, आज महत्वपूर्ण प्र न हमारे सामने यह नहीं है कि हम इस आरक्षण को दस साल के लिए और बढा दें बल्कि प्र न यह है कि आरक्षण और सरंक्षण के ऊपर उठ कर आज समाज में परिवर्तन लाने के लिए सरकार को आव यक इन्तजामात करने होगें। इस दबे और पिछडे वर्ग का ऊपर उठाने की बात कितनी बार दल बदलने के प चात समझ में आएगी, यह मैं अभी समझ नहीं पाया हूं। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, मैं निवेदन कर रहा था कि आरक्षण और सरंक्षण से ऊपर उठकर समाज में परिवर्तन लाने के लिए सरकार को ठोस कदमात उठाने होंगे ताकि इस वर्ग के लोगों को भी समाज में सम्मान मिल सके तथा समान अधिकार और आर्थिक साधन उपलब्ध हो सके। राजनीतिक उथल–पुथल चाहे कुछ हो, कुर्सी के लिए चाहे दल बदल होती रहे परन्तु समाज का जीर्ण ढांचा सही स्थान प्राप्त कर सके, मुझे यही निवेदन करना हैं। लडाई आरक्षण और सरंक्षण की नहीं है, लडाई अमीरी और गरीबी की है। इस लडाई में जीतने के बाद भाायद आरक्षण की आव यकता न पडे। इसलिए सरकार को इस प्रकार के प्रबन्ध करने होगें कि आज जो गरीब लोग हैं जो दलित लोग हैं जो पिछडे लोग हैं उनको संविधान के अन्दर विधान के अन्दर ही आरक्षण देकर बात पूरी नहीं हो सकेगी।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी राम लाल जी आपका समय हो गया है।

चौधरी राम लाल वधवाः केवल दो मिनट और दे दीजिए। उपाध्यक्ष महोदय, आप हैरान होगें कि 1961 में दसवीं जमात पास करके जिन हरिजन विधार्थियों को छात्रवृति प्राप्त हुई उनकी संख्या 1971 में कम है। इसी तरह से 1961 में ऐसे लोगों की संख्या, जिन में आमतौर पर हरिजन थे और जिनके पास धरती नहीं थी, 16 परसमैन्ट थी, 1971 में यह 25 परसैन्ट हो गई और 1977 में यह बढकर 30 परसैन्ट हो गई। फिर आप बेराजगारी के आंकडे लीजिए। बेरोजगारी दिन प्रति दिन बढ रही है। सरकार अगर सही अनुमान लगाए तो पता लगेगा कि गरीब ज्यादा गरीब और अमीर ज्यादा अमीर होता जा रहा है। गरीबी इस तबके के अन्दर और ज्यादा बढती चली जा रही है। इसके बाद आप भूमि सुधार को लीजिए। 23 परसैन्ट आदमी 76 परसैन्ट धरती पर काबिज है। इसके मुकाबले में 74 परसैंट लोग ऐसे है जिनके पास 20—21 परसैन्ट भी धरती नही है। सरकार के पास जो जगंल पडे है वे नहीं दिए गए इसलिए आव यकता है कि जो भूमि सरप्लस पडी है वह उन्हें दी जानी चाहिए। (विघ्न) सबसे ज्यादा जरूरत है इस पिछडे वर्ग को समाज के दूसरे वर्ग की आर्थिक गुलामी से निजात दिलाने की। उन्हें वे साधन देने होंगे जिनके कारण वे जीविका के लिए दूसरों के ऊपर निर्भर न रहे और अपने पैरों पर

खडा होकर समाज में सम्मान का स्थान प्राप्त कर सके। अन्त में उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह कह कर समाप्त करता हूं कि–

फूल हूं वक्त की आंधी से बचा लो मुझको,

बहुत देर हुई अब तो आगो ा में छुपा लो मुझको।

मैं इस 45वें संवैधानिक सं ाोधन प्रस्ताव का समर्थन करता हूं और आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री भले राम (बडौदा अनुसूचित जाति): डिप्टी स्पीकर साहब, पहले तो मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया। आज हाउस के सामने 45वां सं ाोधन रैटिफीके ान के लिए आया है उस पर मैं अपने विचार रखना चाहूंगा। जब से भारत दे ा आजाद हुआ है तभी से हर दस साल के बाद हरिजनों के लिए रिजर्वे ान करते आये है। अब जो सं ाोधन हमारे सामने रैटिफिके ान के लिए आया है यह सन् 1990 तक के लिए है। यदि हम पिछले समय पर सारे हिन्दुस्तान के नजर दौडाये तो उस रिजर्वे ान का जो उददे य रखा गया था वह पूरा नही हुआ है। जो भी सरकार आती है वह यहीं कहती कि हरिजनों को राजनैतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से उत्थान होना चाहिए। मेरे से पूर्व वक्ता श्री राम लाल जी ने भी हरिजनों के विशय में चर्चा की कि अब तक उनका कोई सुधार नहीं हुआ है। अभी पिछले दिनों हमारी ि ाड्ल्ड कास्ट्स कमेटी दक्षिण भारत के दौरे पर गया थी। हम वहां के मैम्बरान से भी

मिले, उनसे विचार–विम र्श किया और फिर हमने वहां के देहातों का भी दौरा किया लेकिन डिप्टी स्पीकर साहब हमने देखा कि पिछले तीस चालीस सालों में हरिजनों के आर्थिक दर्जा में कोई अन्तर नहीं आया। उनकी पहले जो हालत थी उससे भी ज्यादा गिरी है। सन् 1947 मे जब देश आजाद हुआ तो श्री जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि हमारे देश को राजनैतिक आजादी तो प्राप्त हो गयी है ल8किन आर्थि आजादी प्राप्त करना अभी बाकी रहती है। उन्होंने वीकर सैक्शन के लिए बुनियादी चीजों का जिकर किया था। वे चाहते थे कि वीकर सैक्शन को भोजन, कपडा और मकान मिलै लेकिन तीस साल के राज्य में हरिजन ज्यादा गरीब होता गया और अमीर ज्यादा अमीर होता गया। आजादी के बाद हरिजनों तथा अन्य लोगों में जो तनाव बना वह आजादी के पहले कभी इतना नहीं था जितना आज है। हरियाणा में तो दूसरी सरकार ने केवल अढाई साल राज किया है बाकी समय में तो कांग्रेस सरकार ने ही राज किया है। कांग्रेस सरकार ने तीस साल तक हरिजनों को एक्सप्लाइट किया। (ोर) हरिजनों को कांग्रेस सरकार यही कहती रही कि हम आपको जमीन देंगे मकान देंगे लेकिन उन गरीबों को कुछ नहीं दिया और दिन प्रतिदिन गरीबों में और अन्य लोगों में तनाव बढ रहा है। हम देख रहे है कि गांवों में तो खासतौर से किसानों और हरिजनों में तनाव बढ रहा है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। इन्होंने अभी यहां पर कहा है कि हरिजनों का एक्सप्लाएटे ान हो रहा है। हरिजनों को एक्सप्लाएटे ान नहीं हो रहा है बल्कि मेरे दोस्त का हो रहा है क्योंकि वे लोक दल में फंसे बैठे है।

श्री भले रामः ऐसा लगता है कि आपका भी मिनिस्टरी में नम्बर पडने वाला है। डिप्टी स्पीकर साहब गांवों में हरिजनों और किसानों के बीच तनाव का मुख्य कारण यही रहा है कि उनको जमीन का लालच दिया गयां। जब चौधरी चान्द राम जी हरिजनों के लीडर हुआ करते थे उस समय जमीनें बहुत सस्ती मिला करती थी और सरप्लस भी काफी जमीन थी। उस समय भी कांग्रेस की हकुमत हुआ करती थी और सौ रूपये प्रति एकड जमीन का भाव था लेकिन कांग्रेस सरकार उस समय पर भी हरिजनों को नहीं दिला सकी तो अब कैसे दिला सकते हैं?

सरदार सुखदेव सिंहः स्पीकर साहब, मेरा व्यवस्था का प्र न है। चौधरी भले राम जी वही * *

श्री उपाध्यक्षः यह प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। इसका रिकार्ड न किया जाये।

श्री भले रामः डिप्टी स्पीकर साहब, जो भी मैम्बर यहां चुन कर आये हैं, चाहे वे किसी भी जाति से चुन कर आये हैं उनका यह फर्ज बनता है कि हरिजनों का ध्यान रखें, उनके हकूक को सुरक्षित रखा जाये। चौधरी देवी लाल जी जब हरियाणा के

मुख्यमंत्री हुआ करते थे तो उस टाईम पर कई बार मींटिग हुआ करती थी कि रिजर्वे ान पंजाब पैट्रन पर की जायें। (विघ्न) लेकिन मुझे हैरानी है कि जब से चौधरी भजन लाल जी की सरकार आयी है कभी भी इस बारे में कोई जिकर तक नहीं आया। (ाोर) चौधरी भजन लाल जी से जो भी ये इनाम मांगते है वह दे देते है इसलिए मैं उनसे प्रार्थना करूंगा कि कभी कभी हरिजनों के लिए भी रूस जाया करें। मैं तो यह भी कहूंगा कि यह सरकार या केंद्रीय सरकार हरिजनों की रिजर्वे ान का दस साल या बीस साल का टाईम बे ाक बढा दे लेकिन इस तरह से उनको लाभ होने वाला नहीं है। अगर ईमानदारी से समाज का हरके वर्ग, चाहे वह एम्पलाई हैं चाहे किसी अन्य पे ो में है, हरिजनों की भलाई की स्कीमों को जब तक सच्चे दिल से इम्पलीमैंट नहीं करेंगे तब तक हरिजनों को रिजर्वे ान का फायदा नहीं मिलेगा। मैं हाउस से अपील करूंगा चाहे कोई अमीर है चाहे अफसर हैं चाहे इस गैलरी में बैठे साहेबान है वे दिल से हरिजनों को अपने भाई समझें। जो हरिजनों में या अन्य लोगों में भेद समझते है उनको भगवान भी माफ नहीं करेगा। सारे इन्सान बराबर है चाहे कोई गरीब है चाहे अमीर है। सभी व्यक्ति एक की द्वार से निकलते हैं जब कोई व्यक्ति इस संसार से जाता है तो अपने साथ कोई चीज लेकर नहीं जाता और न ही कोई लेकर आया है। इस दुनिया में सभी गरीब और अमीर व्यक्तियों को रहने का बराबर अधिकार है। इन भाब्दों के साथ मैं इस संवैधानिक सं ाोधन का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री लहरी सिंह मेहरा (रादौर–अनुसूचित जाति): डिप्टी स्पीकर साहब, सदन के नेता की और से जो 45 वां संवैधानिक सं ाोधन हाउस में रैटिफिके ान के लिए पे ा किया गया है मैं उसका समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं। इस सं ाोधन पर सदन का कोई भी सदस्य ना–इत्फाक नहीं करता है। इस सं ाोधन को लोक सभा और राज्य सभा दोनों सदनों ने पास कर दिया है। दे ा की बिगडती हुई हालत को देखते हुए और गरीबों की हालत को सुधारने के लिए यह सं ाोधन पे ा किया गया है। सभी माननीय सदस्य इस बात से भलीभांति परिचित है कि जिस समय दे ा आजाद हुआ था उस समय से ही गांधी जी का यह स्वप्न था कि गरीब लोगों को ऊपर उठाया जाये परन्तु अभी तक भी उनका वह स्वप्न पूरा नहीं हो पाया है। सारा हाउस इस बात को जानता है कि हमारा जो अपोजि ान के भाई अभी बोले हैं या जो अभी बोलेंगे उन्होंने सं ाोधन को स्पोर्ट किया है इसलिए मैं उनका धन्यवादी हूं और मैं भी इस संवैधानिक सं ाोधन का समर्थन करता हूँ (विघ्न)

चौधरी संत कवंर: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा व्यवस्था का प्र न है। हम तो हरिजन को मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे लेकिन बनने नहीं दिया।

श्री लहरी सिंह मेहरा: आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, अपोजी ान वाले टोंट इस लिए कर रहे हैं कि उनकी कुर्सी छिन गई है। कोई बात नहीं समय का आना जाना होता है? (चौधरी

राम लाल की आरे से विघ्न) आप लोग तो मेरे पीछे कुर्सी को लिए फिरते रहे है लेकिन मैंने कुर्सी ली नहीं। उपाध्यक्ष महोदय जो भाई नकद माल की बात करते हैं अब उनके थैले खाली हो गए हैं इसलिए वे ऐसी बात करते है। (व्यवधान)

चौधरी संत कवंरः यह सम्पूर्ण क्रान्ति की बात करते हैं * *

श्री उपाध्यक्षः आप दूसरी सीट से नहीं बोल सकते। जो कुछ इन्होंने बोला है, वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री कवंल सिंहः अभी चौधरी लहरी सिंह जी ने कहा कि जो भाई नकद लाल की बात करते हैं उनके थैले खाली हो गए हैं तो क्या जो भाई भजन लाल जी की सरकार की तरफ बैठे हैं जब उनके थैले खाली हो जायेंगे तो क्या वे हमारी तरफ आ जायेंगे। (व्यवधान)

श्री लहरी सिंह मेहराः उपाध्यक्ष महोदय, यह सं ाोधन इसलिए आया है कि जो हरिजन हैं ि ाडूल्ड ट्राइब्स है उनका इन आगे आने वाले 10 वर्शो में और सुधार हो सके तथा उनको समाज में बराबर का हम मिल सके। केवल 10 साल का समय देने से ही उन का काम नहीं चलेगा। इनकी जो आर्थिक हालत है उसको सहायता देकर सुधारना पडेगा। (विघ्न)

चौधरी सतबीर सिंह मलिकः उपाध्यक्ष महोदय, मैं बता रहा था कि पिछडी हुई जातियों, अनुसूचित जातियों की व्यवस्था

उस प्रकार से कर दी जाये जिस प्रकार से डा0 अम्बेदकर ने भारत के संविधान में की थी। उन्होनें भारत का संविधान बडी मेहनत के साथ बनाया था। उस संविधान के अन्दर उन्होंने जो भारत में आदिवासी या पिछडी हुई जातियां है उनको ऊपर उठाने के लिए भरपूर कोि ा ा की है ताकि इन जातियों का भला हो सके। पहले तो ऐसा समय था कि यदि किसी भी गरीब हरिजन या पिछडी जाति का पल्ला किसी स्वर्ग जाति के व्यक्ति को लग जाता था तो वह अपने घर जाकर 10 बार नहाता था। जिस व्यक्ति ने भारत का संविधान बनाया उसका नाम आज हरियाणा की किताबों में ही नहीं बल्कि अन्य स्टेटों की किताबों में उनका नाम नहीं है। इसलिए सरकार को चाहिए कि उनका नाम किताबों में अव य भाामिल किया जाये।

चौधरी गंगा रामः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर, अभी श्री लहरी सिंह जी ने कहा कि डा0 अम्बेदकर का नाम किताबों में या किसी स्टेट में वहीं पर भी नहीं हैं तो मैं उनसे कहूंगा कि वे पहले डा0 अम्बेदकर का चित्र मुख्यमंत्री महोदय के कमरे में टंगवा कर देख ले।

श्री लहरी सिंह मेहराः उपाध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा सरकार से यह प्रार्थना करना चाहता हूं कि जो कानून के ज्ञाता थे उनका नाम छटी या सांतवी क्लास की किताबों के चैप्टरों में अव य भाामिल होना चाहिए ताकि बच्चे इन व्यक्तियों के जीवन से कुछ सीख सकें।

श्री उपाध्यक्षः आप प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव पर बोलिए।

चौधरी सतबीर सिंह मलिकः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर, डाक्टर अम्बेदर साहब तो रिजर्वे ान के खिलाफ थे। वे रिजर्वे ान नहीं चाहते थे।

श्री लहरी सिंह मेहराः उपाध्यक्ष महोदय, जो भाई अपोजी ान बैंचिज की तरफ बैठे है इनकी तरफ से यह प्रस्ताव आया था कि जो सरप्लस जमीन जीमन या जंगलात की जमीन पडी है उसका हरिजनों में बांटा जाये और इसके लिए एक कमेटी भी बनाई थी लेकिन उनकी सरकार ने वह जमीन गरीब हरिजनों में वितरित नहीं की। यद्यपि हमारी सरकार को बने हुए अभी 8–10 महीने ही हुए है और वह पूरी कोि ा ा कर रही है कि इस जमीन को ..... (विघ्न) डिप्टी कमी ानर साहब, जिन लोगों में बाहर बोलने की हिम्मत नही है वे लोग यहां पर बोलेंग क्योंकि इन्होंने हरियाणा की जनता का एक्सपलोयटे ान करना है इसलिए वे इस प्रकार की बातें करते है। पिछले दिनों जब चुनाव हुए थे तो इन लोगों ने किसी भी हरिजन बस्ती के लोगों को वोट नहीं डालने दिए। यह उनके साथ बडी ज्यादती थी।

Mr. Speaker: Your time is over. Please take your seat.

श्री लहरी सिंह मेहराः अच्छा जी, आपकी आज्ञा के अनुसार मैं अपना स्थान लेता हूं।

श्री मूल चन्द जैन (सम्भालखा): डिप्टी स्पीकर साहब, जो मो ान चीफ मिनिस्टर साहब की तरफ से आया है वह 45वीं कांस्टीच्यू ान अमैंडमैंट की रैटीफिके ान के बारे में है। मैं भी उसके समर्थन के लिए खडा हुआ हूं यह विशय पार्टी लाईन से बालातर है। लोकसभा और राज्य सभा ने इसे सर्वसम्मति के पास किया है। जैसे कि अभी जनता पार्टी और लोकदल के नुमाइयन्दों ने कहा है ि कइस मो ान को सर्वसम्मति से पास किया जाये। यह मो ान जिस प्रकार से विचार करने के लिए यहां हाउस में आया है उसकी तरफ मैं सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं। बात यह है कि जब हमारा कान्टीच्यू ान बना तो संविधान के निर्माताओं ने हरिजनों और आदिवासियों को ऊपर उठाने के लिए 10 वर्श की अवधि रखी थी उनके लिए लोकसभा और विधान सभाओं में रिजर्वे ान के लिए पहले यह अवधि 1960 में बढाई थी। फिर उसके बाद 1970 में बढाई गई और 1970 के बाद फिर इसको 1980 में बढाया जा रहा है ताकि पिछडी हुई जातियां ऊपर उठ सकें। पिछली जो अवधि बढाई गई थी उस अवधि में हम इनको बराबर नहीं ला सके। डिप्टी स्पीकर साहब एक तरह से सारे दे ा का समाज यह कंफैस कर रहा है ि कइस दे ा के हरिजन और आदिवासी भाईयों के साथ जो बदसलूकी होती रही है वह बदसलूकी अब भी कायम है। उसको कम करने के लिए हम रिजर्वे ान को पिछले 30 सालों से बढाते रहे है और अब आगे 10 वर्श के लिए और बढाने जा रहे है। (परिवहन मंत्री की ओर से विघ्न) मैं श्री जगन्नाथ जी से प्रार्थना करूंगा कि वे विघ्न ने करें

क्योंकि मैं पहले ही कह चुका हूं कि जहां तक हो सके मैं किसी पार्टी की नुक्ताचीनी नहीं करूंगा। भारत के सभी लोग एक जैसे इंसान है। इन गरीब लोगों के साथ भी ऐसा ही व्यवहार होना चाहिए जो औरों के साथ होता है। इस दे ा के करोडों आदमियों के साथ अन्याय होता रहा है। इस दे ा की वैल्यूज, इसके समाज की वैल्यूज ऐसी रही कि इस अन्याय हो अन्याय ही नहीं समझा जाता था। मैं आपका ध्यान पीछे इतिहास की तरफ दिलाना चाहूंगा। महाभारत में एकलव्य नाम का आदिवासी व्यक्ति हुआ है। उसने द्रोणाचार्य के तीर अन्दाजी में ि ाक्षा लेनी चाही। उसे चेला न बनाया और कह दिया कि उसका नाम लेकर अभ्यास करे। एक बार एकलव्य जंगल में जा रहा था। एक कुते ने उस पर भौंकना आरम्भ कर दिया। एकलव्य ने अपने तीर मार कर उस भोंकते हुए कुते का मुंह इस तरह से बन्द कर दिया था कि उसका मुहं भी बंद हो गया और खून का एक कतरा भी नहीं गिरा। द्रोणाचार्य और उसके चेले पांडुओं ने उस कुते को देखा और उन्हें देखकर बडा आ चर्य हुआ कि इस तरह से भी मुंह बन्द हो सकता है और इस तरह की भी तीर अन्दाजी होती है जिसमें एक बूंद भी खून न निकले और मुंह बन्द हो जाए। द्रोणाचार्य उस व्यक्ति को ढूंढने निकले और उनको पता लगा कि यह तो वही एकलव्य है जो उनसे ि ाक्षा लेने आया था। पूछा कैसे यह विद्या सीखी। जवाब दिया कि आपकी मूर्ति बनाकर उसे गुरू मानकर अभ्यास करने से ही यह विद्या मिली। गुरू ने एकलव्य से कहा कि गुरू की दक्षिणा दो। एकलव्य ने कहा महाराज को कुछ आप चाहते है वह

मैं देने को तैयार हूं। द्रोणाचार्य ने कहा कि तुम अपने दाएं हाथ का अंगूठा काटकर मुझे दक्षिणा के तोर पर दे दो। उसने अपना अंगूठा काटकर गुरू को दे दिया। द्रोणाचार्य चाहते थे कि एक आदिवासी अर्जुन से तीर अन्दाजी में बढ न जाए। डिप्टी स्पीकर साहब तब से लेकर आज तक लाखों ने यह बात इस दे ा में सुनी और पढी है परन्तु कुछ दिन पहले तक किसी ने भी एकलव्य के साथ सहानुभूति प्रकट नहीं की द्रोणाचार्य को ही ठीक समझा। इस दे ा के उंची कहलाने वाली जातियों के लोगों ने हरिजनों के दिल में यह बिठा दिया कि तुम्हारी यह जो हालत है इसका काण यह है कि तुमने पिछले जन्म में बुरे काम किए और पिछले जन्म में बुरे काम किए और पिछले जन्म के कर्मों का फल तुम्हे इस जन्म में मिल रहा है। इसलिए उनके अन्दर यह हीन भावना पैदा हुई है। डिप्टी स्पीकर साहब, यह बात मैंने इसलिए कही है कि आज तक इन गलत वैल्यूज को ठीक वैल्यूज समझा जाता रहा है। जो छूआछात पाप था उस छूआछात को धर्म में समझा जाता रहा है। आज तो हमे यह सोचना है कि उन गल्त धारणाओं को उन गलत वैल्यूज को बदलकर अपने जीवन में कैसे उन चीजों को लाएं जो महात्मा गांधी ने और महर्शि दयानन्द ने बताई थी। महात्मा गांधी ने जो कुछ हमें कहा था उसको हमें ध्यान में रखना चाहिए तभी इन भाईयों का और इस दे ा का कल्याण हो सकता है। डिप्टी स्पीकर साहब, आज 1980 में हम तीसरी बार यह सं ाोधन कर रहे हैं। आज हम अपने दिल को टटोले कि आज ऐग्रीकल्चर में बौंडिड लेबर कौन है फैक्टरी में जो लेबर काम

करती है वह कौन है। आज 40 परसैन्ट भाहरों में और 48 प्रति ात ग्रामों में बिलों दी पावर्टी लाइन लोग हैं वे कौन है? ये यही हरिजन और आदिवासी लोग हैं। इनकी दुर्द ाा को पार्टी का सवाल न बनाकर इनके उत्थान की और हमको ध्यान देना चाहिए। मैं सभी सदस्यों से कहना चाहता हूं कि जो हम यह सं ाोधन रैटीफाई कर रहे हैं ऐसा करके हम उन गरीब हरिजनों पर अहसान नही कर रहे हैं। डिप्टी स्पीकर साहब, अग्रेजी की एक कहावत है "The strength of the chain lies in its weakest link"

16.00 बजे

यानि जंजीर की जो भाक्ति है वह चेन में अगर बीच में से एक कडी निकाल दी जाए और उस स्थान पर धागे की एक कडी डाल दी जाए और उसे खैंचा जाये तो वह टूट जाएगी इसी तरह से हमारे दे ा का दारोमदार बिरला और टाटा जैसे बडे बडे लोगों पर ही नहीं है बल्कि गांवों में रहने वाली गरीब जनता के ऊपर हैं अगर हम गरीब जनता को साथ लेकर नहीं चलेगें। उनको उपर नहीं उठायेगें तो हमारा दे ा भी कमजोर रहेगा। अगर हम अपने दे ा में यूनिटी चाहते हैं तो वह यूनिटी सभी गरीब तबकों को उपर उठाने से ही आ सकती है। इसीलिये मैं इस मो ान का अहसान के रूप में नही या इसलिए कि ऊपर से हमारे लोकदल ने समर्थन दे दिया है इसलिये समर्थन देना है बल्कि में इसका दिल से समर्थन करता हूं कि हम सबका ध्यान इस तरफ जाए और उन गरीब हरिजन भाईयो को ऊपर उठाने में

अगर कोई कसर रह गई है तो उस कसर को हम जल्दी से जल्दी पूरा करें। अगर हम सब ऐसा करने में जुट जाएंगे तो हम काफी मददगार साबित हो सकेंगे और तभीहो सकता है कि अगले 10 वर्शों में हमे फिर ऐसा करने की जरूरत ही न पडें।

डिप्टी स्पीकर साहब, मैं इस सिलसिले में एक दो बातें और कहना चाहता हूं कि इस काम में उंचे तबके के लोगों के साथ साथ हरिजन भाईयों की भी बहुत जिम्मेवारी है कि वे भी इसमें हाथ बटांए। जैसे कहा जाता है कि जुल्म करना भी पाप है और जुल्म सहना भी पाप है तो फिर जुल्म भी नहीं करना चाहिए और इसी लिये हमारे पूज्यनीय गांधी जी ने हिन्दू समाज में इस तरह की प्ररेणा पैदा कर दी थी कि किस तरह से हरिजनों का उत्थान करना है और गरीब तबके को उपर उठाना है। लेकिन कुछ देर से उंची जाति के लोगों में ईश्र्या सी पैदा हो गई है। यह ईश्र्या क्यों पैदा हो गई है। मेरे ख्याल से वह ईश्र्या इसलिये पैदार होती है सविसिज में जैसे आईएएस आईपीएस और इंक्मटैक्स देने वाले जो हरिजन है उनके लिये भी रिजर्वे ान है और उनके बच्चों का वजीफे वगैरह भी मिल रहे है। इस बात को देखकर जो उंची जातियां है उनके दिलो–दिमाग पर इस चीज पर बडा बौझा है कि गरीब ब्राहमण, गरीब जाट का बच्चा तो वजीफा न ले सके परन्तु अमीर हरिजन के बच्चे को वजीफा मिले और इसलिये उनके मन में इन अफसरान के प्रति ईश्र्या की भावना है इसलिये मेरा इन बडे बडे हरिजन अफसरान व अमीरों से यह

कहना है कि चुंकि अब वे बडे बडे औहदों पर पहुंच चुके है अब आगं के लिये उन्हें ये फायदे खुद–ब–खुद ही तर्क कर देने चाहिए ताकि जो ईर्श्या की भावना ब्राहमण, जाट व दूसरी उंची जातियों के मन में है वह न होने पाये। इन्हीं लफजों के साथ मैं इसका समर्थन करता हूं और आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान ग्रहण करता हूं कि आपने मुझे यहां पर अपने विचार रखने का अवसर दिया। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य, चौधरी राम कि ान पदासीन हुए।)

चौधरी भाग मल (सढौरा–अनुसूचित जाति): चेयरमैन साहब, मैं संविधान के 45 वे संवैधानिक सं ाोधन पर जोकि इस समय यहां पर जेरे गौर है बोलने के लिये खडा हुआ हूं। इसकी रेटीफिके ान के बारे में कोई दो राय नहीं है यह एक ऐसा सं ाोधन है जिसको कि सभी स्पोर्ट करते है मैं भी स्पोर्ट करता हूं लेकिन इस सम्बन्ध में कुछ ऐसी बातें भी है जो मैं आपके द्वारा इस सदन के सम्मुख रखना चाहता हूं। वे यह है कि अब सरकार तीसरी बार 10 साल की टर्म और बढाने जा रही है। सबसे पहले जब संविधान बना था, उस वक्त 10 साल की टर्म 1960 तक रखी हुई थी। इसके बाद 1960 से 1970 तक 10 साल की और टर्म बढाई गई जो 1980 में समाप्त हो गई। चूंकि सरकार तीस साल के अर्से तक हरिजनों की इम्प्रूवमैंट करने में असमर्थ रही और अब उसने फिर इस रिजर्वे ान के पीरियड को और 10 साल के लिये बढाने के लिये यह सं ाोधन रैटीफिके ान के लिए यहां हाउस के

सम्मुख रखा है। ठीक है चेयरमैन साहब, यह सरकार का कदम तो बडा सराहनीय है पर सरकार ने पिछले तीस सालों में जो हरिजनों के लिये वायदे किये थे वे पूरे नहीं कर सकी। यह बडे अफसोस की बात है। इस दे ा का हर इंसान यह महसूस करता है िकइस गरीब तबके को अभी तक पूरी तरह से न्याय नहीं मिल सका और ये लोग दूसरे लोगों के बराबर नहीं आ सके। इसकी सारी जिम्मेदारी जहां तक मेरा अपना विचार है पिछली सरकार की रही है। अगर पिछली सरकार 30 साल के अर्से में दिल से इस काम को करना चाहती तो इन लोगों को अब तक उपर उठा चुकी होती। लेकिन वह इस कार्य को करने में पूरी तरह से असफल रही जिसकी वजह से उसे आज फिर 10 साल की टर्म और बढानी पडी। अगर सरकार किसी काम को करने के लिए उत्सुक हो तो कोई कारण नहीं कि सरकार उस काम को न कर सकती हो। इसी सिलसिले के चेयरमैन साहब, मैं एक मिसाल देना चाहता हूं। 1947 में पार्टी ान हुआ और पार्टी ान से पहले सारे पंजाब में उर्द पढाया जाता था। जब ईस्ट पंजाब बन गया तो उस वक्त एकदम सरकार ने यहां पर हिन्दी की पढाई लाजमी कर दी लेकिन जो टीचर थे वे सभी उर्दू पढाने वाले थे और उनको हिन्दी नहीं आती थी इसलिए उन्हें एक दो सालों के लिये हिन्दी सीखनी पडी। यहां तक कि उस वक्त सारा सिलसिला ही हिन्दी में तबदील कर दिया गया क्योंकि उस वक्त सरकार यह चाहती थी िकइस स्कीम को भाीघ्रा ही इम्पलीमैंट किया जाए। तो चेयरमैन साहब, इसी तरह से अगर सरकार को इस काम को करना है तो वारुफुटिंग पर करें।

मैं पहले भी कह चुका हूं कि अगर सरकार किसी काम को करवाने में में डिटर्मिन्ड है तो करवा सकती है पर हमारी बदकिस्मती है कि ऐसा हो नही रहा है। चेयरमैन साहब, केवल नारेबाजी और प्रोपेगण्डा से काम नहीं चलेगा इसके लिए सरकार को कोई ठोस कदम उठाने होंगे। असलियत यह है कि इस छोटे तबके के लिये सरकार की तरफ से कोई असल काम नहीं हो रहे है।

चेयरमैन साहब, इस रैटिफिके ान के जरिये कुछ पोलिटीकल लोगों को तो अव य फायदा होगा जैसे एमएलएज और एमपीज है उनको तो इस रिजर्वे ान से पूरा लाभ हो रहा है लेकिन जो हरिजन लोग सर्विसिज में है उनको इस रिजर्वे ान से कोई लाभ नहीं हो रहा है उनकी तरफ सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया है। हरियाणा में ही देख लीजिये, रोजाना हम देखते है कि सचिवालय के सामने लन्च टाईम में रिजर्वे ान और एन्टी–रिजर्वे ान के सलोगन कसे जाते हैं और पुलिस द्वारा रोजाना ही गिरफ्तारियां हो रही है कितने अफसोस की बात है। आखिर ये छोटे तबके के लोग भी तो एक समान है इसलिये हम सब को ऐसे प्रयत्न करने चाहिये जिस से इस दे ा के गरीब, हरिजन और दूसरे छोटे तबके के लोग उपर उठ सकें और हमारा दे ा भी उंचा हो सके। यदि सचमुच में हमारी सरकार इन छोटे तबके के लोगों का उपर उठाना चाहती है तो उसे सच्चे दिल से इसके लिये ठोस कदम उठाने पडेंगे।

चेयरमैन साहब, में बडे दुख के साथ एक बात यहां पर कहना चाहता हूं कि एक तरफ तो इस तबके को हर प्रकार की रिजर्वे ान दी जा रही है और दूसरी तरफ जो हमारे भाई सर्विसिज में है उनको रिजर्वे ान की तरफ कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। यहां हमारी विधान सभा में ही देख लीजिये, यहां भी रिजर्वे ान का कोई ध्यान नहीं रखा जा रहा है। यह नहीं देखा जाता कि किस का कहां पर नम्बर है। इसलिये मेरी सरकार से प्रार्थना है कि हरिजनों का उत्थान करना है तो पोलिटिकस की रिजर्वे ान के साथ साथ सर्विसिज की रिजर्वे ान का भी ध्यान रखा जाए। इसके लिये कुछेक बातों का ध्यान सरकार को रखना होगा। सबसे पहले तो सरकार को अपनी इकानामिक हालात को सुधारना होगा। दूसरे दे ा की इकनामिक हालत बहुत खस्ता है जब तक यह सुधार नहीं आएगा तब तक इर गरीब लोगों का कभी भी भला नहीं हो सकेगा।

श्री सभापतिः चौधरी भागमल जी, आपके केवल दो मिनट बाकी है, जल्दी खत्म कीजिये और भी कई मैम्बरौं ने बोलना है। सबको बराबर का समय दिया जाना है इसलिये आप जल्दी खत्म करिये।

चौधरी भाग मलः बस जी मैं कुछेक बाते और कहकर समाप्त करता हूं। मेरी सरकार से एक रिक्वैस्ट है कि हरिजन भाईयों को जो सरप्लस लैन्ड और कस्टोडिअन की लैन्ड सरकार की तरफ से दी जानी थी, वह उन्हें अभी तक नहीं मिली है

जिसकी वजह से उन्हें बडी परे ाानी हो रही है। मैं आपको मिसाल देना चाहता हूं। हमारे सब–डिविजन में सरप्लस लैंड के कुछ केसिज हो चुके है। जिन में से कुछ तो हरिजनों के हक में है और कुछ जमींदारों के हक में डिसाइड हो चुके है। अब यहां पर नया तहसीलदार (सरप्लस) आया है जो बहुत गडबड कर रहा है। वह इन तमाम केसिज कोरी–ओपन कर रहा है और गरीब हरिजनों को अपने घर में बुला बुला कर उनके हैरस कर रहा है। इसके खिलाफ सैंकडों ि ाकायतें आ चुकी है और हरिजनों के साथ खिलवाड हो रहा है। चेयरमैन साहब, इसी तरह कस्टाडियन लैंड बांटते समय हरिजनों के साथ ज्यादतियां की जाती है। कई दफा हरिजनों को अपील करनी पडती है छोटी–छोटी बातों के लिए कोर्ट में जाना पडता है। इस सिलसिले में जिस किसी हरिजन ने बैकवर्ड क्लास का सर्टिफिकेट लेना हो तो हरिजनों को बडी मु ि कल का सामना करना पडता है। पहले तो सर्टिफिकेट नहीं मिलता, अगर मिलता भी है तो कई किस्म के चैनल्ज क्रास करने पडते है। एक छोटा बच्चा जो सातवी आठवी क्लास में पढता है इसको सर्टिफिकेट लेना हो या छोटे मुलाजिम को भाडल्ड कासट्स का सर्टिफिकेट लेना पडे तो बहुत सी चैनल्ज क्रास करनी पडती है और फीस भी देनी पडती है तब कहीं जाकर सर्टीफिकेट मिलता है। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि क्या यह गवर्नमैंट की जिम्मेदारी नहीं कि उस गरीब हरिजन को फ्री सर्टिफिकेट दे? यह सर्टिफिकेट उनके काम आने वाला है समय समय पर इसकी जरूरत पडती है। गवर्नमैंट को फ्री देना चाहिए।

चेयरमैन साहब, पीडब्ल्यूडी और इरीगे ान डिपार्टमैंट में वर्क चार्ज के रूप में खासतौर पर हरिजन भाई लगे हुए है और इनकी सर्विस बीस बीस, पच्चीस पच्चीस साल की हो गई लेकिन अभी तक इनकी प्रोमो ान नहीं हुई है। गवर्नमैंट की तरफ से इन पर बडी बेइन्साफी हो रही है उनकी जिन्दगी के साथ खिलवाड किया जा रहा है। चेयरमैन साहब, वि ोशकर मैं आपका और इस हाउस का धन्यवाद करता हूं कि हरिजनों की बेहतरी के लिए यह रैजोल्यू ान लाया गया है यह बडी सराहनीय बात हैं। गवर्नमैंट के अफसरान भी सामने बैठे हुए है मैं उनसे भी प्रार्थना करूंगा कि हरिजन भाई जो उनके अधीन काम कर रहे है उनका पूरा पूरा ध्यान रखे। जब उनकी वार्शिक रिपोर्ट्स लिखी जाती है उस वक्त खास ध्यान रखें। हरिजनों की प्रमो ान का जब कोई केस आता है ज्यादातर उनकी प्रमो ान के लिए इनकार हो जाता है। इसलिए मेरी आफिसर साहिबान से प्रार्थना है कि इनकी रिपोर्ट्स लिबरल होकर लिखें ताकि प्रमो ान करते वक्त कोई अडचन न आये।

श्री सभापतिः आपका टाईम खत्म हो गया है, कृप्या वाइंड–अप करें।

चौधरी भाग मलः अच्छा जी, अन्त में मैं इस रैजोल्यू ान का अनुमोदन करता हूं और आपका धन्यवाद करता हूं जो आपने मुझे समय दिया।

चौधरी जगजीत सिंह (पाई): चेयरमैन साहब, 45वां संवैधानिक सं ाोधन हरियाणा विधान सभा में रैटिफिके ान के लिए पे ा हैं। यह बहुत अहम रैजोल्यू ान है मैं इसका समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं। चेयरमैन साहब, मुझे बडे अफसोस से कहना पडता है कि रूलिंग पार्टी के जितने भी सदस्य हाउस में बोल चुके हैं उन सभी ने यही कहा है कि जमीन का बंटवारा मुकम्मल तौर पर किया जाए ताकि हरिजन भाईयों की तरक्की हो सके। मैं भी उनकी इस बात से सहमत हूं क्योंकि गरीब भाईयों को उपर उठाने के लिए सो ालिज्म बडा जरूरी है और सामाजिक तौर पर इक्वैलिटी तौर पर उपर उठाने के लिए रैजोल्यू ान बडा जरूरी है लेकिन जो स्पीकर हाउस में बोल चुके हैं सब के सब यही कहते है कि जमींन बांट दो। जमीन तो हमने बांट दी है और जो बाकी रह गई है उसको बांटने के लिए तैयार हैं। लेकिन मैं सदन से कह देना चाहता हूं कि अकेले जमीन बांटने से हरिजनों का उत्थान नहीं होगा, अकेले जमीन बांटने से हालत नहीं सुधर सकती..... (व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। चेयरमैन साहब, रूल्ज आफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट आफ बिजनैस में प्रोवाइडिड है कि आनरेबल जो हाउस में बोलते हैं वे कुर्सी को मुखातिब करके बालें।

श्री सभातिः यह प्वांयट आफ आर्डर नहीं है। (व्यवधान)

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: चेयरमैन साहब, हरियाणा में बडे बडे कारखाने हैं वे भाई चाहे वे देहात में रहते हैं चाहे भाहर में रहते हैं जिन के पास कारखान हैं सिनेमा हाउसिज हैं बडे बड कोल्ड स्टोरेजिज हैं या आमदनी के बडे बडे जरिये है इन पर सरकार सीलिंग लगाए और हरिजन भाईयों में जमीन भी बांट दी जाए, तभी हरिजनों का कल्याण हो सकता है। (व्यवधान) इन पर सींलिग लगा कर बाकी आमदनी के जो साधन बचते हैं वह हरियाण की छत्तीस बिरादरी में बांट दिए जाए। चेयरमैन साहब, पुलिटिकल तौर पर तो हरिजन भाई उपर उठ चुके हैं इसमें कोई दो राय नहीं है। जो राठी भाई हैं वे जाट भी है और हरिजन भी है। इसी तरह पुनिया भाई जाट भी है और हरिजन भी हैं। (व्यवधान) ये तो हमसे भी उपर हो रहे हैं। चेयरमैन साहब, सामाजिक तौर पर हमारा किसी किस्म का फर्क नहीं है लेकिन इक्वैलिटी के तौर पर बहुत फर्क है.....

चौधरी हरस्वरूप बूराः आन ए प्वायंट आफ आर्डर है। मेरे दोस्त चौधरी जगजीत सिंह पोहलू ने यह कहा है कि राठी, पुनिया जाट भी है और हरिजन भी हैं। क्या वे इन सब की रिजर्वे ान चाहते हैं? व्यवधान)

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: चेयरमैन साहब, मेरी आत्मा हरिजनों के साथ है। आपको याद होगा सीवन गांव में जब हरिजनों पर गोली चली थी इस गोली काण्ड का सब हरिजनों को सारे हरियाणा को पता है वहां के जो हरिजन लीडर थे वे भाग

गए थे और जगजीत सिंह पोहलू उनकी भलाई के लिए गुरूद्वारे में डटा रहा। मेरी आत्मा हरिजनों के साथ है और इनकी मदद करने के लिए मैं हरदम तैयार हूं। लेकिन वे हरिजन भाई जो एचसीएस हैं बडे बडे ओहदो पर रह चुके हैं या मिनिस्टर रह चुके हैं वे कृपा करके इस रिजर्वे ान का सहारा न लें। इस मैदान से हट जाएं। दूसरे भाई जो गरीब हैं आम जनता में रिजर्वे ान के लिए जो डिजर्व करते हैं, छोटे मुलाजिम हैं या खेती करने वाले छोटे छोटे जमीदार है उनका पूरा पूरा ध्यान रखा जाए। जैसे तपडीवास हैं या इसी किस्म के और लोग हैं इनमें पापुले ान के आधार पर यह रिजर्वे ान बांटी जाए ताकि ये छोटी छोटी जातियां तरक्की कर सकें। चेयरमैन साहब, आपने मुझे टाईम दिया इसके लिए धन्यवाद। मैं अन्त में चौधरी भजन लाल जी से कहना चाहता हूं कि अगर वे सारी जमीन का बंटवारा कर देंगे तो मैं उनका बडा म ाकूर हूंगा।

श्री सुरेन्द्र सिंह (तो ाम): चेयरमैन साहब, संविधान के सं ाोधन के लिए , हिन्दुस्तान का पार्लियामैंट में पास हुआ बिल आज हरियाणा विधान सभा में रैटिफिके ान के लिए आया है। इस पर सदन के सम्मानित सदस्यों ने अपने अपने विचार जाहिए किए है। चेयरमैन साहब, इसमें कोई दो राय नहीं कि एक बार जब पार्लियामैंट से बिल पास हो कर इस सदन में आये, तो मेरे ख्याल में कोई भी भाई ऐसा नहीं होगा जो इसका विरोध करेगा, लेकिन पिछले दिनों हिन्दुस्तान की तमाम असैम्बली के सामने एक

सवाल आया था कि पार्लियामैंट में यह संवैधानिक पास होने के बाद जब असैम्बलीज सै रैटिफाई करवाया जाएगा तो असैम्बलीज इसको पास नहीं करेंगी। अखबारों में ऐसा बढने को मिला था कि बहुत से मुख्यमंत्रियों और प्रान्तीय सरकारों ने यह बात कही थी कि वे इस रैटिफिके ान को पास नहीं करेगी।

श्री मूल चन्द जैनः बिल्कुल गलत है। (व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र सिंहः आप अपने सीने पर हाथ क्यों रखे हुए हैं ....(व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः चेयरमैन साहब, माननीय सदस्य को सदन को गुमराह करने की कोई बात नही करनी चाहिए। माननीय सदस्य अखबारों की कटिंग पे ा करें।

श्री सभापतिः ये सदन को कोई गुमराह नहीं कर रहे हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः चेयरमैन साहब, मैं प्रार्थना करूंगा कि यह बात एक्सपंज की जाए। (ाोर)

श्री सुरेन्द्र सिंहः चेयरमैन साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी इस बात पर नाराज हो गए हैं। मैं चौधरी साहब के विचारो का स्पस्टीकरण नहीं करता, चाहे आपके विचार कुछ भी हों मै उनको सदन में नहीं कहता। आपके विचारों को कहने का हमें कोई हक नहीं है। (ाोर)

श्री सभापतिः पर्सनल एक्प ार्न नहीं होने चाहिए।

श्री सुरेन्द्र सिंहः सभापति जी, 26 जनवरी 1950 में जब हिन्दुस्तान में यह संविधान लागू हुआ तो उसमें यह प्रोविजन रखा गया था कि 10 परसैन्ट रिजर्वे ान हमारे भाडयूल्ड कास्टस और भाडयूल्ड ट्राइब्ज के भाईयों को दी जाए। न केवल विधान सभा में, न केवल हिन्दुस्तान की संसद में बल्कि उन तमाम महत्वपूर्ण औहदों में जिन पर स्वर्ण जातियों के आदमी जाएं, उन औहदों के लिये यह जरूरी समझा गया कि 10 फीसदी आदमी इन पिछडी जातियों से भी लिए जाएं। सभापति जी, आज 20 साल के बाद भी रिजर्वे ान की जरूरत महसूस हुई तो क्यो हुई? जरूरत इसलिये महसूस हुई क्योंकि जनता सरकार ने इनको नजरन्दाज कर दिया था। पंडित जवाहर लाल नेहरू और श्रीमति इंदिरा गांधी की सरकार ने इस तबके को उपर उठाने समाज के दूसरे वर्गों के बराबर लाने के लिये सारे हक–हकूक एि जिसकी उम्मीद हिन्दुस्तान के किसी आम आदमी को हो नहीं सकती थी। अगर 1977 के बाद भी श्रीमति इंदिरा गांधी हिन्दुस्तान में प्रधानमंत्री रहतीं तो भाायद आज इस सं ाोधन की जरूरत न पडती। (ाोर) जनता पार्टी के अढाई वर्श के दौरान के भाासन के दौरान हरिजनों को काफी नीचे उतार दिया गया था। (ाोर)

चौधरी सतवीर सिंह मलिकः चेयरमेन साहब, क्या ये सच कह रहे हैं कि जनता पार्टी के अढाई वर्श के भाासन के

दौरान हरिजनों को नीचे उतार दिया था या इसकी पिछली सरकार ने नीचे उतार दिया था।

श्री सुरेन्द्र सिंहः अढाई वर्श के दौरान तो आप आपस में लडते रहे। सभापति जी तमाम लोग इस बात को जानते हैं कि जो 20 सूत्रीय कार्यक्रम श्रीमति इंदिरा गांधी ने हरिजनों और पिछडे वर्ग के लिए दिया था, अगर वह पूरे का पूरा लागू हो जाता तो आज हरिजनों के लिए रिजर्वे ान की समस्या हमारे सामने न आती। सभापति जी, ये जो हमारे लोकदल के भाई हैं ये यहां बैठकर हरिजनों के लिए बोलते हैं। मुझे यह बात कहते हुए बडा दुख होता है कि अगर चुनावों के दौरान हरिजन भाईयों को अच्छी तरह से वोट डालने देते तो ..... (ाोर)

चौधरी उदय सिंह दलालः सभापति जी, माननीय सदस्य, हरिजनों के लिए जो प्रस्ताव पे ा हुआ है उस पर बोलें। वोटों का जिक्र क्यों कर रहे हैं।

चौधरी सतवीर सिंह मलिकः सभापति जी, आज तो इस बिल को रैटीफाई करने की बात थी लेकिन हमारे माननीय सदस्य चाहते हैं कि सारे हरिजनों को एक गठडी में बांध लो। इनको याद नही कि एमरजैन्सी के दिनों में जो 20 सूत्रीय कार्यक्रम लागू किया था वह हरिजनों के उपर ही लागू किया था।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः सभापति जी, इन्होंने 20 सूत्रीय कार्यक्रम को अच्छी तरह से तो पढा नही हैं। (ाोर) ये इस बात

को मानते है कि 20 सूत्रीय कार्यक्रम अगर हिन्दुस्तान में पूरी तरह से लागू कर दिया जाता तो हिन्दुस्तान में कोई पिछडा वर्ग नहीं रहता। (ाोर)

चौधरी जय नारायणः सभापति जी, चौधरी सुरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि अगर हिन्दुस्तान में 20 सूत्रीय कार्यक्रम पूरी तरह से लागू हो जाता तो हिन्दुस्तान में हरिजन नाम की कोई बच्ची नहीं रह जाती।

श्रीमति सुशमा स्वराजः सभापति जी, मेरा व्यवस्था का प्र न है। भाई सुरेन्द्र सिह जी ने अभी यहां पर पिछली अढाई वर्श की सरकार को नकारा कह करके पिछली सरकार पर एस्प र्ान कास्ट किया है। मैं उन्हें बता देना चाहती हूं कि आज जो उनके मुख्यमंत्री हैं वे उस अढाई वर्श की सरकार में भी 8 महीने मुख्यमंत्री रह चुके हैं और एक साल तक मंत्री (ाोर) आज वही मनुश्य मंत्री इनके मुख्यमंत्री हैं तो क्या मैं समझूं ि कवह अपने ही मुख्य मंत्री पर एक्प र्ान कास्ट कर रहे है।

श्री सभापतिः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

श्री सुरेन्द्र सिंहः सभापति जी, ये लोग तो आरएसएस की ब्यानबाजी करते थे। मैं यह बात किसी व्यक्ति वि ोश के लिये नहीं कह रहा लेकिन ये उस केंद्रीय सरकार की बात करते हैं जिसके समय में बेलची और पन्त नगर में काण्ड हुआ। (ाोर)

यह जो पुरानी परम्परा इन्होंने डाली हुई है, उसी बेस पर बिहार में पीपरा काण्ड हुआ है। (ाोर)

श्रीमति सुशमा स्वराजः बेलची में जो काण्ड हुआ वह तो राश्ट्रपति भाासन में हुआ था। सभापति जी, जितना श्री जय प्रका ा जी और महात्मा गांधी के नाम को इन लोगों ने एक्सप्लाईट किया है उतना किसी ने नहीं किया। (ाोर)

श्रीमति डा0 कमला वर्माः सभापति जी, इनके भाासन काल में हरियाणा के रोहतक जिले के एक गांव में हरिजनों पर अत्याचार हुए। उस समय चौधरी चांद राम जी केंद्र में मंत्री थे। अब वे कांग्रेस (आई) में चले गए हैं। (ाोर)

श्री सुरेन्द्र सिंहः सभापति जी, ये लोग बिहार की बात करते हैं। श्री जय प्रका ा नारायण ने एक बहुत बडी मूवमैंट चलाई। उसका नतीजा क्या हुआ? उसका नतीजा यह हुआ कि ये लोग इस सदन में चुन कर आ गये। सभापति जी, मैं यह बता देना चाहता हूं कि श्री जय प्रका ा नारायण जी की वजह से ऐसे लोगों को इस हिन्दुस्तान में अपना भाोरगुल करने का मौका मिल गया जिसको दे ा में कोई जानता नहीं था। आज ये बात करते हैं (ाोर)

श्री जय नारायण वर्माः सभापति जी, हमारे माननीय सदस्य सदन की गरिमा को ध्यान में न रखते हुए एक सदस्य के खिलाफ बात कह रहे हैं कि श्री जय प्रका ा नारायण..... (ाोर)

श्री सुरेन्द्र सिंहः मैंने किसी भी माननीय सदस्य के खिलाफ कोई बात नहीं कही। (ाोर)

श्री सभापतिः वर्मा जी, आप बैठिए।

श्री कन्हैया लाल पोसवालः सभापति जी, मैं आपके जरिए सब माननीय सदस्यों से निवेदन करूंगा कि हम इतना इम्पार्टेन्ट मैटर डिस्कस कर रहे हैं और आप लोग खाहमखाह की बहसबाजी में पड रहे हैं और हाउस का टाईम जाया हो रहा है। सभी माननीय सदस्य बोलना चाहते हैं।

श्री जय नारायण वर्माः सभापति जी, मेरा प्वायंट आफ आर्डर पूरा नही हुआ (ाोर)

Mr. Speaker: I disallow your point of order.

चाौधरी गगां रामः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। यह तो उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली बात हो रही है। सुरेन्द्र सिंह जी ने अभी कहा कि जय प्रका ा नारायण की मेहरबानी से ऐसे लोगों को भाोरोगुल करने का मौका मिल गया। जिनको इतिहास में कोई जानता नहीं था। मगर मैं अपने इस भाई को बताना चाहता हूं कि यदि बंसी लाल जी न होते तो असैम्बली में ** नाम भी न आता। क्या ** अपने ** कारनामों को भूल गए जो ** हरिजनों को परे ाान करने के लिए किए थे?

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः चेयरमैन साहब, मैं दरख्वास्त करूंगा कि माननीय सदस्य को * * करके जो सम्बोधित किया गया है वह हाउस की कार्यवाही से ऐक्सपंज होना चाहिए।

श्री सभापतिः वे सारे वर्डज ऐक्सपंज कर दिए जाएं।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः चेयरमैन साहब, मेरे एक साथी ने सदन में बोलते हुए कहा कि जो भाई वैल–प्लेस्ड हैं, वैल आफ है उनको रिजर्वे ान की जरूरत नहीं है। मैं इस बात के लिए उनसे बिल्कुल सहमत हूं और चाहता हूं कि जो भाई इस रिजर्वे ान के जरिए एक बार एमएलए बन जाए, एमपी बन जाए या कोई और फायदा उठा ले चाहे वह सर्विसिज में हो चाहे ऐडमि ान्ज में हो या किसी और चीज में उठाया हो तथा बडे अच्छे तरीके से अपना गुजारा कर रहा हो उसे वौलेन्टैरेली यह कहना चाहिए ि कवह आयदां इस चीज का फायदा नहीं उठाएगा। है कोई आदमी इनमें से जो यह हक सके? यहां जो भाई बैठे हैं, इन सबको इस बात का ख्याल रखना चाहिए। अगर इस बात पर अमल हो तो ज्यादा से ज्यादा हरिजन लोगों को फायदा हो सकता है। आज एक भाई को मौका मिल गया तो कल कोई दूसरा हरिजन भाई फायदा उठा सकता है। (विघ्न)

परिवहन मंत्री (श्री जगन नाथ): फिर तो एक घर से भी एक ही आदमी होना चाहिए।

श्री सुरेन्द्र सिंहः यह बात नहीं। (ाोर) सभापति जी, एक सुझाव मेरा और है। आज स्थिति यह है कि जो हरिजन भाई बुद्व धर्म या ईसाई धर्म अपना लेते हैं उन्हें रिजर्वे ान का फायदा नहीं मिलता। हमें यूनियन गवर्नमैंट को यह सुझाव देना चाहिए कि ऐसे हरिजनों को भी रिजर्वे ान का पूरा फायदा मिलना चाहिए। इन भाब्दों के साथ मैं एक बार फिर इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं।

चौधरी हरस्वरूप बूरा (महम): चेयरमैन साहब, यह जो रैजोल्यू ान सदन में पे ा हुआ है मैं इसका असमर्थन यानि विरोध करने के लिए खडा हुआ हूं लेकिन इसके बारे में मैं सरकार से एक क्लैरिफिके ान भी चाहूंगा और एक सुझाव भी देना चाहता हूं। भाई सुरेन्द्र सिंह जी अभी कह रहे थे कि अखबारों में यह आया हैं कि रैटिफिके ान की, पचास प्रति ात से अधिक असैम्बलियों से जरूरत नहीं है। क्या मुख्यमंत्री जी बताएंगे कि अगर जरूरत नही थी तो इसे रैटिफिके ान के लिए यहां क्यों लाया गया? चीफ मिनिस्टर साहब कृप्या इस बात को क्लैरिफाई करें।

चौधरी राम लाल वधवाः चेयरमैन साहब, ऐसा लगता है कि उन्होंने इसे ठीक से पढा नहीं। अगर ठीक से पढा होता तो इस तरह का क्वै चन यहां रेज न करते। इसमें लिखा है कि रैटिफिके ान की जरूरत है। (विघ्न)

चौधरी हरस्वरूप बूराः चेयरमैन साहब, संविधान पढने से पता लगता है कि कुछेक मसलों पर इसमें दो–दो बातें चली आ रही है। हरिजनों के लिये रिजर्वे ान की अवधि 10 साल तक और बढाने का जहां तक सम्बन्ध है इसके बारे में मेरा निवेदन यह है कि एक तरफ तो एक आर्टिकल यह कहता है कि हर सिटिजन के साथ समानता का व्यवहार किया जाएगा लेकिन दूसरी तरफ कुछ लोगों को खास तरह के प्रोविलेजिज दिए जा रहे है। यह बात बिल्कुल साफ होनी चाहिए कि यदि सबसे साथ समानता का व्यवहार किया जाना है तो समानता के अधिकार पर कुठाराघात नहीं होना चाहिए। मेरा इस बारे में सुझाव यह है कि रिजर्वे ान कास्ट बेसिज पर नहीं बल्कि इकनोमिक बेसिज पर होनी चाहिए। (विघ्न) चेयरमैन साहब, इसमें एक कमी मैं और महसूस करता हूं। इस रिजर्वे ान के पीछे बेसिक आइडिया वीकर सैक ांज को अप–लिफट करने का था लेकिन आज हम देखते हैं कि एक दफा जो रिजर्वे ान का फायदा उठा लेता है। जो एमपी, एमएलए और वजीर बन जाता है वह अपने आदमियों को अपने लडकों को आगे लाने की कोि ा ा करता है। इन सब भाइयों की यह जिम्मेदारी बनती है कि ये दूसरे भाइयों को भी आगे बढने का मौका दें। (विघ्न) तो मेरी यह सबमि ान है कि ये खामियां दूर होनी चाहिए। अन्त मे मैं ज्यादा न कहते हुए यही अर्ज करना चाहता हूं कि यह रिजर्वे ान ऐकचुअली एक ऐक्सैप ान थी लेकिन अब यह ऐकसैप ान न रह कर नियम बनती जा रही है। मेरी सबमि ान यह है कि यह नियम नहीं बनना चाहिए बल्कि इसे ऐक्सैप ा ही

रहने देना चाहिए। इस भाब्दों के साथ, चेयरमैन साहब, मैं अपना स्थान लेता हूं।

चौधरी जय नारायण (कलानौर अनुसूचित जाति): आदरणीय चेयरमैन साहब, मैं 45वें संवैधानिक सं ाोधन का समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं। वैसे तो सन् 1950 से लेकर सन् 1980 तक रिजर्वे ान की अवधि दस दस साल बढा करके हरिजनों को उपर उठाने का काम चालू रहा लेकिन इसके साथ ही साथ तीस साल तक कांग्रेस की हकूमत में, वि ोशकर श्रीमति इंदिरा गांधी की हकूमत में सहानुभूति के झूठे आंसू बहाने के साथ साथ हरिजनों क उपर अत्याचार भी बहुत हुए। (विघ्न)

चौधरी बीरेन्द्र सिह: चेयरमैन साहब, मेरा व्यवस्था का प्र न है। मेरे लायक दोस्त जो बोल रहे हैं उन्हें आंकडों का भी पता होना चाहिए कि जनता पार्टी के तीस महीने के राज में इतने अत्याचार हुए हैं जितने कि कांग्रेस पार्टी के तीस साल के राज में नहीं हुए थे।

चौधरी राम लाल वधवा: मुख्यमंत्री जी से पूछ लें कि जुल्म हुए थे या नहीं।

श्री कवंल सिंह: चेयरमैन साहब, हमारे माननीय सदस्य ने अभी कहा कि जनता पार्टी के अढाई साल के राज में हरिजनों के उपर इतने अत्याचार हुए हैं जितने कांग्रेस के 30 साल के राज में नहीं हुए थे। मेरा आपसे निवेदन है कि वे एक तो इस बारे में

हमें आंकडे बताएं और साथ ही यह भी बताएं कि पिछले दो महीने में इनकी हकूमत में हरियाणा में और हिन्दुस्तान के दूसरे राज्यों में हरिजनों के उपर कितने अत्याचार हुए हैं? (विघ्न)

चौधरी जय नारायणः चेयरमैन साहब, 20 परसैन्ट कोटा हरिजनों के लिये रिजर्व किया हुआ है और इस कोर्ट के तकरीबन 30 या 32 जातियां आती हैं।

श्री सभापतिः आप इस प्रस्ताव पर ही बोलिए।

चौधरी जय नारायणः सभापति महोदय, हमारे जो बाल्कीकी भाई हैं उनका भी ध्यान रखा जाना चाहिए। उनको भी रिजर्वे ान का पता लगना चाहिए। अभी पिछले साल मैं ि ाड्यूल्ड कास्टस कमेटी का मेम्बर था। उस टाईम पर हमें मालूम पडा कि क्लास वन क्लास टू और क्लास थ्री में किसी भी विभाग में 20 परसैन्ट भी कोटा पूरा नहीं है। क्लास फोर के अन्दर हमारे जो बाल्मीकि भाई है उनको कोटा पूरा कर दिया है क्योंकि उस काम को कोई अन्य जाति का आदमीस नहीं कर सकता हैं। हमारे हरिजन भाईयों के साथ भी बहुत ज्यादा बे–इन्साफी हो रही है। कहीं भी आठ, नौ या दस परसैन्ट से ज्यादा नहीं हैं सभी डिपार्टमैंट्स में रिजर्वे ान कम है। इसलिये मेरी सरकार से यह रिक्वैस्ट है कि हर विभाग में उनका कोटा पूरा किया जायें।

चेयरमैन साहब, पीडब्ल्यूडी और दूसरे विभागों में 15–15 साल से वर्क चार्ज के रूप में काफी लोग लगे हुए हैं, उनमें काफी बडी तादाद में हरिजन भी है लेकिन आज तक उनको कभी भी रैगुलर करने की बात नहीं आयी। जो व्यक्ति आज यहां बडे आसूं बहाते है कि हमें हरिजनों से हमदर्दी हैं हरिजनों के लिये बहुत ज्यादा काम करना चाहते हैं वह सब गलत बात कहते है।

श्री लहरी सिंह मेहराः चेयरमैन साहब, जय नारायण जी बडे इररैलेवैन्ट बोल रहे हैं। वे जात–पात को घटाने की बजाय बढा रहे है।

श्री सभापतिः आप प्रस्ताव पर ही बोलिए, प्रस्ताव से बाहर न जायें।

चौधरी जय नारायणः चेयरमैर साहब, मैं हरिजनों पर ही बोल रहा हूं। श्रीमति इंदिरा गांधी ने सरे दे ा के अन्दर हरिजन और दूसरे भाईयों का झगडा करा दिया, चाहे वह देहात का रहने वाला था, चाहे भाहर का रहने वाला था। सभी को यही कहा कि हम तुम को जमीन दिलायेंगे। ऐसा कह कर उनको भडकाया। जब गांवों के अन्दर किसानों के पास जमीन ही नहीं है तो हरिजनों को जमीन कहां से देंगे? (विघ्न) आप भाान्ति से सुनें। इस हकमूत से जो फायदे हुए हैं वहीं मैं बता रहा हूं। (विघ्न)

चौधरी बीरेन्द्र सिहंः चेयरमैन साहब, जो ये हरिजनों की बात करते हैं ये तो निक्कर वालों की फौज में भर्ती होकर काम करते हैं। हरिजनों के बारे में तो इनको कुछ पता ही नहीं है।

चौधरी जय नारायणः चेयरमैर साहब, आप डैटा उठा कर देख लीजिए, किसी भी विभाग में रिजर्वे ान पूरी नहीं है। क्लास वन और क्लास टू में तो खासतौर से पूरी नहीं की गई?

चेयरमैन साहब, मैं आप से नसबन्दी के बारे में क्या कहूं, वह तो बडी दुखभरी कहानी है। पिछले सालों में सब से ज्यादा नसबन्दी किसी जाति की हुई है तो वह हरिजनों की हुई है। (विघ्न) इन भाब्दों के साथ मैं इस 45वें सं ाोधन का समर्थन करता हूं।

चौधरी बीरेन्द्र सिह (उचाना कलां): चेयरमैन साहब, मैं संवैधानिक सं ाोधन जो रैटिफिके ान के लिए यहां हाउस में आया है उसका समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं। इस सं ाोधन के द्वारा संविधान में दस साल के लिए रिजर्वे ान और बढायी जा रही है। यह रिजर्वे ान उन लोगों के लिये बढायी जा रही है। जो हजारों सालों से इस समाज के उन पैगम्बरों द्वारा, जो समाज में उंचा स्थान रखते है हमे ाा कुचले जाते रहे हैं। जब हरिजनों की ि ाक्षा की बात आयी तो उनके चारों और किले बन गये उनको दाखिल ही नहीं होने दिया। जब मन्दिरों में घुसने

की बात आयी तो उनको मंदिरों में नहीं घुसने दिया। जब सम्पति के अधिकार की बात आयी तो उनको सम्पति अधिकार से भी महरूम रखा गया। अब चेयरमैन साहब, यह बात सोचने और विचारने की है कि तीस साल तक रिजर्वे ान होने के बाद भी उनको पूरी सहूलियतें नहीं मिल पायी। उनका जो रिजर्वे ान का कोटा था वह भी पूरा नहीं हो पाया। इस बात के लिए कौन जिम्मेवार है? विरोधी पक्ष में चालीस सदस्य बैठे हुए है। उनमें से केवल पांच सदस्य ही इसके फेवर में वोट देंगे। आप सभी सीक्रेट बैलेट करवा कर देख लें पांच या छह आदमी फेवर में वोट डालेंगे वर्ना सभी इस सं ाोधन के विरूद्ध वोट डालेंगे। बहिन सुशमा जी भी ऐसी ही पार्टी से सम्बन्ध रखती रही हैं उनकी विचारधारा भी ऐसी ही रही है। और चौधरी गंगा राम जी भी ऐसी विचारधारा और पार्टी से सम्बन्ध रखते है।

चेयरमैन साहब, मैं इस बात का समर्थन करता हूं कि यह रिजर्वे ान सही है और दस साल के लिए बढायी जानी चाहिए। अभी हमारे एक साथी कह रहे थे कि हम सौ साल की गारन्टी देते हैं कि यह रिजर्वे ान रहनी चाहिए। इस का मतलब यह हुआ कि वे गरीब लोग आगे भी पिसते रहें। चेयरमैन साहब, इन्दिरा जी ने जो बीस सूत्रीय कार्यक्रम बनाया था वह हरिजनों के फायदे के लिए बनाया था। सन् 1976 में बीस सूत्रीय कार्यक्रम के तहत जिन हरिजनों को प्लाट दिये गये थे या जमीन दी गयी थी वह उनसे जनता राज आने के बाद छीन ली गई।

चौधरी राम लाल वधवाः बीस सूत्रीय कार्यक्रम तो इन्दिरा गांधी जी का था इसमें आप चार सूत्रीय संजय जी का भी तो भाामिल करो।

श्रीमति डा0 कमला वर्माः चेयरमैन साहब, माननीय सदस्य अपने मन की बात दूसरे सदस्यों पर नहीं थोप सकते। वे यह कैसे कह सकते हैं कि चालीस में से केवल पांच सदस्य ही इसके हक में वोट देंगे। मैं उनको यह बताना चाहूंगी कि अगर यह बीस सूत्रीय और पांच सूत्रीय कार्यक्रम चलता तो ये हरिजन ही नहीं करते और इनके सारे काम सिद्ध हो जाते। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, लोकसभा और राज्यसभा के अन्दर इस सं ाोधन पर जो डिबेट हुई है उससे साफ जाहिर है कि लोकसभा और राज्यसभा में इस बिल पर सभी पार्टियों के सदस्यों का एक मत था कि इस रिजर्वे ान की अवधि 10 साल तक और बढा दी जाये और सभी दलों के सदस्यों ने इस सं ाोधन बिल को सर्वसम्मति से पास किया है। दोंनो सदनों के अन्दर सभी दलों के सदस्यों की यह मन् ाा थी कि जो समाजा का गरीब अंग है। जिनका हमे ाा भाोशण होता रहा है जिनके अधिकार छीने जाते रहे हैं जिनको अपना हक प्राप्त नहीं होता है, उन को पूरा हक दिया जाये। इसी बात को मद्देनजर रखते हुए इस आरक्षण की अवधि 10 साल तक और बढाई गई है। अध्यक्ष महोदय, बात विचारने की यह है कि आज भी समाज के अन्दर जो

ठेकेदार लोग उनसे हरिजनों को बचाने के लिए यह 45वां संवैधानिक सं ाोधन रैटिफिके ान के लिए यहां पर पे ा किया गया है। उन लोगों ने हमे ाा ही एक सिस्टेमैटिक ढंग से हरिजनों के उत्थान में बाधा डालेन की कोि ा ा की है। अध्यक्ष महोदय, वे ऐसे लोग हैं जो समाज के अन्दर पोलिटिकल पार्टी को खडा करना चाहते हैं चाहे वे स्वतंत्र पार्टी के हो चाहे राश्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के हों (विघ्न)

डा0 मंगल सैनः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। आनरेबल मैम्बर को आरएसएस के दावे के बारे में फोबिया हो गया है। इसलिए इनको इलाज के लिए मैन्टल अस्पताल में भेजा जाना चाहिए। (विघ्न)

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, डाक्टर साहब को ही भेजा जाना चाहिए। मैं दावे के साथ कहना चाहता हूं कि चौधरी चान्द राम जी को ि ाक्षा देने में हमारे खानदान का सबसे बडा हाथ रहा है। यह वे लोग है जो आज तक गरीब हरिजनों पर अत्याचार करते आए हैं। उनके हमे ाा खिलाफ ही रहे हैं लेकिन आज वोट लेने के लिये और उनको खु ा करने के लिए इस रैटिफिके ान की स्पोर्ट में बोल रहे है।

चौधरी हरिचन्द हुडडाः सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मेरे दोस्त ने हरिजनों के उत्थान के बारे में कहा कि उनके खानदान पर बडा हाथ रहा है। मैं तो कहूंगा कि वे खानदान का

नाम ले लें क्योंकि वे गलत जगह पर खडे हैं। यह बात तो मैं कह सकता हूं।

Mr. Speaker: Hooda Sahib, this is not a point of order. Please sit down.

चौधरी सतबीर सिंह मलिकः आन ए प्वायंट आफ आर्डर पर। अभी माननीय दोस्त ने हरिजनों के बारे में काफी बडी वकालत की है लेकिन वे उस समय को भूल गये जब कांग्रेस के राज में 27 हजार हरिजनों ने इंदिरा गांधी की नाक के सामने गिरफ्तारी दी थी।

Mr. Speaker: Malik Sahib, your point of order is over-ruled. This is not a point of order. Please sit down.

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अभी जो मलिक साहब ने .... (विघ्न)

Mr. Speaker: Ch. Birinder Singh Ji, I would request you to please stick to the subject matter under discussion.

Comrade Shankar Lal: On a point of order, Sir..... (Interruptions).

Mr. Speaker: Shri Shankar Lal ji, please sit down. The hon. Member may please carry on.

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, अभी विशय के माननीय नेता बाबू मूल चन्द जैन जी ने बिलकुल ठीक फरमाया था कि जब तक इस समाज का वह अंग जो अपने आप को बडा

समझता हैं और इस समय पर डोमीनेट करता हैं वह अपने दिल और दिमाग में हरिजनों की भलाई करने के लिए सिर्फ पोलिटिकल ऐंगल से ही न सोचें दूसरे पहलुओं को भी ध्यान में रखना चाहिए। गरीब हरिजन और आदिवासी लोगों को हर दृश्टिकोण से उपर उठाने की सोचें कि उनका भी समाज में कुछ उंचा दर्जा हो और ऐसी बात तभी हो सकती हैं जब उनका उत्थान होगा। संविधान के अन्दर जो अवधि बार बार 10–10 वर्शों के लिए बढाई जा रही है इसकी बढाने की आव यकता नहीं रहेगी। इन 10 सालों के अन्दर पिछडी हुए जातियों, हरिजनों और आदिवासियों का उद्धार होगा जो सदियों से समाज के अन्दर पिछडे रहे हैं। अगर इस परिवर्तन में दूसरे वर्ग हरिजनों के साथ हमदर्दी नहीं रखते हैं तो गरीब आदिवासियों को उनके अपने अधिकार नहीं मिल सकते। हम चाहते हैं कि वे आगे आने वाले इन दस सालों में इतने भाक्ति ाली हो जायें कि अपने अधिकारों को स्वयं छीन सकें। मैं इन भाब्दों के साथ इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

चौधरी संत कंवरः चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने अभी जो खानदान की बात कही थी वह नहीं करनी चाहिए। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी और चीज है। उनमें और सर चौधरी छोटू राम में बडा अन्तर है। चौधरी छोटू राम गरीबों के रहनुमा थे। इसलिए वह बात रिकार्ड से निकाल दें।

चौधरी हरिचन्द हुडडा (किलोई): स्पीकर साहब, आर्टिकल 368 के अधीन जो प्रस्ताव हाउस के सामने आया हैं यह बडा सुन्दर है और इस में लिखा है कि हरिजनों के लिये यह रिजर्वे ान 10 साल की और बढाई जाती है। पिछले 30 सालों से यह अवधि बढाई जाती रही है और अब अगले 10 साल के लिए और बढा रहे हैं जिस के लिए यह प्रस्ताव हाउस में पे ा हुआ है। सभी एमपीज ने तथा एमएमएज ने इसका समर्थन किया है लेकिन इसकी जो इन्टैन् ान है उस पर कभी विचार नहीं किया गया। अब तक सारे हिन्दुस्तान में हरिजन आदिवासी तथा पिछडी जातियों के भाई हमे ाा रोते रहे और जो व्यक्ति एमएलएज और एमपीज रहे वे उनके लिये बोलते रहे हैं परन्तु पता नहीं उनका बोलने का मि ान क्या हैं? थ्यौरी और प्रैक्टिकल में अन्तर है यानी कथनी और करनी में फर्क है। यह अन्तर हमे ाा भ्रश्टाचार पैदा करता है। कथनी और करनी में जो फर्क है यह क्यों रहे? इस फर्क के बारे में मैं अपनी तरफ से कुछ नही कहूंगा और न ही मैं किसी पार्टी के खिलाफ कुछ कहूंगा क्योंकि मेरा इस सम्बन्ध में किसी पार्टी से कोई वास्ता नहीं है मेरे दोस्तों ने जो प्रस्ताव पे ा किया है उस प्रस्ताव का किसी पार्टी से ताल्लुक नही है। उंची जातियों का नाम लेने वाले लोग डा0 अम्बेदकर का नाम नही लेते । मैं बताना चाहता हूं कि डा0 अम्बेदकर ही भारत का संविधान बनाने वाले थे बे ा कवे हरिजन जाति में पैदा हुए। इतने महान व्यक्ति को भारतवर्श के लोग अभी तक उतना मान नहीं दे पाये हैं जितना दिया जाना चाहिए था। यदि डाक्टर अम्बेदकर किसी अन्य

दे ा में पैदा हुए होते तो वे एक बहुत ही महान इन्सान होते। मैं डा0 अम्बेदकर को एक बहुत ही महान आदमी मानता हूं। 17.00 बजे स्पीकर साहब, विधान में जो कुछ लिखा है उसको थ्योरी में तो बडा सुन्दर मानता हूं और वक्ता भी इस बात पर बडे सुन्द ढंग से बोलते रहे है परन्तु इन–प्रैक्टिस बडा भारी फर्क है। भारत के सारे हरिजन ही नहीं बल्कि हिन्दुस्तान का महान आदमी डाक्टर अम्बेदकर जो कि इस विधान के विधाता है और जिन्होंने यह आर्टिकल लिखा है उन्हें भी भाक था कि वे उंची जाति के लोग इन हरिजनों को अपने साथ नहीं रख सकेंगे। स्पीकर साहब, उन्होंने अपनी एक किताब जिनका नाम गांधी और कांग्रेस ने अछूतों का क्या किया है के पेज 10 पर यह लिखा है मुझे यह भाक है कि हिन्दु जाति के, उंची क्लास के ये पुजारी और व्यापारी जो सदा से ही इन गरीबों को ऐक्सप्लाएट करते चले आ रहे थे, इन्हें लालच देकर अपनी झोली में रख लेगें। इसी किताब के पेज 172 पर उन्होंने रोते हुए लिखा है। * *

श्री भाम ोर सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर स्पीकर साहब, सह किताब क्या है और किसने लिखी है, इनके बारे में मुझे पता नहीं है। मैं चाहता हूं कि बापू के बारे में जो कुछ कहा गया है वह कार्यवाही से एक्सपंज होना चाहिए।

Mr. Speaker: I do not think, there is any thing derogatory.

श्री भाम ोर सिंहः स्पीकर साहब, महात्मा गांधी के बारे में जो एक्प र्न किया गया हैं वे भाब्द ऐक्सपंज होने चाहिए।

Mr. Speaker: If there is anything derogatory, it will be expunged.

चौधरी हरिचन्द हुडडाः स्पीकर साहब, मैं महात्मा गांधी के बारे में कुछ नहीं कह रहा हूं। डाक्टर अम्बेदकर ने जो कुछ लिखा है वह मैं पढकर बता रहा था। महात्मा गांधी उंची जाति के रहनुमा थे और पिछडी जाति के रहनुमा डा0 अम्बेदकर थे। स्पीकर साहब, मैंने अपनी तरफ से कुछ नहीं कहा है। मैं कहना चाहता हूं कि अगर हरिजनों को अपने ह्कूक लेने हैं तो ह्कूक मांगने से नहीं मिलते हैं और इसके लिए हरिजन एमएलएज और एमपीज में इतना तगडापन चाहिए जितना कि सर छोटूराम में था। 1935 में सर भाादीलाल ने एक किसान को अपने फैसले में कमीन लिखा था। उदसका उत्तर चौधरी छोटूराम ने यह दिया था कि हम मैले कमीन है और आप उजले कमीन हो। बाकी कमीन दोनों ही है क्योंकि दे ा गुलाम है। स्पीकर साहब, 1947 में मि0 चर्चिल ने जबकि हिन्दुस्तान को आजादी दी जा रही थी उस वक्त मि0 ऐटले को मुखातिब करते हुए उन्होंने कहा था कि मि0 ऐटले जिन लोगों के हाथ में यह हकूमत सौंप रहे हो ये पुजारी और व्यापारी.....

श्री अध्यक्षः अब आप वाईड–उप कीजिए।

चौधरी हरिचन्द हुडडाः स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि पुजारी और व्यापारी नीयत के आदमी इस अस्सी फीसदी

हिन्दुस्तान की आबादी को जिसमें गरीब किसान और मजदूर रहते हैं के गो त और पो त को नोंच नोंच कर खा जाएंगे और यह दे ा गुरबत की हड्डी का पिंजरा रह जाएगा (घंटी)। स्पीकर साहब, बस मैं अभी खत्म करने वाला हूं। स्वामी श्रद्धानन्द ने बहुत दिनों पहले एक चेतावनी दी थी और उन्होंने कहा था कि ए कांग्रेस वालों। अगर हमने अपने इस इखलाक को उंचा न किया तो आजादी मिलने के बाद भी हम दे ा को इखलाकी फील्ड में इतना गिरा देंगे कि यह दे ा गुलामी से भी बदतर हो जाएगा। स्वामी जी ने यह बात 1923 में कांग्रेस सै ान को इस्तकबालिया कमेटी के सदर ही हैसियत से कही थी। (घंटी) मैं कांग्रेस वालों को कहना चाहता हूं कि अगर हमने अपना इखलाक उंचा न किया तो दे ा नश्ट भ्रश्ट हो जाएंगे। स्पीकर साहब, मैं जल्दी ही खत्म करने वाला हूं। सिर्फ एक बात कहना चाहता हूं कि अगर हिन्दुस्तान के हरिजन भाई कम्यूनिस्ट हो जाते तो उनकी इस हालत न होती। पिछले तीस साल के कांग्रेस के भाासन में इनकी जो हालत हुई है। अगर हमारी हकूमत आ जाए तो उनकी यह हालत नहीं होगी। हमारी हकूमत आ जाएगी तो भारत के अन्दर कोई जाति पाति नहीं रहेगी और हमसे इनका जितना भला हो सकेगा, उतना भला करेंगे। स्पीकर साहब, मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का टाईम दिया है।

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौंद): स्पीकर साहब, मैं आपका भाुक्रिया अदा करता हूं कि आपने मुझे इस रेजोलू ान पर बोलने

का मौका दिया है। माननीय सदस्यगण जो हर पार्टी से ताल्लुक रखते हैं बहुत कुछ इस रेजोलू ान के बारे में कह चुके हैं और ऐसे समय में मेरा नम्बर आया है जिस समय मेरे पास कहने के लिये बहुत कम बचा है फिर भी मैं दो चार बातें कहना चाहूंगा। स्पीकर साहब, मैं कहना चाहता हूं कि यह रेजोलू ान बडा सिम्पल और साधारण था लेकिन कुछ माननीय सदस्यों ने इसको पोलिटीक्लाइज करने की कोि ा ा की। रूलिंग पार्टी की तरफ से ऐसा किया जाना उचित नहीं। आज सब से पहले लोकदल के एक माननीय सदस्य बोले जनता पार्टी के सदस्य बोले और उनकी तरफ से ऐसी बातें कही जा चुकी थी कि हम यूनानिमसली इस सारी बात को रैटिफाई करना चाहते हैं। स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि पिछले तीस साल से कांग्रेस की हकूमत रही है और इन्होंने अपने भाासन काल में हरिजनों के लिए कुछ नहीं किया। अगर ये कुछ करते है तो आज यह नौबत नहीं आती। अगर इन कांग्रेस वालों की कुछ करने की विल होती या ये कुछ करना चाहते तो आज रिजर्वे ान की मियाद बढाने की जरूरत न थी (व्यवधान) स्पीकर साहब, मैं तो केवल इतना कहना चाहता हूं और सदन के सामने अपने यह विचार रखना चाहता हूं कि अगले दस साल में क्या यह समस्या हल हो जाएगी। यही बात चौधरी जगन नाथ ने पूछी थी और चौधरी लहरी सिंह कह रहे थे कि सौ साल होनी चाहिए मैं कहता हूं कि यह बात बिल्कुल गलत है। मैं कहना चाहता हूं कि हमें कोि ा ा करनी चाहिए .....

श्री लहरी सिंह मेहराः स्पीकर साहब, मैं माननीय सदस्य से यह पूछना चाहता हूं कि जिस पार्टी के आप ठेकेदार हैं उस पार्टी ने यूपी में क्यों फैसला किया था कि रिजर्वे ान खत्म होनी चाहिए।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं तो अपनी पार्टी का वर्कर हूं ठेकेदार तो ये है। हम पार्टी में वर्कर हैं ठेकेदार तो इनकी पार्टी में हैं (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी संत कंवरः स्पीकर साहब, ... (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः संत कवंर जी, आप बीच में इंट्रप्ट न करें।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इन बातों का समाधान क्या हैं? 30 सालों की रिजर्वे ान करने के बावजूद आज हम इन लोगों को उपर क्यों नही उठा सकें? इस प्रकार की जो समाज विरोधी बीमारी है इसको हम जड से क्यों नहीं उखाड सके? मेरे विचार में इस बीमारी को दूर करने के लिए दो तीन हल होने चाहिए जिनके बारे में मैं यहां पर बताना चाहता हूं कि यह बीमारी सदा के लिए दूर हो सके। स्पीकर साहब, सब से पहली बात तो यह है कि हमारे दे ा के अन्दर जितने भी कानून हरिजनों के लिए हैं जब तक उनका सख्ती से लागू नहीं किया जाएगा जब तक यह बीमारी दूर नहीं हो सकेगी। स्पीकर साहब, मैं भी एक वकील हूं। मैंने कभी भी कचहरियों में अन–टचेबिलिटी एक्ट के नीचे

कोई केस पिछले 18 सालों के अन्दर नहीं देखा। इसलिये सरकार को इस एक्ट को सख्ती से लागू करना होगा तभी अन–टचेबिलिटी की बीमारी जो यहां फैल रही हैं उसको जड से उखाडा जा सकेगा। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: No interruptions please.

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इस वक्त हमारे दे ा में 9–10 लाख मन्दिर है और उन में लगभग 15–20 लाख के करीब पुजारी हैं। इन मंदिरों में अन–टचेबिलिटी का खूब प्रचार हो रहा है। सरकार को चाहिए कि हमारे दे ा के जो कानून है उनको सख्ती से लागू किया जाए ताकि अन–टचेबिलिटी जैसी बीमारियों को सदा सदा के लिए जड से उखाडा जा सके और हम अपने हरिजन भाईयों को उपर उठा सकें।

स्पीकर साहब, इससे अगली बात यह है कि जब तक किसी वर्ग या जाति की माली हालत अच्छी नहीं होगी तब तक वह जाति या समाज पिछडा ही रहेगा। इसलिये सरकार को उसकी माली हालत की तरफ भी पूरा ध्यान देना चाहिए। अब इससे आगे आप लैण्ड रिफार्मज की बात को ही देख लीजिए। जो सरप्लस जमीन हरिजनों को दी जानी थी उस पर अभी तक भी सरकार की ओर से कोई कार्यवाही नहीं की गई है। इससे हमारे हरिजन भाईयों में बडा रोश है। इस तरफ भी सरकार को अव य ध्यान देना चाहिए।

स्पीकर साहब, कांग्रेस सरकार ने हरिजनों को जमीन देने का लालच देकर गांव में फूट पैदा कर दी। हरिजन भाईयों ने कभी सरकार से इस बात की मांग नहीं की कि उन्हें पैट्रोल पम्प दिये जाएं, गैस की एजैन्सियां दी जाएं, सिनेमा हाल के लाईसैंसिज दिए जाएं हालांकि इंडस्ट्रीज के परमीट वगैरह सरकार ही देती है। इंस्ट्रीज में हरिजनों की रिजर्वे ान होनी चाहिए ऐसी पिछली कांग्रेस सरकार ने नहीं किया था बल्कि इंडस्ट्रीज के बारे में हमारी चौधरी देवीलाल जी की सरकार ने यह पालिसी बनाई थी कि रूरल इम्पलाइड हों होने चाहिए और उन तीनों नवयुवकों में एक हरिजन युवक जरूर होगा। (तालियां) अब यह सरकार इन सारी बातों की ठेकेदारी अपने उपर लेती है। रैटीफिके ान के लिये उपर से आर्डर आ गये हैं कि हम यह करना चाहते हैं आप भी करो।

Mr. Speaker: Please wind up, Chaudhri Sahib.

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, सिर्फ दो मिनट और लूंगा। आज अन–इम्पलायमैंट इस दे ा में फैल चुकी है जिसको सारी जिम्मेवारी पिछली 30 सालों से चली आ रही कांग्रेस सरकार की है। हमें इस अन–इम्पलायमैन्ट का कोई न कोई हल अव य ढूंढना होगा। अगर अन–इम्पलायमैन्ट का कोई हल न ढूंढा गया तो इस दे ा का प्रजातन्त्र बिल्कुल खतरे में पड जाएगा। इस तरह से दे ा का सब पार्टीज का यह फर्ज है कि दे ा को अगर उंचा उठाना है। तो सब से पहले इसकी माली हालत को सुधारा

जाए, उसके बाद अन–इम्पलायमैन्ट को दूर किया जाएं तभी हम हर प्रकार से पिछडे तथा हरिजन वर्ग के जो लोग हैं उनको उंचा उठा सकेंगे और तभी हम इस काम को जो हमने 10 साल में करना हैं 5 साल में ही कर पाएंगे। स्पीकर साहब, मैं अपने और अपने दल की तरफ से इस बात का वि वास दिलाता हूं कि हमारी पार्टी इस काम के लिये किसी भी प्रकार की कसर नहीं छोडेगी ताकि गरीब लोग जो पिछडे वर्ग के हैं उनको उपर उठाया जा सके। इन बातों के साथ मैं इस का समर्थन करता हुआ अपना स्थान लेता हूं और आपका धन्यवाद करता हूं कि आप ने मुझे बोलने का समय दिया।

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): माननीय अध्यक्ष महोदय, पिछले दो घण्टे से ज्यादा समय से इस रैटीफिके ान बिल के उपर इस सदन में बहस हो रही है। अच्छा होता कि माननीय सदस्य इस मामले को इस रैटीफिके ान की हद तक ही रखते लेकिन कुद सदस्यों ने तो इसमें पोलिटिक्स घसीटने की कोि ा ा की है। ऐसा नहीं होना चाहिए था। अध्यक्ष महोदय, जहां तक मैं समझता हूं कि हमारे दे ा के महान नेताओं ने जैसे परम पूज्य राश्ट्रपिता महात्मा गांधी जी ने पंडित जवाहर लाल नेहरू जी ने डा0 अम्बेदकर और डा0 राधा कृश्णन जी ने बहुत गहराइयों के साथ सोच विचार करके इस दे ा के संविधान को बनाते समय हर पहलू को ध्यान में रखा। हर प्रकार से हर जाति के कमजोर और पिछडे वर्गों का ध्यान रखा और समाज के सब से

पिछडे हुए जो अंग है उनको उपर उठाने के लिये इस तरह की प्रोवीजन की। अगर समाज का एक अंग पिछडा रहेगा तो वह समाज उपर नहीं उठ पाएगा और छिन्न भिन्न हो जाएगा। जैसा कि अभी श्री जैन साहब ने कहा कि जंजीर को एक कडी कमजोर हो तो काम नहीं बन सकता। उसी प्रकार से जब तक समाज के कमजोर और पिछडे वर्गो को उपर नहीं उठाया जाता तब तक दे ा भी कभी आगे नहीं बढ सकता, तरक्की नही कर सकता। दे ा के नेताओं ने बडी सूझ बुझ के साथ इस दे ा के संविधान को बनाया है।

अध्यक्ष महोदय, मुझे यह सुनकर बडा खेद हुआ जब एक हरिजन मेम्बर ने यह कहा कि कांग्रेस ने अपने पिछले 30 सालों के अर्से में हरिजनों के लिये कुछ नहीं किया। यह बात उन्होंने बडी ज्यादती की कही।

अध्यक्ष महोदय, यह पता है कि दे ा आजाद होने से पहले कितने लोगों को वोट देने का अधिकार था। गांव में बडी मु कल से एक दो आदमियों के वोट हुआ करते थे। जो लोग मालगुजारी या इन्कम टैक्स पे किया करते थे उनको वोट देने का अधिकार होता था पर हमारे माननीय नेताओं ने संविधान बनाकर हरके समाज के हर वर्ग को पूरे अधिकार प्रदान किये और इस दे ा में किसी वर्ग को भी अपने अधिकारों से वंचित नहीं रखा गया। मौलिक अधिकार प्रदान किये गये। हर गरीब तबके के वर्ग को हमारे संविधान के अन्दर भाामिल किया गया, सदस्यता प्रदान

की गयी और हर प्रकार से हर सभंव कोि ा ा की गयी कि हरिजनों और पिछडे वर्गो को हर प्रकार से उपर लाया जाए। इस से संविधान जब 1950 में लागू हुआ तो सबसे पहले 10 साल के लिये यह रिजर्वे ान की गई और जैसे जैसे यह देखा गया कि अभी समाज के पिछडे वर्ग उपर नहीं उठे है तो फिर 10–10 साल के लिए इस रिजर्वे ान की अवधि बढाते गये। अब यह अवधि 1980 को समाप्त हो रही थी लेकिन सरकार ने यह महसूस किया कि अभी भी पिछडे वर्ग पूरी तरह से समाज में उपर नहीं उठ पाएं हैं इसलिये इस अवधि को अगले 10 साल तक के लिये बढाया गया ताकि पिछडे वर्गो को भी दूसरे लोगों के स्तर के मुताबिक उंचा उठाया जा सके। अध्यक्ष महोदय, इसीलिये हमारे दे ा के दोनों सदनों, लोकसभा व राज्य सभा में यह बिल रैटीफिके ान के लिये यहां स्टेटों के पास भेजा ताकि हम इसकी रैटीफिके ान करके पास करके सेन्टर के पास भेजें और फिर से यह लोग रखा जाए ताकि हरिजनों को अगले 10. सालों के लिये और सुविधाएं प्रदान की जा सके। अध्यक्ष महोदय, यहां पर एक दो बातें मैं और भी कहना चाहता हूं। कुछेक सदस्यों ने कहा कि हरिजनों के साथ बडी बडी ज्यादतियां हुई है। इस बारे में कितना जहर लोकदल के इन लोगों ने इस चुनाव में फैलाया है वह आप जी अच्छी प्रकार से जानते हैं। मुझे यह कहना तो नही चाहिए था लेकिन कह देता हूं कि किस तरह का वातावरण इन्होंने इलैक ान मैं पैदा कर दिया था, यह आप सभी जानते हैं और आज से उनके प्रति मगरमच्छ के आंसू बहा रहे हैं। गरीब आदमियों को लोकदल ने

इलैक ान में वोट नहीं डालने दिया, इससे बुरी बात उनके साथ और क्या हो सकती है.....

चौधरी गंगा रामः जब इलैक ान था तो आपसे ही तो उनको जेलों में ठोका था?

चौधरी भजन लालः कोई भी आदमी जो कानून को अपने हाथ में ले लेगा लेकिन खिलाफ तो कार्यवाही की ही जाएगी। (व्यवधान)

चौधरी गंगा रामः इन्होंने 100 आदमियों को वोट नहीं डालने दिया, जेल में डाल दिया गया (व्यवधान)

श्री कंवल सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री महोदय ने गांधी जी का जिक्र किया है। मैं उन्हें कहना चाहता हूं कि उस कांग्रेस से तो इनका कोई सम्बन्ध नहीं था, आज वाली कांग्रेस से तो इनका सम्बन्ध हैं दूसरी बात यह है कि इन्होंने लोकदल पर इल्जाम लगाया कि वोट नहीं डालने दिया। लेकिन पर इल्जाम नहीं लगाया जा सकता क्योंकि हकूमत इनकी थी। (व्यवधान) अगर एन्क्रोचमैंट हुई है तो इसकी जिम्मेदारी इनकी थी ..... (व्यवधान)

Mr. Speaker: This is a matter of opinon and not a point of order. (Interruptions)

चौधरी भजन लालः अगर हकूमत इनकी होती तो भाायद कोई गरीब आदमी या हरिजन एक वोट भी नहीं डाल

सकता था, ऐसी हालत पैदा कर दी थी इन्होंने जिसका अन्दाजा लगाना कठिन है। (व्यवधान)

श्री कवंल सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर ...(व्यवधान)

चौधरी भजन लालः जो हकीकत है वही आपके सामने बता रहा हूं और हकीकत को आपको मानना चाहिए। (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जिस ढंग से इन्ट्रपट किया जा रहा है यह हाउस को भाोभा नहीं देता, इससे हाउस की डिगनिटी नहीं बढती। (व्यवधान) कृप्या हाउस की डिगनिटी बढने दीजिए आप साहिबान को खूब टाईम बोलने के लिये मिला है अब इनको (चौधरी भजन लाल जी को) बोलने दीजिए। (व्यवधान)

चौधरी गंगा रामः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, लोकदल पर इन्होंने जो इल्जाम लगाया है। यह गलत है। इन्होंने खुद बूथ–कैपचरिंग की है और वोट नहीं डालने दी।

श्री अध्यक्षः यह प्वायंट आफ आर्डर नहीं है। (व्यवधान)

चौधरी गंगा रामः मैं बताना चाहता हूं कि रायबरेली में राजनारायण का सर फोडा था इनहोंने वोट नहीं डालने दी (व्यवधान एवं भाोर)

Chaudhri Sant Kanwar: On a point of order, Sir

Mr. Speaker: Please take your seat.

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, मैं सीएम साहब से कहना चाहता हूं कि जो विशय इस वक्त हाउस में चल रहा है इसके बारे में कोई बात न कहें तो अच्छा है। (व्यवधान)

चौधरी भजन लालः आप ठीक कहते हैं मैं इस विशय पर जाना ही नहीं चाहता था लेकिन कुछ माननीय सदस्यों ने प्र न उठाया था इसलिये इसका जबाव देना मेरे लिये निहायत जरूरी था। मैं अब इस प्वांइट को टच नहीं करूंगा। वैसे मैंने कोई गलत बात नही कही है, हकीकत वही हैं जो गरीब आदमियों के हित की बात करते है और दूसरी तरफ उनको वोट भी न डालने दें, इससे बुरी बात और क्या हो सकती है, अब मैं इस पर बात नहीं करूंगा क्योंकि मैं इस कंट्रोवर्सी में पडना नहीं चाहता। (व्यवधान) स्पीकर साहब, मेरे साथियों ने दूसरी बात छूआछूत के बारे में कही और इसके साथ ही साथ यह कहा कि हरिजनों के साथ ज्यादतियां की है। हरियाणा प्रान्त में अगर किसी आदमी ने हरिजन के साथ छूआछूत वाली कोई बात की या किसी हरिजन को भी पिटने की हरकत की तो उस आदमी के साथ सख्ती के साथ निपटा जाएगा।

स्पीकर साहब, दूसरा सवाल है हरिजनों में सरप्लस जमीन को बांटने का। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जितनी सरप्लस जमीन निकलेगी उसको जल्दी से जल्दी निकलवाकर गरीब आदमियों को बांटने की चेश्टा की जाएगी। दो साल चौधरी देवी

लाल जी मुख्यमंत्री रहे। हमने बार बार उनको कहा कि सरप्लस जमीन को निकलवाकर बंटवाना चाहिए .....

चौधरी संत कंवरः आन ए प्वाइंट आफ आर्डर।

Mr. Speaker: Ch. Sant Kanwar, you are constantly interrupting the proceedings. This is not fair. I am warning you that you should remain within the bounds of propriety.

चौधरी भजन लालः मैं जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं कि जिन लोगों ने सरप्लस जमीन दबा रखी है उसको जल्दी से जल्दी निकलवाकर गरीब लोगों में बांटने की पूरी कोि ा ा करेंगे। (व्यवधान) जरूर बांटेगे।

चौधरी राम लाल वधवाः यह कोि ा ा तो पिछले तीन सालों से चल रही है, आप बांट दे। (व्यवधान)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, प्रधामंत्री महादेय पर इल्जाम लगाया गया कि बिहार प्रान्त के पीपरा गांव में हरिजनों पर अत्याचार हुआ है। मैं सदन को बताना चाहता हूं कि ज्यों ही प्राईम मिनिस्टर साहिबा को इस बात का पता लगा, गृहमंत्री जी फौरन हवाई जहाज के जरिये वहां पर गए, सारे हालात का जायजा लिया और जिन लोगों ने कायदे कानून की खिलाफवर्जी की, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करने का हुकम दिया। (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आज की सरकार ने हरिजनों के लिए बहुत कुछ किया लेकिन इन हरिजनों में एक बहुत ही पिछडा हुआ

वर्ग है जिसको बालमिकी वर्ग कहते है। इस सरकार ने इस वर्ग को उंचा उठाने के लिए वि ोश ध्यान दिया है और 50 रूपए महीना इनकी तनखाह बढा दी है। पिछली सरकारों ने पांच रूपये सात रूपये बढायें होगे लकिन एकदम 50 रूपए की बढौतरी करना इस सरकार का काम है और यह कोई मामूली बात नहीं है। (व्यवधान)

चौधरी राम लाल वधवाः जिस सरकार ने यह बढौतरी की है वह तो जनता सरकार थी, आपकी सरकार नहीं थी (व्यवधान)

चौधरी भजन लालः वह तो चौधरी भजन लाल की सरकार थी। (व्यवधान)

Chaudhri Ram Lal Wadhwa: At that time you were representing Janata Government.

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, समाज का पिछडा वर्ग जो सडकों और कारखानों में काम करता हैं उन से ज्यादातर हरिजन भाई है.....

चौधरी राम लाल वधवाः यह काम तो जनता सरकार ने किया है। (Interrruptions).

Mr. Speaker: Order please. No interruption, please.

श्री कवंल सिंहः आन ए प्वाइंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, मैं आपसे जानना चाहता हूं कि यह कांग्रेस की सरकार है

या जनता पार्टी की सरकार है या भजन लाल की सरकार है? किसा पार्टी की सरकार है यह बात बता दें। (व्यवधान)

Mr. Speaker: It is a question of understanding. Which Government is in power, every-body knows it. There is hardly any point for ruling on it.

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, आपने रूलिंग दी है लेकिन आप मुख्यमंत्री जी की बात नहीं समझ सकें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वह तो भजन लाल की सरकार थी। अगर वह उनकी सरकार थी तो ये जो लोग सदन में बैठै हुए है। क्या ये किसी एक व्यक्ति के पीछे है या किसी पोलिटिकल पार्टी के पीछे है? स्पीकर साहब, आपके पास लिया हुआ आया होगा कि ये जनता पार्टी के है या भजन लाल एंड पार्टी के है या कांग्रेस (इ) पार्टी के हैं। जनता पार्टी का नाम तो उठ गया (व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जहां तक सरकार का सवाल है सब माननीय सदस्यों को पता है कि किस पार्टी की सरकार है। (व्यवधान)

Mr. Speaker: Please sit down. जो पार्टी इन–पावर होती है उसकी का लीडर होता है यानि जो पार्टी पावर में होती है उसी पार्टी का सदस्य लीडर आफ दि हाउस होता है और सरकार उसी पार्टी की होती है। आपने प्रैस वगैरह में देखा होगा इस बात को आमतौर पर रैफर किया जता है कि सैन्टर में इंदिरा गांधी की सरकार है और स्टेट में चौधरी देवी लाल की सरकार या भजन लाल की सरकार है। (व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः मैं आपसे क्लैरिफिके ान चाहता हूं जो कुछ चौधरी भजन लाल जी बता रहे है उसके बारे में जानता चाहता हूं कि क्या वे कांग्रेस (इ) के नुमायदें है या कांग्रेस कम्पनी के नुमायदें हैं (व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अब सरकार कांग्रेस (इ) की है * * की नहीं है। (ाोर)

चौधरी राम लाल वधवाः स्पीकर साहब, * * ने ही कोि ा ा करके इनको मुख्यमंत्री बनाया। उन्हीं की वजह से ये मुख्यमंत्री बने। (ाोर)

Dr. Mangal Sein: Sir, my humble submission is this that my hon. friend has said * *. This is not fair. (Interruptions). The moment he (Ch. Bhajan Lal) betrayed the Janata Party.I kicked the Government. **Error! Not a valid link.**).

Mr. Speaker: Dr. Sahib, you are a senior parliamentarian. I would request you to remain within the bounds. (Interruptions). I rquest the Leader of the House to proceed without caring for disturbances.

श्री दीप चन्द भाटियाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। डाक्टर साहब, अंग्रेजी में बात कर रहे हैं इनकी हिन्दी में बोलना चाहिए।

श्री अध्यक्षः भाटिया साहब आप बैठिए। यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

डा0 मंगल सैनः * *

श्री अध्यक्षः जो कुछ भी डाक्टर साहब ने बोला है वह रिकार्ड न किया जाए।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, @ @ बात भी एक्सपंज होनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः निकर वाली बात एक्सपंज की दी जाए। I request the hon'ble Members to stick to the question in hand and not to carry on unnecessary interruptions. I would not allow any more points of order.

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मुझे बडे खेद के साथ यह बात कहना पढ रही है कि चौधरी देवी लाल जी ने बहुत दुखी होकर डा0 मंगल सैन जी को डिसमिस किया था। इनको कोई रास्ता नहीं मिला और मेरी भारण में आये। हमने इनको सहारा दिया। (ाोर) आपको डिसमिस किया गया था। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः चौधरी साहब, मैंने तो चौधरी देवी लाल की सरकार को ठोकर मारी थी। (ाोर)

Mr. Speaker: I would request the Leader of the House to proceed further without caring for the disturbances. (Interruptions). चौधरी साहब आप दूसरे सब्जैक्ट की परवाह न करते हुए सब्जैक्ट इनह ैड पर रहें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जो बातें मैंने कही है उनको सुनने की भाक्ति इन महानुभावों में होनी चाहिए (ाोर)

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, चाहे मुस्लिम लीग आ ले। चौधरी भजन लाल जी को तो मुख्यमंत्री रहना है। (हंसी)

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अभी चौधरी भजन लाल जी ने एक बात कही कि वह यह भजन लाल की सरकार है। इसका मतलब है यह कोई पार्टी की सरकार नहीं हैं यह तो एक कम्पनी की सरकार है। (ाोर)

Mr. Speaker: This is not point of order. Please take your seat.

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, आपके पास यह रिकार्ड होता हैं कि कौन आदमी किस पार्टी का नुमाईंदा है इसलिये यह जरूरी है कि आप इसको स्पश्ट करें कि चौधरी साहब जनता पार्टी के हैं कांग्रेस (आई) के है या अखण्ड पार्टी के है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आर्य साहब, मैं आप जैसे समझदार और पार्लियामैंटरीयन के सामने क्या स्पश्ट कंरू। आप बैठ जाइयै

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं अब उस प्वाइंट पर नहीं जाउंगा। माननीय सदस्य को बहुत बडी तकलीफ हुई। अध्यक्ष महोदय, कुछ साथियों ने यह कहा कि हरिजनों को जो रिजर्वे ान है सरकारी नौकरियों में, उसके मुताबिक उनको

नौकरियों में नहीं लिया गया। मैं सदन को यह वि वास दिलाना चाहूंगा कि किसी भी माननीय सदस्य के नोटिस में आए वैसे तो सरकार का भी यह फर्ज बनता है कि वह भी इस बात को पूरे गौर से देखें। यदि किसी महकमें में, हरिजनों को उनके कोटे के मुताबिक जितना उनका कोटा बनता है। वह पूरा नहीं होता तो हम जल्दी से जल्दी पूरा करने की कोि ा ा करेंगे।

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। इन्होंने नौकरी लगे हुए हरिजन लडकों को नौकरी से हटा दिया।

श्री अध्यक्षः चौधरी गंगा राम जी, मैं आपको वार्न कर चुका हूं उसके बावजूद भी आप बार–बार उठते हैं। मैं आपको नेम करके हाउस से बाहर निकाल दूंगा। देखिए साहेबान हम लोग सब यहां पर पूरे हरियाणा की नुमायंदगी के लिये चुने हुए नुमायंदे यहा पर जमा हुए है और मैं आपसे बार बार रिक्वैस्ट कर रहा हूं कि आप एक ऐसी प्रद र्ानी दिखाएं जिससे हरियाणा की और इस हाउस की इज्जत बढं इसका स्टेटस बढे। मैं आपसे यह रिक्वैस्ट करूंगा कि जो रूल्ज आफ प्रोसीजर की किताब आप सब साहबान को इ ा की हुई है। उसको कृपा करके थोडा पढने का कश्ट करें। उसमें सिर्फ दो, तीन सफे की प्वायंटस आफ आर्डर के बारे में लिखे हुए हैं। जिस तरह से आप बार बार प्वायंटस आफ आर्डर कह कर अपने नालेज की प्रद र्ानी लगा रहे हैं इससे 90 सदस्यों का टाईम जाया होता है और आपके अपने नालेज की प्रद र्ानी

होती है। यह कोई भाोभा नहीं देता। मैं आप सब साहेबान से बार–बार रिक्वेस्ट करता हूं कि कोई स्पैसीफिक प्वायंट आफ आर्डर हो तो उसके लिए मैं आपको 5 मिनट दूंगा, 10 मिनट दूंगा, 15 मिनट दूंगा लेकिन आप हाउस के स्टेटस और हाउस की डिगनिटी का ध्यान करके सदन की कार्यवाही चलाने की कृपा करें।

चौधरी भजन लालः सभी माननीय सदस्य इस रैजोल्यू ान के बारे में अपने अपने विचार प्रकट कर चुके है और सब से यह कहा कि हम इस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं। तो मैं सारे हाउस से प्रार्थना करूंगा कि इस प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पास किया जाए।

Mr. Speaker: Question is-

That this House ratifies the amendment to the constitution of India falling within the purview of the proviso to clasue(2) of article 368 thereof, proposed to be made by the constitution (Forty-fifth Amedment) Bill 1980 as passed by the two Houses of Parliament.

The motion was carried.

औचित्य प्र न–

राज्यपाल के अभिभाशण में पहली सरकार की उपलब्धियों के वर्णन सम्बन्धी

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्य साहेबान, अब राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर डिसक ान होगी।

श्री कवंल सिहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः अभी तो डिस्क ान भ्ारू भी नहीं हुई।

श्री कवंल सिहः स्पीकर साहब, गवर्नमैंट तो उन्हीं आदमियों की है लेकिन पार्टी के नाम में चेज आ गई है। तो मैं आपकी रूलिंग इस बात पर चाहता हूं कि क्या यह सरकार जनता पार्टी की सरकार के समय की उपलब्धियों का जिक इस अभिभाशण में कर सकती है। जैसकि स्वीपर्ज को 50 रूपए इंकिमैंट देने की बात है? यह इंकिमैंट तो जनता पार्टी की सरकार के समय दी गई थी न कि इस सरकार के समय में दी गई थी।

Mr. Speaker: I reserve my rulling. I will check up the record and then give my ruling.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्य साहिबान, अब राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर डिस्क ान होगी।

श्री भामे ार सिंह (नरवाना): अध्यक्ष महोदय, आपकी अनुमति से मैं प्रस्ताव पे ा करता हूं–

'कि राज्यपाल महोदय को एक समावेदन निम्नलिखित भाब्दों में पे ा किया जाएः—

'कि इस सत्र में इक्टठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाशण के लिये राज्यपाल महोदय के अत्यन्त कृतज्ञ है जो उन्होंने 3 मार्च 1980 को सदन में देने की कृपा की है'।

अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल के अभिभाशण किसी सरकार की उपलब्धियों और नीतियों आदि की घोशणा पत्र होता है। अभी कुछ दिन पूर्व इस दे ा में मध्यावधि चुनाव सम्पन्न हुए और उसके फलस्वरूप श्रीमति इंदिरा गाधंी के नेतृत्व में कांग्रेस (इ) को लोक सभा में 2/3 बहुमत प्राप्त हुआ। दे ा में अध्यक्ष महोदय, उन लोगों के झूठ का भांडा चौराहे पर फूटा जो निरंतर यह प्रचार करते थे कि श्रीमति इंदिरा गांधी एक डिक्टेटर है और चुनाव करानी नहीं चाहती। दे ा की जनता ने 2/3 बहुमत से श्रीमति इंदिरा गांधी की पार्टी को कामयाब करके इस बात का प्रमाण दिया कि आज दे ा के लोग श्रीमति गांधी और उसकी पार्टी के पीछे है। अध्यक्ष महोदय, इस चुनाव के नतीजे के तौर पर इस बात की बडी भारी आ ाा सारे दे ा में उभरी कि भारत सरकार और प्रान्तीय सरकारों की नीतियों से गरीबी और बेरोजगारी आदि समस्याओं का अन्त होगा और सामाजिक तथा आर्थिक क्षेत्र में एक प्र ासनीय परिवर्तन दे ा में आएगा। अध्यक्ष महोदय, सारे दे ा में आज सूखे का बडा भारी प्रकोप है। पिछले कई महीनों से

हमारा सारा प्रान्त आमतौर पर हिसार, भिवानी, महेद्रगढ, रोहतक, गुडगांव, सिरसा और जीन्द बगैरह खासतौर पर बहुत ज्यादा प्रभावित हैं। अध्यक्ष महोदय, इस सूखे की वजह से वर्श 1979 में 165 करोड रूपये की फसलों को हानि किसानों को हुई है लेकिन सरकार ने इस हानि को दूर करने के लिए जो उपाय किए वे बहुत सराहनीय है। इस सूखे की हानि को दूर करने के लिए जो उपाय किए वे बहुत सराहनीय है। इस सूखे की हानि से पहले ओला वृश्टि से भी लोगों को बहुत नुक्सान हुआ था। उससे पहले दो सालों के अन्दर हरियाणा में बाढ का प्रकोप था। उसने भी हमारे किसानों और अन्य लोगों को बहुत ज्यादा नहीं पहुंचाई। ऐसी परिस्थिति में इस सरकार ने कुदरत के प्रकोप को दूर करने के लिए जो राहत कार्य किए हैं उनकी प्रं ासा किए बगैर मैं नही रह सकता। अध्यक्ष महोदय, जहां सूखे की वजह से हानि बहुत थी वहां सरकार ने मालिया और आबियाना माफ किया और जहां नुक्सान थोडा कम था वहां मालिय आबियाना, तकाबी कर्जो और कोआप्रेटिव कर्जो आदि की वसूली अगले 6 महीने के लिए स्थगित कर दी। यही नहीं इसने मवे ि ायों के लिए 20 रूपए क्विंवटल के हिसाब से व्यापक तौर पर चारे का प्रबन्ध किया। अध्यक्ष महोदय, वर्शा के अभाव के कारण बिजली की सप्लाई में भी कुछ कमी आई। कोयला, डीजल, मिटटी का तेल और सींमेट आदि की सप्लाई में भी बडी भारी कठिनाई सारे प्रान्त में पैदा हुई लेकिन अध्यक्ष महोदय, आपको और सदन के माननीय सदस्यों को इस बात का ज्ञान है कि इन सारी चीजों पर हमारे प्रान्त की सरकार

का पूरे तौर पर नियंत्रण नहीं है परन्तु फिर भी सरकार इस बात के लिए प्रयत्न ील है कि आने वाले महीनों में डीजल, मिटटी का तेल और सीमेंट जैसी आव यक चीजों की सप्लाई में सुधार हो। बिजली की सप्लाई बढाने के लिए भी सरकार प्रत्यन ील है। आज ही मुख्यमंत्री जी ने बिजली बोर्ड के उच्च कर्मचारियों को बुलाकर आदे ा दिए हैं कि आने वाले तीन हफतें में जबकि हमारी खडी फसल मैच्चोर होगी आठ घंटे से लेकर 12 घंटे तक बिजली उपलब्ध कराई जाए। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार की जो आर्थिक नीति है उसकी मुख्य बातें है कृशि उत्पादन में वृद्धि, बिजली के उत्पादन में वृद्धि, ग्रामीण क्षेत्रों में कुटौर उद्योगों का फैलाना और स्वास्थ्य सेवाओं आदि का जुटाना इन सब कामों को करने के लिए 1976–83 की जो पंचवर्शीय योजना है उसके लिए सरकार ने 1450 करोड रूपया स्वीकृत करवाया है। यहीं नहीं चालू वर्श के लिए भी सरकार ने 227 करोड रूपए का खर्च मन्जूर किया है जबकि पहले वर्श वार्शिक योजना केवल 210 करोड रूपए की थी। इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, सरकार ने आने वाले समय में बाढ के प्रकोप को रोकने के लिए 17 करोड रूपए की रा ि ा निर्धारित की है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि हरियाणा एक कृशि प्रधान प्रान्त है। इसलिये सरकार ने सिंचाई के लिए चालू साल में 42 करोड रूपया खर्च करना है और आगामी वर्श में इसे 53 करोड रूपये तक बढाने का अनुमान है जहां तक ट्यूबवैलों को कनैक ान देने का सम्बन्ध है हमारी सरकार का वित वर्श के दौरान 18000 ट्यूबवैलों को कनैक ान देने का विचार था परन्तु

उसके मुकाबले में 24000 ट्यूबवैलों को कनैक ान दिए गए। इसी प्रकार आगामी वर्श में बीस हजार ट्यूबवैलों को कनैक ान देने की योजना है। सदन को इस बात का अच्छी तरह से आभास है कि सतलुज यमुना योजक परियोजना का हरियाणा के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। अगर इस बारे में मैं यह कहूं कि हरियाणा की जो इकोनोमी है वह इसी बात पर निर्भर करती है तो कोई गलत बात नहीं होगी। जिस तरह से इंसान के भारीर में आरटरी का स्थान है उसी प्रकार हरियाणा में नहरों का स्थान है। हरियाणा सरकार ने सतलुज यमुना योजक परियोजना को जून 1980 तक पूरा करने का लक्ष्य है। उसके बारे में सब को पता है कि पंजाब सरकार और हमारी सरकार इस मामले को लेकेर सुप्रीम कोर्ट में जा चुकी है। उसका फैसला होने पपर ही इस मामले को उठाया जा सकता है। मुझे अपनी सरकार से पूरी पूरी उम्मीद है कि ज्यों ही कानूनी तौर पर यह अडचन दूर हो जाएगी त्यों ही इस सतलुज यमुना योजक परियोजना को पूरा करने में महत्व दिया जायेगा ताकि इस नहर से जल्द से जल्द पानी लिया जा सके।

अध्यक्ष महोदय, मैं सिंचाई के पानी के साथ साथ बिजली के बारे में भी जिकर करना चाहता हूं। हमारी सरकार ने बिजली की कमी को पूरा करने के लिए जो योजना बनायी है। अभी नवम्बर, 1979 में पानीपत थर्मल प्लान्ट में 110 मैगावाट बिजली पैदा होने लगी है। इस थर्मल प्लांट का हमारे राश्ट्रपति

द्वारा नवम्बर 1979 में ही उदघाटन किया गया है। 110 मैगावाट का दूसरी यूनिट भी बिजली उत्पादन के लिए तैयार है। 60 मैगावाट की फरीदाबाद ताप–बिजली परियोजना के अन्तिम चरण का निर्माण कार्य पूरा होने वाला हैं। इसी प्रकार से यमुना नगर पन–बिजली परियोजना जिसकी क्षमता 64 मैगावाट होगी का निर्माण कार्य चालू है। इस परियोजना के आठ में से दो बिजली घर 1982–83 तक पूरे हो जायेंगे। हमारी सरकार ने हिमाचल प्रदे ा की सरकार के साथ मिलकर हिमाचल के जिला कन्नौर में नाथपा झाकरी के स्थान पर सतलुज नदी के पानी से एक बडी भारी पन–बिजली परियोजना द्वारा 1000 मैगावाट तक बिजली पैदा करने के लिए समझौता किया है।

स्पीकर साहब, हमारी सरकार ने कृशि का उत्पादन बढाने के लिए किसानों को प्रमाणीकृत बीजों रासायनिक खादों एवं घास–पात ना ाक दवाइयों के लिये 180 लाख रूपए की आर्थिक सहायता दी है। हमारी सरकार केन्द्रीय भण्डार में 1978–79 में 18.2 लाख टन अनाज खरीद कर दे सकी थी परन्तु सन् 1979–80 में 21 लाख टन गेहूं तथा चावल की खरीद कर सकेगी। आप सभी को ज्ञात है कि पिछले वर्श में धान और गन्दम की कीमतें भी ज्यादा दी गई है। इसी प्रकार से सहकारी समितियों द्वारा सन् 1978–79 में 101 करोड रूपए के कर्जे दिये गये है। अब सन् 1979–80 में 123 करोड रूपए के कर्जे दिये जाने की आ ाा है। अध्यक्ष महोदय, हमारे जो कोआप्रेटिव संस्थान है

उनकी वरकिंग कैपिटल 600 करोड रूपए तक पहुंची हुई है। आपको मालूम ही है कि कृशि के क्षेत्र में कोआप्रेटिव सैक्टर का बहुत बडा योगदान है। इसी प्रकार से सरकार ने संयुक्त ग्रामीण विकास परियोजना के अन्तर्गत 191 करोड रूपया खर्च करने की योजना बनायी है। इस योजना के तहत नहरों और जलमार्गों को पक्का करना तथा गांवों में सडकें पक्का करना है। सरकार ने प ा पालन और मछली पालन की भी योजना बनायी है जिससे गांवों के लोगों को अधिक से अधिक लाभ हो सके। काम के बदले में अनाज देने की भी सरकार ने योजना बनायी है।

चौधरी सतवीर सिंह मलिकः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। अभी हमारे माननीय सदस्य सरकार की उपलब्धियों के विशय में बता रहे है। हम इनको असली कांग्रेसी मानते है लेकिन मैं यह जानना चाहता हूं कि वे इसको अपनी सरकार कैसे मानते हैं? क्या ये उपलब्धियां तीस जनवरी के पहले की बता रहे है। या जनवरी के बाद की बता रहे है? कांग्रेस की सरकार तो तीस जनवरी के बाद ही बनी है।

श्री अध्यक्षः यह प्वायंट श्री कंवल सिंह जी ने पहले रेज किया था उस पर मैं अपनी रूलिंग दूंगा।

श्री भाम ोर सिंहः अध्यक्ष महोदय, हरिजनों की चौपालों के लिये भी काफी पैसा दिया है। इस वर्श एक हजार चौपालें बनाने का नि ाना था, जिसके पूरा होने की आ ाा है

और अगले माली साल के लिए 250 और नयी चौपालें बनाने का नि ाना निर्धारित किया है।

इसी प्रकार से सरकार ने औधोगिक विकास के लिए कई योजनायें बनायी है। चालू माली साल में ि ाक्षा के दायरे में 191 प्राइमरी स्कूलों को मिडल स्कूल बनाया गया और 158 मिडल स्कूलों को हाई स्कूल बनाया गया और सन् 1980–81 में लडकियों के तीन सौ प्राईमरी स्कूल खोलने का नि ाना बनाया है। पहले गैर–सरकारी स्कूलों को अनुदान की 25 प्रति ात रा ि दी जाती थी अब उसको 75 प्रति ात कर दिया गया। चिकित्सा के क्षेत्र में सरकार द्वारा अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र बनाये जा रहे हैं। आदमपुर के अस्पताल का भवन निर्माण कार्य आरम्भ हो गया है। इसी प्रकार से फतेहबाद, सिरसा, हांसी, जगाधरी तथा चौटाला में भवन निर्माण का कार्य जोरों पर है। सोहना, पलवल और अहर के प्राथमिक केंद्र भवन भी पूरे होने वाले हैं या पूरा हो चुके हैं। अध्यक्ष महोदय, चालू साल में 58 नये देसी चिकित्सा औशद्यालय खोले गये हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर में सुधार लाने के लिये चालू वर्श में ग्रामीण जल सप्लाई स्कीमों पर 7.5 करोड रूपया उपलब्ध किया गया था लेकिन अब इस उपबन्ध को बढा कर 8.5 कर दिया गया है। वर्श 1980–81 के दौरान लगभग 195 गांवों में नल द्वारा जल–सप्लाई करने की योजना है।

चालू वित्त वर्श के दौरान 475 किलोमीटर लम्बी सडकें पक्की की जा चुकी है और 31–12–1979 तक 250 और गांवों को

पक्की सडकों के साथ जोड दिया गया है। चालू वित्तीय वर्श में इन कार्यो पर 12.5 करोड रूपया खर्च होगा और इतनी ही रा ि। अगले वर्श की योजना के लिये रखी गई है।

इसी प्रकार बस परिवहन के लिए आगामी वित्तवर्श में 250 बसों को बदलने के साथ साथ बस सेवाओं में वृद्धि हेतू सरकार का 200 और नयी बसें चलाने का प्रस्ताव है। ऐसा करने से कुल बसों की तादाद 2600 हो जायेगी। अभी मुख्यमंत्री महोदय ने हाउस में बताया था कि जुलाई 1979 से सफाई कर्मचारियों की तनखाह 50 रूपए मासिक बढा दी गई है और जो हरियाणा में पिछडें वर्ग हैं उनका रिजर्वे ान का कोटा पांच परसैन्ट से बढा कर दस परसैन्ट कर दिया है। यह बहुत ही सराहनीय कदम है।

18.00 बजे

अध्यक्ष महोदय, अभी पिछले दिनों कुरूक्षेत्र में सूर्य ग्रहण के अवसर पर हमारी सरकार ने चालीस लाख रूपया खर्च किया। इस बात की तारीफ सारे दे ा के कोने कोने से आयी है कि कुरूक्षेत्र में यात्रियों के लिये बहुत अच्छा प्रबन्ध किया गया था। सरकार ने मेवात के पिछडे हुए इलाके के लिये विकास बोर्ड की भी स्थापना की है ताकि उस इलाके की तरक्की हो सके। स्पीकर साहब, मैं अब श्रमिकों के बारे में कहना चाहता हूं मजदूरों को पहले मजदूरी 140 रूपये मासिक मिलती थी अब उसको बढा कर 220 रूपये किया है और जिनको 240 रूपये मिलते थे उनकी

मजदूरी बढा कर अब 250 रूपये कर दी है। स्पीकर साहब, हमारी सरकार व्यापारियों को भी कुछ रियायतें देने जा रही है। सरकारी कर्मचारियों को भी रियायत देने के लिए और उनके वेतनमानों में वृद्धि करने के लिए मामला विचाराधीन है जिस का जिक्र सदन में पहले ही काफी हो चुका है। कर्मचारियों को राहत देने के लिए उनके वेतनमानों में वृद्धि करने के लिए सरकार ने जनवरी 1979 में जो आयोग गठन किया था, उसकी सिफारि ों स्वीकार कर ली है। इसी तरह से सरकार ने प्रत्येक कर्मचारी के कम से कम 30 रूपये मासिक बढाए हैं इसी तरह से जो दूसरी कैटेगरीज हैं उनके वेतनमानों में जो कमियां है उनको दूर करने के लिए एक कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी के अन्दर जिन कैटेगरीज में कमियां रह गई हैं उन की त्रुटियां दूर की जायेंगी ताकि प्रत्येक कर्मचारी को उचित इंसाफ मिल सके।

स्पीकर साहब, इसी प्रकार से हमारी सरकार वितरण प्रणाली द्वारा महत्वपूर्ण चीजों का वितरण करने का कार्य ठीक ढंग से करने के लिए सारे हरियाणा के अन्दर गांव गांव में कंज्यूमर्ज स्टोर तथा कोओप्रटिव स्टोर्ज खोल रही है ताकि गांव के गरीब से गरीब तबके हो उचित दामों पर चीजें उपलब्ध हो सके। इन सारे साधनों को जुटाने के लिए सरकार ने इस बात का फैसला किया है कि वह अपने खर्चो में कटौती करेगी और अन्य सरकारी खर्चो में कमी की जायेगी। मैं अपनी सरकार से भरपूर उम्मीद रखता हूं कि सरकार अपने खर्चों में कमी करके उचित कदम उठायेगी।

स्पीकर साहब, गवर्नर एड्रैस में काफी कुछ बातें हमारी सरकार ने गरीबों के उत्थान के लिए कही है। इसलिए मैं कुछ एक बातें कह कर खत्म करना चाहूंगा और वह यह कि राज्यपाल महोदय के इस अभिभाशण में जहां बहुत सी बातें मौजूद हैं वहां भाायद दो बातों का किन्ही कारणों से जिक करना रह गया है। एक तो यह है कि जो हमारे गरीब हरिजन, आदिवासी और पिछडी जातियों के लोग है उनके स्तर को उपर उठाने के लिए जो 20 सूत्रीय कार्यकम था उसको किन्ही कारणों से पिछले 3 सालों से लागू नहीं किया गया और वह ठप्प रहा। इसलिए मैं अपनी सरकार से उम्मीद रखता हूं कि हरिजनों को पिछडी हुई जातियों को तथा आदिवासियों को उपर उठाने के लिए 20 सूत्रीय कार्यकम का पूरी तरह से पालन किया जाये ताकि यह तबका भी उपर उठ सके। अध्यक्ष महोदय, पिछले 3 सालों से जनता पार्टी या लोकदल की सरकार ने यानि जिस का भी राज था उसमें राजनीति के आधार पर उनके खिलाफ झूठे मुकदमें बनाये हैं उनको विकटेमाईज किया है वे खत्म किये जायें। इन भाब्दों के साथ स्पीकर साहब जो प्रस्ताव पे ा किया गया है मैं उसका समर्थन करता हूं और इस बात की आ ाा रखता हूं कि सदन इसको पास करे।

श्री लछमन सिंह (कालका): स्पीकर साहब, श्री सुरजेवाला साहब ने जो राज्यपाल महोदय के अभिभाशण का प्रस्ताव सदन में रखा है मैं उसकी ताईद करने के लिए खडा हुआ हूं बहुत सारी बातें श्री सुरजेवाला साहब ने फैक्टस और फिग्र्ज के

साथ बता दी हैं मैं उन में जाना मुनासिब नहीं समझता और आपका ज्यादा समय नहीं लेना चाहता। पीछे जनवरी के चुनावों में हिन्दुस्तान की किस्मत यहां के लोगों ने श्रीमति गांधी के हाथों में सौंप दी है। हमें श्रीमति गांधी की लीडर ाीप में 65 करोड लोगों की कठिनाई को दूर करने के लिए जिनके अन्दर गरीब हरिजन, आदिवासी तथा पिछडी जाति के व्यक्ति आते हैं उनकी मुसीबतों को दूर करने के लिए लडाई लडने जा रहे हैं। इसमें आला–ताला हमें कामयाबी बख्से। गवर्नर साहब ने जहां अपने अभिभाशण में झोंपडियों में रहने वाले गरीब किसानों और मजदूरों की तरफ देखा है वहां उन्होंने भाहरों में रहने वाले खु ापो ा लोगों को भी भुलाया नहीं है। जैसे कि पीछे बहुत बडा बावेला मचा, दूसरी जगहों पर रहने वाले लोग चण्डीगढ जैसे भाहर में रहने वाले हर एक तबके के लोग चाहे वह गरीब हैं अमीर हैं या पिछडी हुई जाति के हैं चाहे वे गांवों के रहने वाले हों उन्होंने उन सभी की तकलीफों को देखा है। गांवों में रहने वाले लोगों के लिए जहां पीने के पानी की तकलीफ है उसका भी उन्होंने प्रस्ताव किया है। बिजली की सप्लाई को पूरा करने के लिए भी हर मुमकिन कोि ा ा की गई है और उम्मीद जाहिर की है कि इस कमी को भीध्र पूरा किया जा सकेगा। हरियाणा अनाजपैदा करने वाली स्टेट हैं। मैं एग्रीकल्चर डिपार्टमैंट को मुबारिकबाद दिए बगैर नहीं रह सकता, क्योंकि इस डिपार्टमैंट ने अनाज के संबंध में बहुत मात्रा में तरक्की की है। पिछले वर्श वर्शा न होने की वजह से प्रक्योरमैंट 18.2 लाख टन थी और इस साल प्रक्योरमैंट का

टारगेट 21 लाख टन रखा गया है जो कि अपने आप में एक बहुत बडा सराहनीय कदम है।

स्पीकर साहब, दूसरी बात मैं सडकों के संबंध में कहना चाहता हूं। जहां तक सडकों का मामला है सरकार ने प्रत्येक गांवों को सडकों से जोडने की योजना बनाई है और सरकार की यह पूरी कोि ा ा है कि प्रत्येकद गांव को आपस में सडकों से जोड दिया जायेगा। (विघ्न) मैं अपने दोस्तों से रिक्वैस्ट करता हूं कि मुझे डिस्टर्ब न करें क्योंकि जब आप बोलते हैं तो मैं किसी को डिस्टर्ब नहीं करता। आपको भी बोलने का मौका मिलेगा। उस समय आप अपनी बात कह लेना (विघ्न) * *

श्री मूल चन्द जैनः स्पीकर साहब, मेरे बारे में जो कुछ कहा गया है वह बिल्कुल गलत है।

श्री अध्यक्षः जैन साहब के बारे में जो कुछ बात की गई है वह रिकार्ड न की जाये। Sardar Sahib, please stick to the subject matter.

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, यह सरकार चौधरी भजन लाल जी की देखरेख में बडी ईमानदारी और मेहनत के साथ चल रही है और एक ही मि ान लेकर चल रही है कि आने वाले बाकी दो सालों के अन्दर एक बहुत बडा इंकलाब आप देखेंगे। मेरे भाई जो अपोजि ान में हैं, वे आज इतने खु ा क्यो

हैं? खु ा इसलिए है क्योंकि इनकी लीज की अवधि ढाई साल और बढ चुकी है इसलिए ये बेहद खु ा नजर आ रहे हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः मैं चौधरी साहब से रिकवैस्ट करता हूं कि वे आज ही हाउस को डिजोल्व करवा कर देख लें।

श्री लछमन सिंहः चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी, आप इस्तीफा देकर देख लें आपको पता लग जायेगा। (व्यवधान) स्पीकर साहब, मैं अर्ज कर रहा था कि एग्रीकल्चर में ऐनीमल हसबैन्डरों में और इंडस्ट्रीयलाईजे ान में कोई कमी नही है। जहां रूरल इंडस्ट्रीयलाईजे ान की तरफ यह सरकार पूरा ध्यान दे रही है वहां इस सूबे की जो बडी बडी इंस्डट्रीज हैं उनको भी बडी मदद की जा रही है। यह नदीं कि एक तबके को खत्म करके दूसरे को बढाया जा रहा हो। श्रीमति इंदिरा गांधी की यह स्कीम नहीं है कि अगर एक मकान की मक्खियां खत्म कर सब मकानों की सफाई की जाएगी। मैं पूरी आ ाा रखता हूं कि चौधरी भजनलाल की सरकार के नेतृत्व में हरियाणा प्रान्त अगले अढाई साल में बहुत तरक्की कर लेगा (व्यवधान)। स्पीकर साहब, अगर मेरे ये साथी नहीं चाहते कि मैं बहुत ज्यादा बोलूं तो मैं भी इस खु ी के वातावरण को जो आज सदन में नजर आ रहा है, खत्म नहीं करना चाहता। मैं सारे हाउस से दरखास्त करना चाहता हूं कि वह इस एड्रैस को पास करे।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

'कि राज्यपाल महोदय को एक समावेदन निम्नलिखित भाब्दों में पे ा किया जाए–

'कि इस सत्र में इक्टठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाशण के लिए राज्यपाल महोदय के अत्यन्त कृतज्ञ है जो उन्होंने 3 मार्च 1980 को सदन में देने की कृपा की है।'

माननीय सदस्यगण मुझे इस एड्रैस पर श्री मूल चन्द जैन और अठारह अन्य विधायकों की ओर से अमैंडमैंट्स के नोटिस मिल है। वे सब पढे गए और पे ा किए गए समझे जाएंगें। ये मैम्बर साहेबान टाईम मिलने पर बहस में हिस्सा ले सकते है। बहस के खत्म होने पर इन सब अमैंडमैंट्स पर वोटिंग होगी।

1.	Shri Mool Chand Jain, M.L.A.
2.	Shri Hira Nand Arya, M.L.A.
3.	Shri Prit Singh, M.L.A.
4.	Shri SatbiornSingh Malik, M.L.A.
5.	Shri Hukam Singh, M.L.A.
6.	Shri Tem Ram, M.L.A.
7.	Shri Har Swarup Bura, M.L.A.
8.	Shri Narain Verma, M.L.A.

9.	Shri Verender Singh, M.L.A.
10.	Shri Ran Singh Mann, M.L.A.
11.	Shri Karam Singh, M.L.A.
12.	Shri Jagdish Kumar Beniwal, M.L.A.
13.	Shri Hari Chand Hooda, M.L.A.
14.	Shri Sant Kanwar, M.L.A.
15.	Shri Ran Singh, M.L.A.
16.	Shri Ude Singh Dalal, M.L.A.
17.	Shri Mani Ram, M.L.A.
18.	Shri Bhagi Ram, M.L.A. and
19.	Shri Harphul Singh, M.L.A.

That in the motion the following be added at the end, namely-

"but regret that no mention has been made of:-

a. the steps taken for the removal of hurdles in the completion of the Sutlej-Yamuna Channel in Punjab terriroty so that Haryana's share of Ravi-Beas waters, which should have been available to Haryana in 1970, is available to Haryana farmers now;

b. the speedy implemention of the Union Govt. award on Abohar-Fazilka and other Hindi speaking areas;

c. securing transfer of canal head-works situated in Punjab to Bhakra Management Board in accordance with the Punjab Reorganisation Act 1966 to ensure fair distribution of water to Haryana.

d. the rapidly deteriorating law & order situation in the State;

e. the abnormal rise in prices of essential commodities and of hoarding, black-marketing and of inaction by Government in checking these nefairious activities;

f. the step-motherly treatment of agricultural sector in the matter of supply of electricity, diesel & cement;

g. the wise-spread corruption, inordinate delays and inefficiency in the administration and lack of politicial will in dealing with these problems;

h. provision of un-employement allowance to the educated unemployed, if they are not employed within one year of registration with employment exchanges;

i. priority in the matter of employment in Government service to those whose families do not have any member already in Government service;

j. the pro-capitalist and anti-labour and anti-farmers policies of the State Government;

k. the total unsuitability of the educational system to the people in the State and of not taking any step to remove its defects especially for teaching moral and ethical values to the students;

l. the slow progress of developmental work in the State despite numerous pre-election announcements and laying of foundation stones; and

m. any concrete step to avoid wasteful expenditure in the administration and in public spending by various departments;

डा0 मंगल सैन (रोहतक): स्पीकर साहब, कल इस सदन में आदरणीय राज्यपाल श्री गणपतराव देव जी तपासे महोदय पधारे थे। प्रकिया के अनुसार आपने उनका नेतृत्व किया और उन्होंने राज्यपाल होने के नाते एक दायित्व का वहन किया कि उन्होंने यहां आकर सरकार की ओर से दिया गया पौलिसी स्टेटमैंट अभिभाशण के रूप में पढा। (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य चौधरी प्रताप सिंह ठाकरान पदासीन हुए) सभापति महोदय, उस बीच में हमें एक अनप्लैजैंट डयूटी परफार्म करनी पडी। हमें उन्हें यह बताना पडा कि इस समय यह जो सरकार बनी हुई है यह संवैधानिक तौर पर वैलिड नहीं है। उसकी युक्ति हमने यह दी कि यह जो महानुभाव मुख्यमंत्री है इनके साथ मंत्री परिशद के लोग रह गए हैं और कुछ विधायक भी है। ये जनता पार्टी में थे और 22 तारीख को 35 लोगों ने श्रीमति इंदिरा गांधी की कांग्रेस में जाकर प्रवे ा ले लिया। प्रवे ा लेने के बाद उन्होंने घोशणा कर दी कि वह कांग्रेस (आई) में चला गया है।

स्वामी आदित्यवे ा: सभापति महोदय, मेरा व्यवस्था का प्र न है। मैं माननीय सदस्य से पूछना चाहता हूं कि ये राज्यपाल

महोदय के अभिभाशण पर बोल रहे हैं यह सरकार पर बोल रहे हैं।

डा0 मंगल सैनः सभापति जी, मुझे बोलने के लिए बीस मिनट मिले हैं। अगर ये मुझे बीच में इंटरप्ट करेंगे तो मुझे रिटैलिएट करना पडेगा। मुझे बोलने का पूरा अधिकार है और मैं अपने अधिकार परिधि में बोल रहा हूं। अगर इन्हें जानकारी नहीं है तो वे पूछ लें। सभापति महोदय, मैं अर्ज कर रहा था कि कितने बडे पैमाने पर इन्होंने दलबदल करके कांग्रेस (आई) में प्रवे ा ले लिया है। सभापति महोदय, ये कांग्रेस विधायक दल की बैठक में बुलाए जाते, उसमें उनको नेता चुना जाता और नेता चुने जाने से पहले ये मुख्यमंत्री के पद से त्यागपत्र दे देते और फिर दुबारा मुख्यमंत्री बन जाते तो हमें कोई एतराज नहीं था। संवैधानिक संकट होने के कारण, अस्पश्ट होने के कारण हमने स्पश्टीकरण करना चाहा। उनकी मजबूरी थी उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं कहा। इसलिए हम सदन से उठकर चले गए। सभापति जी, लोकतंत्र में, पार्लियामेंटरी सिस्टम में, दुनिया में जहां कहीं भी पार्लियामेन्टरी सिस्टम आफ गवर्नमैंट हैं वहां पर यह प्रकिया स्वाभाविक है। ऐसी बात केवल यहीं नहीं बल्कि जहां कहीं पर इस तरह की भाासन प्रणाली है वहां पर ऐसा होता हैं। सभापति महोदय, राज्यपाल के प्रति हमारे हृदय में सम्मान तथा गरिमा उतनी ही है जितनी की सरकारी बैंचो पर बैठने वाले सदस्यों के दिल में हो सकती है। हमें लोकतंत्र में पूरी आस्था है। सभापति

महोदय इस अस्पश्ट स्थिति में प्रदे ा की म ाीनरी, इस प्रदे ा की नौकर ााही इनका कहना नहीं मानती। उनमें इनके प्रति आस्था नहीं है। वे सोचते हैं कि ये कल के * * हैं। इस सरकार की बात मानी जाए या न मानी जाए। सरदार लक्षमण सिंह को बोलते समय बडी खु ाी हो रही थी .....

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): चेयरमैन साहब, आन ए प्वाएंट आफ आर्डर? इन्होंने कहा है कि यह * * की सरकार हैं। इन्होंने जो * * लफज प्रयोग किया है यह उचित नहीं हैं इसको एक्सपंज कर दिया जाए।

डा0 मंगल सैनः अगर * * भाब्द ठीक नहीं है तो मैं दलबदल कह देता हूं * *

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी मेहर सिंह राठी): यह दलबदल भी नहीं है अगर इतनी संख्या में लोग दूसरी पार्टी में चले जाएं तो वह दलबदल नहीं कहा जा सकता।

डा0 मंगल सैनः आपको क्या पता है कि दलबदल के क्या मायने होते है? इस लिए डिक ानरी देखनी पडेगी और वह आपका काम नहीं है।

श्री सभापतिः भगोडा भाब्द कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

डा0 मंगल सैनः श्री लक्षमण सिंह जी मेरे बहुत अच्छे दोस्त है। हम दोनों ने एक साथ एक साल की जेल काटी है। मेरे पास टेप रिकार्डर नहीं है नही ंतो सुनाता कि क्या आज यह वहीं व्यक्ति बोल रहा है जो जेल में किसी और तरह की बात करता था। (व्यवधान) सभापति महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि इन महानुभावों की वारकर्दगी की वजह से सारे हरियाणा की एक करोड दस लाख जनता लज्जित है। आज हम अगर दिल्ली जाते हैं या किसी और जगह जाते हैं तो लोग हमसे पूछते है कि कहां के एमएल हो और जब हम बताते है कि हरियाणा के हैं, तो वे कहते है कि आप गयाराम आयाराम के सूबे के रहने वाले हो (व्यवधान)। हमारा सिर भार्म से झुक जाता है जब वे ऐसा कहते हैं मैं चौधरी भजन लाल को कहना चाहता हूं कि कुछ दिन पहले तो ये कुछ और ही कहा करते थे। अगर आप यह कहते कि मुझे जनता पार्टी कबूल नहीं और मैं इसमें नहीं रहना चाहता तो कुछ बात ठीक हो सकती थी लेकिन कुछ दिन पहले तक तो ये किसी और तरह की बात किया करते थे। दीवारों पर कुछ और ही पोस्टर लगे हुए थे। अभी तक तो टेलीफोन के बिल भी नहीं चुकाए थे और आप जनता पार्टी को धोखा देकर दलबदल करके भाग गए। मैं तो अच्छा तब समझता जब आप इंदिरा गांधी से टिकट लेते और फिर जीतकर आते। सरदार लक्षमण सिंह बता रहे थे कि हमें अढाई साल की लीज मिल गई है। मैं आज सदन में कहना चाहता हूं और मेरे आज के भाब्द याद रखना कि कांग्रेस (आई) वाले चौधरी भजन लाल को अढाई साल तक मुख्यमंत्री

बर्दा त नहीं करेंगे। चेयरमैन साहब 5 फरवरी को कांग्रेस पार्टी की मीटिंग हो और ये न बुलाए जाएं इससे अजीव बात और क्या हो सकती है? इस सारे एक ान का मासिज पर असर पडता है एडमिनिस्ट्रे ान पर असर पडता है। चेयरमैन साहब, पब्लिक लाईफ में कोई मियार तो होना चाहिये। चौधरी भजन लाल जी लोकनायक श्री जयप्रका ा नारायण जी के चरणों में गये थे मैं भी उनके साथ गया था, फोटो खिचवाये थे और अपनी पीठ पर उनका हाथ रखवाया था। उनके सामने सिर झुकाया था लेकिन अब यहां तक कि अपने कमरे में से उनका फोटो भी हटवा दिया, कितनी भार्म की बात हैं (ाोर एवं व्यवधान)

लोक निर्माण मंत्री (कंवर रामपाल सिंह): चेयरमैन साहब, डा0 मंगल सैन बिल्कुल गलत कह रहे है कि फोटो हटवा दी। फोटो तो अभी भी वहीं पर लगी हुई है (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, अब मैं आपको ला एण्ड आर्डर के बारे में भी कुछ बताना चाहता हूं। हमारे उधर के हरिजन भाई आपस में कुछ प्राइवेट बात कर रहे थे। मुझे मालूम है कि रिवाडी तहसील में बांवरिया जाति के पति और पत्नी को कैसे पुलिस के जुल्मों का ि ाकार बनाया गया। उनको बुरी तरह से पीटा गया। इसी तरह से चेयरमैन साहब, खानपु में 8 फरवरी को सगना नाम के एक जमींदार के मकान पर सुबह 4 बजे पुलिस ने छापा मारा। चार महिलाओं को पकडकर बुरी तरह से टारचर किया गया। चेयरमैन साहब, लोग कहते हैं कि बिहार में तो

श्रीमति इंदिरा गांधी चली गयी थी। खानपुर में क्यों नहीं गयी? वे कहते थे कि ज्ञानी जी बिहार में तो भेज दिये गये हैं यूपी में क्यों नहीं गये? यूपी में चेयरमैन साहब, इसलिये नहीं गये क्योंकि वहां पर लोकदल की सरकार थी। बिहार में इंदिरा गांधी की सरकार है क्योंकि वहां पर कलम अपने हाथ से खुद लगायी थी। पब्लिक लाईफ में चेयरमैन साहब ऐसे मामलों में दो स्टैन्डर्ड नहीं होने चाहिएं। यह सता तोा आनी जानी है कल वहां बैठना पडता है आज यहां बैठना पडता है पर चौधरी भजन लाल तो हमे ाा रूलिंग पार्टी में ही रहेंगे। मुझे सुनकर बडा दुख हुआ कुछ मैम्बर कह रहे थे कि हम तो भाई डेपुटे ान पर गये हुए थे। क्यों भाई अब बताओं क्या अब भी डेपूटे ान पर हो? चेयरमैन साहब, कई भाई कहने लगे कि हम तो हनुमान हैं छाती फाड कर देखो तो राम दिखायी देंगे। अरे क्यों हनुमान जी को अपने साथ मिलाते हो? उन्होंने तो हर सकंट में राम जी का साथ दिया पर जब संजय पर संकट आया तो भाग कर इधर आ गये। इंदिरा पर सकंट आया तो भाग कर उधर चले गये। अब फिर इंदिरा पर संकट आया तो भजन लाल जी आप फिर भागोगे तो फिर इधर कोई मुंह नहीं लगाने वाला है। राजनीति में तो उतार चढाव आते ही रहते हैं।

चेयरमैन साहब, अभी सता में पूरी तरह से आये नहीं कि किस्सा कुर्सी वाले केस में एक पुलिस अफसर को गुडगांव पुलिस ने पता नहीं किस लिये गुडगांव बुलाया। चेयरमैन साहब,

और बतांऊ। चौधरी बंसी लाल जी के मुकदमे वापिस हो रहे हैं। अभी मेरे भाई चौधरी भाम ोर सिंह जी भी कह रहे थे कि राजनीतिक प्रति ाोध से जो मुकदमें बनाये गये हों, ऐसे केसिज तो वाकई की वापिस होने चाहिए थे। कमी ान कह रहा है कि रिवासा जैसे कांड पर जहां पर बहन भाई को नंगा किया गया ..... (ोम भोम) इसलिये मेरा कहना है कि मुख्यमंत्री को भाोभा नहीं देता अपनी सरकार की प्र ांसा करना।

श्री सुरेन्द्र सिंहः चेयरमैन साहब, मैं डाक्टर साहब से गुजारि ा करूंगा कि वे बताए कि जब रिवासा कांड की रिपोर्ट विचाराधीन थी उस वक्त वे मंत्री थे क्या उस वक्त दी गई रिपोर्ट के बेस पर लोगों पर मुकदमें बनाये गये थे या उससे बाहर जाकर लोगों को फंसाया गया था?

श्री सभापतिः देखिये, मैं आनरेबल मैम्बर्ज से निवेदन करूंगा कि कोई पर्सनल बात न बोली जाए।

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, मुझे बडी हमदर्दी है अपने भाई सुरेन्द्र सिंह से (ाोर)

श्री सभापतिः डाक्टर साहब, आप अपनी स्पीच वाइंड अप कीजिये। आपको बोलते हुए काफी समय हो गया है। मीटिंग में यह तय हुआ था कि आपको बोलने के लिये 20 मिनट देने हैं और बूरा साहब को 10 मिनट देने हैं। आपका समय तकरीबन पूरा हो चुका है।

चौधरी भजन लालः चेयरमैन साहब, इनको बीस मिनट का टाईम दिया था वह पूरा हो गया है।

श्री सभापतिः डाक्टर साहब, आप जल्दी खत्म कीजिये।

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, यहां पर बहुत से पुराने मैम्बरान बैठे हैं आप भी तजुरबेकार हैं उनको पता है कि अगर मैं आन लेग्ज रहूंगा तो बाकी का कल हो जाएगा। (ाोर एवं व्यवधान)

बैठक का समय बढाना

मुख्यमंत्री (चौधरी भजन लाल): चेयरमैन साहब, इनको बोलने दीजिये भाशण पूरा करने दीजिये। आधे घण्टे के लिये हाउस का समय बढा दीजियेगा और इनको बोलने दीजिये।

चौधरी राम लाल वधवाः चेयरमैन साहब, जब हाउस कन्टीन्यु कर रहा हो तो फिर आपको किसी कन्ट्रोवर्सी में पडने की क्या आव यकता है? टाईम बढाने की क्या आव यकता है।

श्री सभापतिः आप बैठिये वधवा साहब जी, यूं ही हाउस का टाईम खराब हो रहा है। (विघ्न) सदन की सहमति से हाउस का समय आधा घण्टा बढाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी भजन लाल: चेयरमैन साहब की रूलिंग आ गई है इसलिये अब डाक्टर साहब को बोलना चाहिये।

आवाजें: डाक्टर साहब थक गये हैं बाकी का कल को बोले लेंगे।

श्री सभापति: दो बजे सै ान भाुरू हुआ था। 5 घण्टे की चला है। यह कोई ज्यादा समय नहीं है।

डा0 मंगल सैन: चेयरमैन साहब, मुझे पता है ये लोग क्यों ऐसा कह रहे हैं? (विघ्न) मुझे भाई सुरेन्द्र जी से पूरी हमदर्दी है।

चेयरमैन साहब, क्या क्या बतांऊ एक अफसर के गिरफतारी वारन्ट इ ु हुए और वह अफसर सम्बन्धित पुलिस अधिकारी के पास 1 लाख रूपया रि वत के तौर पर लेकर गया लेकिन उस पुलिस अधिकारी ने वह पैसे नहीं लिये और सरकार को इस बारे में सूचित कर दिया। सरकार ने खु ा होकर उस पुलिस अफसर को 10 हजार रूपये का अवार्ड दिया और साथ में उसको एक एप्रि िाए ान लैटर भी दिया गया परन्तु अब सरकार ने उस अफसर का एप्रि िाए ान लैटर भी रद्द कर दिया और साथ में यह भी कहा है कि 10 हजार रूपया भी वापिस करो।

चेयरमैन साहब, एक दो बातें और कह कर समाप्त करूंगा। चौधरी बंसी लाल जी को मंत्री नहीं बनाया गया। पता चला कि वे यहां आ रहे है तो लोगों का ब्लड प्रे ार होने लगा

कि कहीं वह यहा पर न आ धमके। चेयरमैन साहब बंसी लाल जी का जुल्म था। **अब ये हरियाणा की जनता के सामने लज्जित हैं लाजबाव हैं। (ाोर एवं व्यवधान) चेयरमैन साहब, आज डीजल जमीदारों को नही मिल रहा है और चौधरी भाम ोर सिंह जी मेरी तरफ बडी गौर से देख रहे है। देख इसलिए रहे हैं क्योंकि इनकी मजबूरी हैं। इनकी जबान अपोजी ान में बैठ बैठ कर रवां हो गई है। जो प्वांयट्स इन्होंने नोट–डाउन किए थे वही फटाफट बोलते हुए। पिछले सै ान में इनकी तकरीर यह थी .....

श्री सभापतिः 376 के मुकदमें के बारे में जो बात कही गई हैं वह एक्सपंज कर दी जाए।

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, मुकद्मा झूठा था, यह बात ठीक है लेकिन ये कह दें कि मुकद्मा दर्ज नहीं हुआ था तब आप बे ाक कार्यवाही से कटवा दें (व्यवधान)

Mr. Chairman: I would invite the attention of the hon'ble Members to Rule 100 of the Assembly Rules which says-

1. the matter of every speech shall be strictly relevant to the matter before the Assembly.

2. A member while speaking shall not-

i. reflect upon the conduct of persons in high authority unless the discussion is based ona substantive motion drawn in proper terms.....

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, नो कान्फिडेस मो ान और सैंसर मो ान तो हाउस में डिसकस नहीं हो रही हैं यहां पर तो उनके घर की बात हो रही हैं। (व्यवधान)

Mr. Chairman: Doctor Sahib you cannot reflect upon the conduct of a person in high authority except on a substantive motion. आप अस्प ान कास्ट करके गडबड न करें। (व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः गडबड कुछ नहीं, उनके साथ कोई ज्यादती नहीं है। (व्यवधान)

श्री सभापतिः वे रिमार्क्स मैंने एक्सपंज करवा दिए है।

डा0 मंगल सैनः I am stating the facts. I am not casting any aspersion on anybody. (Interruptions). मैंने टिकट लेने की कोि ा ा नही की वरना इनका पत्ता कट गया होता? (व्यवधान)

Mr. Chairman: Your time is over. Please wind up. (Interruptions).

डा0 मंगल सिंहः अभी तो मेरा तवा गर्म भी नहीं हुआ है। (व्यवधान)

श्री सभापतिः अब आप वाइंड अप करें।

डा0 मंगल सिंहः सभापति महोदय, इन्होंने कहा था कि सात दिनों के भीतर भीतर हमारे पास केंद्र का भाासन आने दो, किसान के खेत में डीजल नहीं जलने देंगे। जब से केंद्र में इनका भाासन आया डीजल के लिए ट्रकों की लाइनें लगी हुई है। आम जनता को मिटटी का तेल नहीं मिल रहा और मेरे भाई गरीबों की बात करते हैं। उनके लिए मगरमच्छ के आंसू बहा रहे हैं। आज सारे गरीब लोग मिटटी के तेल के लिए लाईनों में खडे हैं। सभापति महोदय दिसम्बर–जनवरी 1978 के महीनों में रोजमर्रा की चीजें बहुत ज्यादा सस्ती थी। उस वक्त घी का क्या भाव था, सरसों के तेल का क्या भाव था, चीनी का जनता भाासन में क्या रेट था, यह आप सब जानते है। 2 रूपये 60 पैसे किलो चीनी लेकर आप लोग मुंह मीठा कर लेते थे लेकिन जब से कांग्रेस सरकार ने सैन्टर में कदम रखा तब से 6 रूपये 50 पैसे प्रति किलो चीनी पहुंच गई है। गरीब जनता की महंगाई ने कमर तोड दी है। बिजली का पता नहीं, किसानों को कब मिलेगी। मेरे भाई कहते है कि मजदूरों की मजदूरी बढा दी है। चौधरी भाम ेर सिंह सूरजेवाला यह कहने के लिए मजबूर थे वे हमारी उपलब्धियों को सदन में कहने के लिए मजबूर थे। काम हमारा था, राग इनको अलापना पड गया। सभापति महोदय, फरीदाबाद में इन्होंने मजदूरों को गोलियों से भूना था और इसके दूसरी तरफ मुख्य मंत्री जी कहते हैं कि हमें मजदूरों से हमदर्दी है। इनको गरीब मजदूरों से हमदर्दी नहीं बल्कि ये तो पूंजीपतियों के रखवाले है। चेयरमैन

साहब, जो मजदूर फरीदाबाद में मरे थे, उनको मुआवजा दिया जाए। (व्यवधान)

श्री दीप चन्द भाटिया: आन ए प्वायंट आफ आर्डर। चेयरमैन साहब, मैं आपसे अर्ज करना चाहता हूं कि जिस वक्त वहां मजदूर मरे थे उस वक्त डा0 मंगल सैन मिनिस्टर थे और इन्होंने मजदूरों के साथ दीप चन्द भाटिया को जेल में डाल रखा था। उस वक्त ये मिनिस्टर थे इन्होंने अपनी मिनिस्टरि ाप से उस वक्त रिजाईन क्यों नहीं किया था? (व्यवधान) ये उनके हक में किस तरह बोल रहे हैं। मैं जेल में था और इन्होंने चौधरी भजन लाल का समर्थन किया था (व्यवधान) आज डा0 मगंल सैन गरीबों के लिए बोल रहे हैं उस वक्त क्यों नहीं बोले थे। (व्यवधान) इन्होंने मेरे उपर चार मुकदमें दर्ज किए थे ओर डा0 साहब ने उस वक्त इस बात का समर्थन किया था। (व्यवधान) डा0 साहब तकरीरस तो लच्छेदार करते हैं अडजैक्टिव लगाकर बडे बडे भाशण देते हैं * * (व्यवधान)

Dr. Mangal Sein: Sir, I will have to reply to what he is saying.

श्री दीप चन्द भाटिया: चेयरमैन साहब, मैं चाहता हूं कि जो कुछ डा0 मंगल सैन कह चुके हैं वे लाईने रिकार्ड पर आनी चाहिए और इनके साथ ये भी आना चाहिए कि वे गरीबों के कितने खैरखाह हैं, कितने जुल्म इन्होंने गरीबों पर किये हैं ये सब लाईनें रिकार्ड पर आनी चाहिए। (व्यवधान ाोर)

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, मैं जानना चाहता हूं कि क्या यह प्वायंट आफ आर्डर है जो ये बोल रहे है (व्यवधान) अगर यही बात है तो मुझे इनकी बात का जरूर जवाब देना पडेगा। (व्यवधान)

श्री दीप चन्द भाटियाः आप फिर बोलें, मैं फिर इसी प्वायंट पर बोलूगा। (व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः मैं भाटिया साहब की पूरी तरह से इज्जत करता हूं। आपकी इस बात का ताल्लुक मेरे से नहीं, उन से है जो वहां बैठे हुए हैं। आपके उपर मुकदमा इन्होंने बनाया है। मेरे पास तो यह महकमा ही नहीं था (व्यवधान)

श्री दीप चन्द भाटियाः आन ए प्वायंट आफ आर्डर (व्यवधान) मेरे पास आप सब लोग आये हैं ..... (व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः मैं कभी नहीं गया । (व्यवधान)

श्री दीप चन्द भाटियाः मैं तो तुम्हारी वजह से जेल में गया हूं। (व्यवधान)

श्री सभापतिः भाटिया जी, आप बैठिए। When I am on my legs, please sit down.

डा0 मंगल सैनः आप * * उनको मौका दे रहे है। (व्यवधान)

श्री सभापतिः Order please. When I am on my legs, please sit down. मैं आनरेबल मैम्बर से रिक्वैस्ट करूंगा कि वे पर्सनल अस्प र्शन किसी पर न करें। (व्यवधान) कोई मैम्बर अगर किसी पर अस्प र्शन करता हैं तो उसको सुनना भी पडेगा।

चौधरी भजन लालः आपने कह दिया, इन्होंने कह दिया, दोनों तरफ से बात हो गई। (व्यवधान)

श्री सभापतिः अच्छा होता आप फरीदाबाद की चर्चा न करते। (व्यवधान)

Dr. Mangal Sein: I never mentioned his name. मैं तो सरकार की बात कर रहा था (व्यवधान)

श्री दीप चन्द भाटियाः आप भी एमएलए हैं और दीप चन्द भाटिया भी एमएलए हैं (व्यवधान) आप बोल रहे हैं उसके जबाव में मैं भी बोल रहा हूं। (व्यवधान)

Dr. Mangal Sein: * * I have not mentioned his name.

Mr. Chairman: He spoke on a point of order.

Dr. Mangal Sein: Was it a relevant point of order?.

श्री दीप चन्द भाटियाः * * जो आप कहेंगे, उसका जवाब इसी वक्त दूंगा। (व्यवधान)

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, इस मैम्बर को * * I have every right to have my say. (Interruptions) Let him say on his own turn. He can say whatever he likes on his own turn.

श्री सभापतिः हर एक मैम्बर को बराबर का राईट है यह नहीं कि किसी एक को ही है। (ाोर)

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, आप इनको * * (व्यवधान)

श्री सभापतिः बात तो आपकी ही तरफ से भ्ाुरूस हुई है। (व्यवधान)

चौधरी राजेन्द्र सिंहः सभापति जी, मेरा निवेदन है कि जो भाब्द माननीय सदस्य श्री भाटिया के बारे में कहे हैं वे भाब्द सदन की कार्यवाही से एक्सपंज किए जाएं। (ाोर)

श्री दीप चन्द भाटियाः * * (ाोर)

Dr. Mangal Sein: * *

श्री दीप चन्द भाटियाः मैं जो कुछ बोल रहा हूं वह सच बोल रहा हूं ये * * बोल रहे हैं। ये * * है। (ाोर)

श्रीमति डा0 कमला वर्माः जो भाब्द भाटिया जी ने कहे हैं वे सदन की कार्यवाही से एक्सपंज होने चाहिए (ाोर)

श्री सभापतिः जो पांव पकडने वाली बात है वह एक्सपंज कर दी जाए (ाोर)

डा0 मंगल सैनः चेयरमैन साहब, * * बोलने वाली बात भी एक्सपंज होनी चाहिए। (ाोर)

श्री सभापतिः डाक्टर साहब, आप बैठिए। (ाोर)

श्री दीप चन्द भाटियाः अगर आप और कुछ कहलवाना चाहते हो तो मैं और भी कहूंगो * * मैं सिर्फ भगवान से डरता हूं (ाोर)

(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं फरीदाबाद के बारे में कह रहा था कि वहां जो लोग गोलियों से हलाल हुए और जो निर्दोश मारे गए उनके लिए मुख्यमंत्री जी ने वायदा किया था कि उन लोगों को कम्पनसे ान दिया जाएगा। मैंने सिर्फ यही बात कही थी। इसी बात पर ये सब लोग भडके उठे और हम पर गालियों की बौछार भुरू कर दी। (ाोर)

श्री अध्यक्षः साहेबान मेरी एक रिक्वैस्ट है कि जब एक मैम्बर साहेबान बोल रहे हो तो उसके बीच में इन्ट्रप ान नहीं होनी चाहिए। इस सारी कार्यवाही को मैं एग्जामिन करूंगा और जिस बात को मैं गैरवाजिब समझूगां उसको सदन की कार्यवाही से एक्सपंज कर दूंगा।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा कहना चाहता हूं कि फरीदाबाद में मजदूरों पर गोलियों की वर्शा हुई और मुख्यमंत्री जी ने स्पश्ट भाब्दों में कहा कि ..... (ाोर)

श्री अध्यक्षः यह बात तो आप कह चुके है। आप इस बात को दोबारा न कहे तो अच्छा रहेगा।

डा0 मंगल सैनः ठीक है जी। मैं यह बात कह रहा था कि रोहतक युनिवर्सिटी में जो जमीन एक्वायर की थी .....

Mr. Speaker: I give you five minutes more and try to wind up. डाक्टर साहब आपको बोलते हुए 23 मिनट हो चुके हैं लेकिन बीच–बीच में इन्ट्रप ांज हुई है इसके लिए मैं आपको 4 या 5 मिनट का टाईम और दूंगा।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर साहब, वहां के चांसलर महोदय ने पहले वाली जगह छोड कर दूसरी जगह जा करके जमीन एक्वायर की और कुछ लोगों की जमीन वह छोड रहे हैं। स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा सरकार से कहना चाहूंगा कि यह मामला फर्जी तो नहीं है क्योंकि इस बात की आम जनता में चर्चा है। फिर भी स्पीकर साहब, ...

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, आप कहां की बात कर रहे हैं?

डा0 मंगल सैनः मैं रोहतक की बात कर रहा हूं। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि लोकनायक श्री जय प्रका ा के नाम पर और महात्मा गांधी के नाम पर लिए हुए वोटों से बनाई हुई सरकार ने बचन दिया था कि हम चार वर्शों मे पूरे प्रदे ा के अन्दर न ाबंदी कर देंगे और कदम पर कदम हम लोग भाराब की खपत कम कर देंगे तथा ड्राईडेज भी कम हो जाएगें और आगे से भाराब भी ज्यादा दिया करेंगे। स्पीकर साहब, यह उन महापुरूशों की आत्मा के साथ बडा भारी धोखा है। स्पीकर साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि इससे बढ करके स्वर्गीय महात्मा गांधी के साथ कोई धोखा नहीं हो सकता। अध्यक्ष महोदय, जो बात पहले स्वीकार कर ली और फिर उसके उलट चलें यह भाोभा नहीं देता। सरकार को चाहिए कि प्रदे ा के किसानों को मजदूरों को, छोटे आदमियों को गरीबों को भाराब से छुटकारा दिलाया जाए। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार को कहना चाहूंगा कि आप को अपनी पुरानी पालिसी पर कायम रहना चाहिए। इसके अलावा स्पीकर साहब, मैं नगरपालिकाओं के बारे में भी थोडा निवेदन करना चाहता हूं। सरकार ने नगरपालिकाओं को पर्याप्त धन नहीं दे रखा है। पिछले सै ान से श्री सुरजेवाला जी ने कहा था कि भाहरों में बडी सडाधं है बडी गंदगी है। स्पीकर साहब, जनता पार्टी की सरकार ने मार्किटिंग बोर्डज में नामिने ान भाुरू कर दी। स्पीकर साहब, जहां नामिने ान होती है वहां कुरप ान बोर्डज में नोमिने ान भाुरू कर दी। स्पीकर साहब, जहां नामिने ान होती है वहां कुरप ान जरूर

होती है। मैं समझता हूं जैसा कि श्री सुरजेवाला जी ने कहा था गवर्नर के अभिभाशण के कुछ प्वायंटस छूट गए है। वे प्वांयटस क्या थे वह थे 20 सूत्रीय कार्यक्रम की बात तो नही कह गए? वह श्री संजय गांधी के 4 सूत्रीय कार्यक्रम को भी इस अभिभाशण में इन्ट्रोडयूस करवा देते जिसके प्रभाव से हरियाणा की जनता उत्साह करके बडी मु कल से उठी थी। इस का इतना डर था कि पिछडे हुए गरीब आदमी भाहरों में भी नहीं आ सकते थे। घर छोड करके भाग जाया करते थे और खेतों में सोया करते थे। स्पीकर साहब, आपको याद होगा नगीना गांव में जो गोली कांड हुआ और सोनीपत जिले के पीपली कांड हुआ था (ाोर) अब फिर वही काम करने जा रहे हैं। (ाोर) इनको पता होना चाहिए कि हम आपस में भिड गए और अब फिर हम इक्टठे हो रहे हैं अब हम किसी को डैपूटे ान पर नहीं लेने वाले। हम डैपूटे ान पर आने वाले को कहेंगे कि आप उसी घर में रहो जिस घर में अब हो। स्पीकर साहब, इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं और जो बातें यहां पहले हुई हैं उसके उपर मैं आपकी रूंलिग चाहूंगा।

चौधरी हरस्वरूप बूरा (महम): अध्यक्ष महोदय, सदन के सामने जो गवर्नर महादेय के अभिभाशण के धन्यवाद का प्रस्ताव है और जो बातें इस अभिभाशण में कही गई है वे सब बातें पिछली सरकार की हैं इसलिए मैं जरूर गवर्नर महोदय के अभिभाशण का धन्यवाद करूंगा। स्पीकर साहब, हम इस सरकार से उम्मीद रखते हैं कि कुछ बातें जो गवर्नर महोदय के अभिभाशण में नहीं है

अगर उन बातों को सरकार के नोटिस में लाया जाए तो सरकार उन पर जल्दी गौर करे। अध्यक्ष महोदय, गवर्नर महोदय के अभिभाशण के पैरा 4 में आबयाना की रमिटैंस और लोन्ज की रिकवरी की सस्पैंड करने की बात लिखी गई है। पिछली सरकार ने जिसको रमिट कर दिया था और इस सरकार ने इसको सस्पैंड कर दिया है। मैं चौधरी भजन लाल जी से निवेदन करता हूं ि कइस कहत के समय में इस आबयाना को रमिट कर दें।

अध्यक्ष महोदय, पैरा 6 में देहात के लोगों की तरक्की के लिए इन्फरास्ट्रक्चर की बात कही गई है। कहा गया है कि उनकी सरकार लिंक रोडज बनाकर, ऐजुके ान, रूरल इंडस्ट्रीज और हैल्थ आदि क्षेत्रों में काम करके लोगों का फायदा करेगी। इसलिए मैं सरकार के नोटिस में लाना चाहता है कि कुछ गांवों में सडके इस तरह से बनी हुई हैं कि दोनों तरफ से वे गांव लिंक तो हो गए हैं लेकिन उनका आखिरी सिरा गांव की फिरनी तक रह गया है। वे पूरे लिंक्स बनने चाहिए थे। उनकी युटिलिटी तभी होगी जब उन्हें पूरा किया जाएगा। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि ऐसे लिंक्स को जल्दी से जल्दी पूरा किया जाए।

ऐजुके ान के मुताल्लिक मैं गवर्नमैंट के नोटिस में यह बात लाना चाहता हूं कि पहले स्कूल के लिए एक बिल्डिंग फंड हुआ करता था लेकिन अब उसको कौमन पूल में ले गए। दरअसल जिस स्कूल में बच्चा पढता है उसकी स्कूल की रिपेयर के लिए

उस फंड को इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इसलिए मेरी दरख्वास्त है कि इस बात को भी दुबारा रिव्यू किया जाए।

रूरल इंडस्ट्रीज की बात डाक्टर साहब ने भी कहीं और अखबारों में भी आई लेकिन एक बात मैं महसूस करता हूं कि सरकार जो पहली पालिसी को चेंज करने जा रही है इससे तो बडे इंडस्ट्रियलिस्टस को ही फायदा होगा। इसलिए इसके बारे में भी मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस मसले को भी रिव्यू करके पहली पालिसी को कंटिन्यू रहने दिया जाए।

हैल्थ के बारे में अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन यह है कि हजारों नौजवान साथी हमारे ऐसे हैं जिनको हम नौकरी नहीं दे सकते लेकिन वे आज गांव में अपनी प्रैक्टिस कर रहे हैं जो कानून के खिलाफ है। मैं चाहूंगा कि फौरन उन्हें आरएमपी के रूप में रजिस्टर किया जाए उन्हें सर्टिफिकेट दिया जाए ताकि लीगली वे अपनी आजीविका कमा सकें।

अध्यक्ष महोदय, प्रोहिबि ान के बारे में एक लफज भी अभिभाशण में नहीं है। आज दे ा को भाराब इस तरह से खा रही है जिस तरह से लकडी को घुन खाता है। इसलिए मैं सरकार से निवदेन करूंगा कि बे ाक सरकार को इसमें आमदनी होती हो लेकिन इसका प्रयोग दे ा में बंद होना चाहिए क्योंकि ऐसी आमदनी का क्या फायदा जिससे दे ा का चरित्र ना ा होता हो। जिन लोगों के लिए आप आदमनी का क्या फायदा? इसलिए मेरी

सरकार से पुरजोर प्रार्थना है कि कम से कम अगले साल तक भाराब हरियाणा में बिल्कुल बंद होनी चाहिए। अगर ऐसा करना संभव न हो तो कम से कम चार साल का जो फेज्ड प्रोग्राम है उसके अन्तर्गत ऐसा अव य किया जाना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, पैरा नं 10 में पावर का जिक्र है। इस बात के लिए तो मैं सरकार का आभारी हूं कि पानीपत का थर्मल प्लांट चालू कराया गया लेकिन मैं यहां हथनी कुंड प्रौजेक्ट का जिक्र अव य करना चाहता हूं। वहां चैनल खोदने का काम तो भाुरू हो गया है लेकिन बैराज बनाने का मसला अभी लटका हुआ है। अगर वह नहीं बनेगा तो एसवाईएल की तरह हाल होगा। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि उसे जल्दी से जल्दी बनाने की कोि ा ा करे।

अध्यक्ष महोदय, कृशि के बारे में बहुत कुछ कहा गया है लेकिन ऐग्रीकल्चरल इनपुटस की प्राइजिज इतनी हाई है जिनका अन्दाजा तो हम लगा सकते है लेकिन महसूस केवल किसान ही कर सकता है। इसलिए मैं सरकार से पुरजोर प्रार्थना करता हूं कि या तो किसी न किसी तरह से ऐग्रीकल्चरल इम्पलीमैंटस और इनुपटस आदि की कीमतें कम करवाई जाएं या किसानों को सबसिडी देकर राहत दी जाए। आज ऐग्रीकल्चरल इनपुटस की कीमतें कम नहीं होगी।

अध्यक्ष महोदय, वाटर वर्कस के बारे में पैरा नं 20 में जिक्र है। इसके बारे में भी मेरा एक निवेदन है। इसमें कोई भाक नहीं कि कई जगह वाटर वर्कस तो बने हुए है लेकिन वे उस वक्त के बने हुए हैं जब वहां की पापुले ान कम थी। उदाहरण के तौर पर मैं बहनी महाराजपुर की मिसाल देता हूं। तीन गांवों का यह एक कंपलैक्स हैं यह स्कीम 10 गैलन प्रति व्यक्ति के हिसाब से बननी चाहिए थी लेकिन पांच गैलन के हिसाब से बनी है। अब चूंकि वहां की पापुले ान दुगुनी हो गई है इसलिए यह 20 गैलन प्रति व्यक्ति के हिसाब से बननी चाहिए (विघ्न) मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इन स्कीम्ज को भी औगमैन्ट किया जाए। ऐसी पालिसी सरकार बनाए जिससे पापुले ान के मुताबिक लोगों को जरूरत के मुताबिक उन्हें पानी मुहैया हो सके।

ला एंड आर्डर की बात भी इस अभिभाशण में कही गई है। डा0 मंगल सैन ने बडी तफसील के साथ इस बारे में कहा है लेकिन मैं भी सरकार से कहना चाहूंगा कि ला तो जरूर है परन्तु आर्डर के अन्दर सुधार की जरूरत है। आर्डर को आप सुधारें ताकि हमें कहने के लिए कुछ न मिले। जिस इंसिडेन्ट का जिक यहां हुआ, उसे मैं एक वकील होने के नाते स्पोर्ट नहीं कर रहा हूं बल्कि इसलिए स्पोर्ट कर रहा हूं कि जहां यह इंसिडेन्ट हुआ है जिन लोगों ने यह इंसिडेन्ट देखा है वे इस बात को जानते हैं कि कितनी ज्यादती हुई है। एक आदमी अगर यह कहे कि कुरप ान को खत्म करने के लिए मैं आपका सहयोग चाहता हूं और उसी

कुरप् ान को दूर करवाने के लिए खत्म करन ने यह इंसिडेन्ट देखा है वे इस बात को जानते हैं कि कितनी ज्यादती हुई है। एक आदमी अगर यह कहे कि कुरप् ान को खत्म करने के लिए मैं आपका सहयोग चाहता हूं और उसी कुरप् ान को दूर करवाने के लिए खत्म करन ने यह इंसिडेन्ट देखा है वे इस बात को जानते हैं कि कितनी ज्यादती हुई है। एक आदमी अगर यह कहे कि कुरप् ान को खत्म करने के लिए मैं आपका सहयोग चाहता हूं और उसी कुरप् ान को दूर करवाने के लिए खत्म करन ने यह इंसिडेन्ट देखा है वे इस बात को जानते हैं कि कितनी ज्यादती हुई है। एक आदमी अगर यह कहे कि कुरप् ान को खत्म करने के लिए मैं आपका सहयोग चाहता हूं और उसी कुरप् ान को दूर करवाने के लिए खत्म करने के लिए अगर कोई आदमी सहयोग देता हैं और उसी के साथ ज्यादती हो जाती है तो कितनी बुरी बात है। अध्यक्ष महोदय, बकील क्लास ऐक्सप्लायटिड और एक्सप्लायटियर के बीच एक ऐसी क्लास है जो न्याय दिल सकती है। जो बोल नहीं सकते है जो बेजुबान है उनकी जबान बनकर ये उन्हें न्याय दिलाते है। ऐसी क्लास को सरकार की ओर से प्रोटेक ान मिलनी चाहिए। अगर किसी के द्वारा ज्यादती की गई है तो उसके खिलाफ ऐक ान लिया जाए तथा आर्डर को मेनटेन किया जाए।

अध्यक्ष महोदय, पैरा नं 29 में ऐसैं ि ायल कौमोडिटीज का बडा जिक है। मैं इस पर कुछ नहीं बोलता क्योंकि मेरी इस

बारे में एक काल अटैन् ान मो ान थी जिस पर मैंने बहुत कुछ कहा है।

आखिर में दो बातें कह कर मैं अध्यक्ष महोदय, अपना स्थान लूंगा। लाखों कर्मचारियों के बारे में पे–कमी ान की रिपोर्ट आई है लेकिन यह वर्कचार्जड ऐम्पलाईज के उपर लागू नहीं होगी। मेरी अध्यक्ष महोदय, सरकार से पुरजोर प्रार्थना है कि 20–25 साल से 35 हजार की तादाद में जो वर्क चार्जड ऐम्पलाइज है जो हरियाणा के ही बेटे हैं उनको भी जल्दी से जल्दी रेगुलेराइज किया जाना चाहिए ताकि यह पे–कमी ान की रिपोर्ट उन पर भी लागू हो।

अध्यक्ष महोदय, अन्त में मेरा यह निवेदन है कि हमारे नेता आदणीय बाबू मूल चन्द जैन जी ने अमैन्डमैन्टस दी हैं वे इस अभिभाशण में अव य भाामिल ही जाएं। धन्यवाद।

Mr. Speaker: I must congratulate the hon. Members on giving a very constructive and sober speech.

अध्यक्ष द्वारा औबजर्वे ान–

सदन की बैठको के समय सम्बन्धी

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब मैं एक मसला आपके सामने रखना चाहता हूं। मेरे पास प्रैस के कई साहेबान की तरफ से तथा अपने कुछ सदस्यों की तरफ से भी यह बात आई है कि दो बजे सै ान भाुरू होने के कारण चूंकि भााम को बहुत देर हो

जाती है और अखबारों में खबरें भाया करवाने में भी बडी दिक्कत पे ा आती है इसलिए सै ान सुबह होना चाहिए। इस पर आप साहेबान गौर कर लें। मैं भी लीडर आफ दी हाउस और लीडर आफ दि अपोजि ान से बात कर लूंगा ताकि सभी की सहमति से कोई फैसला हो सकें। (विघ्न)

कल तो दो बजे ही सै ान होगा लेकिन उसके बाद जैसा आप चाहेंगे वैसा कर लेंगे।

अब हाउस कल दोपहर बाद 2 बजे तक के लिए ऐडजर्न किया जाता है।

19.00 बजे

(तत्प चात सदन बुधवार दिनांक 5–3–1980 को 14 बजे तक के लिए स्थगित हुआ।)